सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh
RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number : F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 335, नई दिल्ली । मंगलवार, 11 फरवरी 2025, मूल्य ₹ 5, पेज 8
देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

अपने मिशन में सफल होने के लिए आपको अपने लक्ष्य के प्रति एक चित भाव से समर्पित होना पड़ेगा।

03 जीरो टॉलरेंस और जीरो घुसपैठ पॉलिसी लाने की जरूरत है : डॉ. संदीप पाठक
06 गायब हो रहा वसंत..... फ़रवरी अंत तक सीधे गर्मी ही आएगी
08 OCA खेल प्रबंधन में विफल , अन्तरजातीय खेत्र मे ओड़िशा बदनाम

क्या वाहन मालिकों का सुरक्षित डाटा जो परिवहन विभाग के पास सुरक्षित रहना चाहिए वह इसी तरह किसी को भी उपलब्ध होता रहेगा ?

संजय बाटला

नई दिल्ली। जब आम आदमी के साथ विशेष सुरक्षा जेड प्लस श्रेणी सुरक्षा प्राप्त वीवीआईपी की सुरक्षा में सेंध लगने के हालात दिख रहें और उसके बाद भी विभाग और सरकार आंख कान मुद कर बैठीं रहे तो जनता को क्या करना चाहिए और किस लिए वीवीआईपी को जेड प्लस सुरक्षा देने का औचित्य। हमने आपको सबूतों के साथ यह दिखाया की कैसे कुछ लोग परिवहन विभाग में उपलब्ध डाटा को किसी भी व्यक्ति को कुछ धन राशि लेकर खुले आम उपलब्ध करा रहे हैं जो नियम और कानून के तहत आरटीआई लगाने पर भी उपलब्ध नहीं होता।

आखिर कौन है इन सब के पीछे ? जिसके तार इतने उच्चस्तर तक है की जानकारी उपलब्ध होने पर भी ना तो परिवहन विभाग और ना ही सरकार इस पर कोई कार्यवाही कर रहा है। **आपकी जानकारी हेतु बता दें की *एनआईसी नाम की एजेंसी परिवहन विभाग का डाटा अपने पास सुरक्षित रखने के लिए नियुक्त है और इस तरह के डाटा का बाहरी व्यक्तियों को उपलब्धता होना सिद्ध करता है की कोई उच्च स्तरीय अधिकारी की शय के साथ यह सब हो रहा है।** आप की जानकारी के लिए बता दें भारत देश में रहने वाले व्यक्ति जिनके भी नाम पर कोई भी वाहन पंजीकृत है उसका **आधार कार्ड डाटा, पेन कार्ड डाटा, बैंक खाता संख्या डिटेल, निवास एवम् कार्यस्थल डाटा जो नियम और उच्चतम न्यायालय के दिशा निर्देश के साथ भारतीय रिजर्व बैंक के आदेशानुसार किसी से भी शेयर करना गैर कानूनी है और अपराध है** इस प्रकार की महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त कर कोई भी गलत सोच का व्यक्ति कभी भी किसी भी व्यक्ति को किसी भी प्रकार की चोट/ नुकसान पहुंचा सकता है। **फिर भी परिवहन विभाग के आला अधिकारी, साइबर क्राइम शाखा, भारत एवम् राज्य सरकारे कोई कार्यवाही नहीं कर रही, आखिर क्यों ?** भारत देश की जनता की सुरक्षा में खुले आम सेंध लगाने वाले पर कब होगी कार्यवाही, क्या जब किसी अति विशिष्ट व्यक्ति या उसके पारिवारिक सदस्य के साथ कोई बड़ी दुर्घटना घट जाएगी ?

सचिव जीएडी ने तत्काल प्रभार से मंगवाई अनुबंधित, सविधा कर्मचारियों और परामर्शदाताओं की सूची

परिवहन विशेष न्यूज, नई दिल्ली। दिल्ली सरकार में जितने भी अनुबंधित/सविधा कर्मचारियों और लगे हुये परामर्शदााताअें की सूची नई सरकार गठन होने से पहले ही प्रशासनिक विभाग दिल्ली सचिवालय में आदेश जारी करके सभी विभागों के सचिवों से तत्काल प्रभाव से जमा करने के निर्देश जारी किये। हो सकता है इस आदेश के माध्यम से बनने वाली नई गठित सरकार कोई नया आदेश जारी कर इन सभी को उनकी मांग के अनुसार पक्का करने की कार्यवाही करे। लगे हुये परमार्शदाताओं की जानकारी प्राप्त कर सरकारी विभागों में इनको हटाने या आगे लगे रहने के नये आदेश पारित करे।

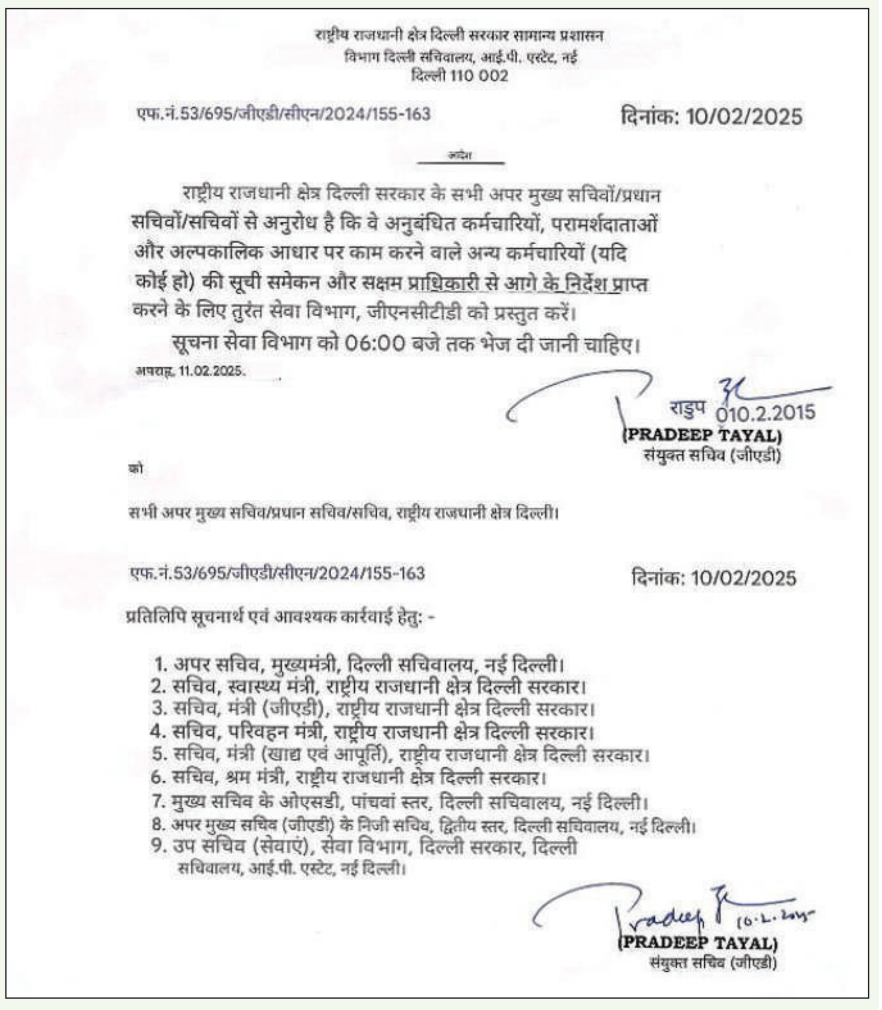

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार सामान्य प्रशासन
विभाग दिल्ली सचिवालय, आई.पी. एस्टेट, नई
दिल्ली 110 002

एफ.नं.53/695/जीएडी/सीएन/2024/155-163 दिनांक: 10/02/2025

आदेश

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के सभी अपर मुख्य सचिवों/प्रधान सचिवों/सचिवों से अनुरोध है कि वे अनुबंधित कर्मचारियों, परामर्शदाताओं और अल्पकालिक आधार पर काम करने वाले अन्य कर्मचारियों (यदि कोई हो) की सूची समेकन और सक्षम प्राधिकारी से आगे के निर्देश प्राप्त करने के लिए तुरंत सेवा विभाग, जीएनसीटीडी को प्रस्तुत करें।

सूचना सेवा विभाग को 06:00 बजे तक भेज दी जानी चाहिए।

अपराह्न. 11.02.2025.

राडुप 010.2.2015
(PRADEEP TAYAL)
संयुक्त सचिव (जीएडी)

को

सभी अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव/सचिव, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली।

एफ.नं.53/695/जीएडी/सीएन/2024/155-163 दिनांक: 10/02/2025

प्रतिलिपि सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु: -

1. अपर सचिव, मुख्यमंत्री, दिल्ली सचिवालय, नई दिल्ली।
2. सचिव, स्वास्थ्य मंत्री, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार।
3. सचिव, मंत्री (जीएडी), राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार।
4. सचिव, परिवहन मंत्री, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार।
5. सचिव, मंत्री (खाद्य एवं आपूर्ति), राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार।
6. सचिव, श्रम मंत्री, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार।
7. मुख्य सचिव के ओएसडी, पांचवां स्तर, दिल्ली सचिवालय, नई दिल्ली।
8. अपर मुख्य सचिव (जीएडी) के निजी सचिव, द्वितीय स्तर, दिल्ली सचिवालय, नई दिल्ली।
9. उप सचिव (सेवाएं), सेवा विभाग, दिल्ली सरकार, दिल्ली सचिवालय, आई.पी. एस्टेट, नई दिल्ली।

Pradeep 10.2.2025
(PRADEEP TAYAL)
संयुक्त सचिव (जीएडी)

पाठकनामा

मैं आपके समाचार पत्र का नियमित पाठक हूँ और इस पत्र के माध्यम से एक महत्वपूर्ण राजनैतिक मुद्दे पर अपनी बात रखना चाहता हूँ। वर्तमान में हमारे देश में राजनीति का स्तर लगातार गिरता जा रहा है। नेताओं के बीच का संवाद, जो कभी राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देता था, अब केवल व्यक्तिगत और दलगत स्वार्थों के इर्द–गिर्द घूमता नजर आ रहा है। हर चुनाव में भड़काऊ बयान तथा सांप्रदायिक मुद्दों को प्रमुखता दी जा रही है, जबकि देश की वास्तविक समस्याएँ—जैसे बेरोजगारी, गरीबी, शिक्षा, स्वास्थ्य और किसानों की समस्याएं—अनदेखी की जा रही हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण बात है कि राजनीतिक दलों से जुड़े लोग जनहित मुद्दों की बजाय प्रलोभन वाले वादों के सहारे जनता जनार्दन के बीच उतर रहे हैं। वोट बैंक की इस राजनीति में वे असल मुद्दों से लोगों का ध्यान भटका रहे हैं। मैं आशा करता हूं कि भारतीय राजनीति की दशा व दिशा से जुड़े मेरे इस विचार को आप पत्र स्थान देंगे।

रितेश कुमार यादव, छात्र, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ
(मदन मोहन मालवीय पत्रकारिता संस्थान)

वाहन के रजिस्टर्ड राज्य में होने पर प्राधिकरण शुल्क का भुगतान न करना उसके राष्ट्रीय परमिट को अमान्य नहीं करेगा: सुप्रीम कोर्ट

संजय बाटला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यदि वैध राष्ट्रीय परमिट मौजूद है तो बीमाकर्ता केवल राज्य परमिट के नवीनीकरण न होने के कारण दावों को अस्वीकार नहीं कर सकते। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यदि किसी वाहन में उसके रजिस्टर्ड राज्य में आग लग जाती है तो राज्य परमिट के लिए प्राधिकरण शुल्क का भुगतान न करने से दावा अमान्य नहीं होगा। कोर्ट ने कहा कि राज्य परमिट के नवीनीकरण के लिए प्राधिकरण शुल्क केवल तभी आवश्यक है, जब वाहन को राज्य से बाहर ले जाया जाता है। चूंकि वाहन में आग उसके रजिस्टर्ड राज्य (बिहार) में लगी थी, इसलिए बीमा कंपनी राष्ट्रीय परमिट के अस्तित्व में होने पर राज्य परमिट के नवीनीकरण न होने का हवाला देकर दावे को अस्वीकार नहीं कर सकती। कोर्ट ने बीमा कंपनी के इस तर्क को खारिज कर दिया कि राज्य परमिट के लिए प्राधिकरण शुल्क का भुगतान न करने से बीमा दावों को सुरक्षित करने के लिए मौजूदा राष्ट्रीय परमिट अमान्य हो जाता है। इसके बजाय इसने कहा कि राष्ट्रीय परमिट तब भी वैध रहता है, जब प्राधिकरण शुल्क का भुगतान नहीं किया जाता है, बशर्ते वाहन का उपयोग उसके गृह राज्य में किया जाता हो। जस्टिस बी.वी. नागरत्ना और जस्टिस एस.सी. शर्मा की खंडपीठ ने उस मामले की सुनवाई की, जिसमें अपीलकर्ता के बिहार में रजिस्टर्ड ट्रक के लिए बीमा दावे को बीमा कंपनी ने इस आधार पर अस्वीकार किया कि ट्रक का राष्ट्रीय परमिट समाप्त हो गया और उसका नवीनीकरण नहीं हुआ। अपीलकर्ता ने राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग, बिहार, पटना के समक्ष शिकायत दर्ज कराई, जिसने प्रतिवादी को अपीलकर्ता के दावों का निपटान करने का निर्देश दिया। एक अपील में राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (NCDRC) ने राज्य उपभोक्ता फोरम के फैसले को पलट दिया, जिसमें कहा गया कि किसी भी वैध परमिट की अनुपस्थिति में बीमा दावे की अनुमति नहीं दी जा सकती। इसके बाद अपीलकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की। सुप्रीम कोर्ट के समक्ष अपीलकर्ता ने तर्क दिया कि अखिल भारतीय परमिट (राष्ट्रीय परमिट) 14.10.2012 से 13.10.2017 तक की वैधता अवधि के साथ जारी किया गया। बिहार राज्य के लिए परमिट 13.10.2012 से 13.10.2013 तक प्रभावी था, जिसका अर्थ है कि जिस दिन 08.06.2014 को ट्रक में आग लगी, उस दिन वैध राष्ट्रीय परमिट अस्तित्व में था। अपीलकर्ता के दावे का विरोध करते हुए बीमा कंपनी ने तर्क दिया कि 13.10.2012 से 13.10.2017 तक की अवधि के लिए राष्ट्रीय परमिट शुल्क का भुगतान किया गया, जबकि राज्य परमिट के लिए प्राधिकरण शुल्क का भुगतान 14.10.2013 से आगे नहीं किया गया। इसलिए उन्होंने तर्क दिया कि राज्य परमिट के नवीनीकरण के बिना राष्ट्रीय परमिट को वैध नहीं माना जा सकता। पक्षकारों की विस्तृत सुनवाई के बाद जस्टिस एस.सी. शर्मा द्वारा लिखित निर्णय में कहा गया कि चूंकि अपीलकर्ता के ट्रक का राष्ट्रीय परमिट वैध था, इसलिए बीमा कंपनी केवल इसलिए दावे को अस्वीकार नहीं कर सकती, क्योंकि राज्य परमिट के लिए प्राधिकरण शुल्क का भुगतान नहीं किया गया था। यह देखते हुए कि घटना वाहन के रजिस्टर्ड राज्य में हुई थी और बीमा अवधि के दौरान वैध राष्ट्रीय परमिट था, न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया कि राज्य परमिट के लिए अद्यतन प्राधिकरण शुल्क की कमी राष्ट्रीय परमिट को अमान्य नहीं करती है।

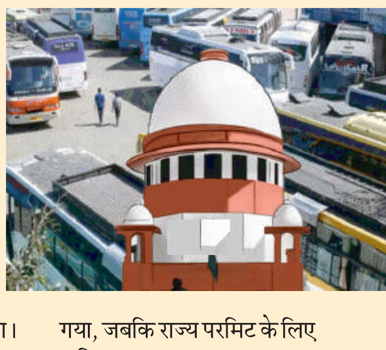

अदालत ने कहा, "इस न्यायालय ने रिकॉर्ड में दर्ज परमिट का ध्यानपूर्वक अध्ययन किया। राष्ट्रीय परमिट निश्चित रूप से 13.10.2017 तक वैध है। प्राधिकरण शुल्क का भुगतान केवल तभी किया जाना आवश्यक था, जब ट्रक बिहार राज्य से बाहर जा रहा था, क्योंकि यह बिहार राज्य में रजिस्टर्ड था। 08.06.2014 को शॉर्ट-सर्किट के कारण ट्रक में बिहार राज्य में ही आग लग गई। इसलिए प्रतिवादी कंपनी इस तरह के तुच्छ आधार पर दावे को अस्वीकार नहीं कर सकती थी। विचाराधीन परमिट बिहार में सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया। इसलिए जब ट्रक बिहार राज्य में इस्तेमाल किया जा रहा था तो प्राधिकरण शुल्क का भुगतान करने की कोई आवश्यकता नहीं थी। राष्ट्रीय परमिट के नियमों और शर्तों के अनुसार, प्राधिकरण शुल्क का भुगतान केवल तभी किया जाना था जब ट्रक बिहार राज्य से बाहर जा रहा था।"

अदालत ने आगे कहा, इस प्रकार, इस न्यायालय की सुविचारित राय में अपीलकर्ता निश्चित रूप से राज्य आयोग द्वारा आयोजित बीमा दावे के लिए हकदार था। इसलिए राष्ट्रीय आयोग द्वारा पारित आदेश, दिनांक 19.08.2020 को रद्द करने योग्य है। तदनुसार इसे रद्द किया जाता है।" तदनुसार, अपील को अनुमति दी गई।

केस टाइटल: बिनोद कुमार सिंह बनाम नेशनल इंश्योरेंस कंपनी

विदेश में वाहन चलाने का शौक: हल्द्वानी की 21 महिलाओं ने बनवाया इंटरनेशनल ड्राइविंग लाइसेंस

परिवहन विशेष न्यूज

विदेश जाकर वाहन चलाने का शौक बढ़ा है। पुरुषों की बात की जाए तो हल्द्वानी से आगे रुद्रपुर और काशीपुर के लोग हैं। एक साल के भीतर हल्द्वानी, काशीपुर, रूद्रपुर, टनकपुर और रामनगर के 454 लोगों ने अंतरराष्ट्रीय ड्राइविंग लाइसेंस बनवाए।

नैनीताल। विदेश जाकर वाहन चलाने का शौक बढ़ा है। पुरुषों की बात की जाए तो हल्द्वानी से आगे रुद्रपुर और काशीपुर के लोग हैं। एक साल के भीतर हल्द्वानी, काशीपुर, रुद्रपुर, टनकपुर और रामनगर के 454 लोगों ने अंतरराष्ट्रीय ड्राइविंग लाइसेंस बनवाए। वहीं हल्द्वानी की महिलाएं इस मामले में आसपास के शहर की महिलाओं से आगे हैं। वर्ष 2024 में हल्द्वानी की 21 महिलाओं ने यह लाइसेंस बनवाया।

कुमाऊं का प्रवेश द्वार माने जाने वाले हल्द्वानी शहर ही नहीं, नजदीक के रूद्रपुर और काशीपुर के भी ऐसे काफी लोग हैं, जिनके रिश्तेदार कनाडा, अमेरिका सहित कई देशों में रहते हैं। वहां जाने के बाद खुद वाहन चलाने का सपना पूरा हो जाए तो इससे बेहतर और क्या हो सकता है। इसके अलावा कुछ ऐसे भी हैं जो रोजी रोटी के लिए भी विदेश में वाहन चलाना चाहते हैं। ऐसे लोगों के लिए देश में ही अंतरराष्ट्रीय डीएल बनवाने की सुविधा है। पर्याप्त दस्तावेजों के साथ उन्हें परिवहन विभाग कार्यालय में आवेदन करना होता है। पिछले साल यानी 2024 में अंतरराष्ट्रीय डीएल बनवाने वालों की संख्या तेजी से बढ़ी है। खासकर रूद्रपुर और काशीपुर से। यहां के पंजाबी समाज से जुड़े अधिकांश लोग विदेश में रहते हैं तो इस जगह से बने डीएल की संख्या भी हल्द्वानी से कहीं ज्यादा है। 2024 में जहां हल्द्वानी में 121 लोगों ने अंतरराष्ट्रीय डीएल बनवाए तो रूद्रपुर में यह संख्या 144 रही। काशीपुर के 124 लोगों ने अंतरराष्ट्रीय डीएल बनवाया। टनकपुर से भी विदेश जाने वाले 30 लोगों ने अपना डीएल बनवाया। जबकि रामनगर से 35 ने आवेदन कर डीएल प्राप्त कर लिया।

संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) संदीप सैनी ने बताया कि 2024 में कुल 454 अंतरराष्ट्रीय डीएल बने हैं। आवेदन करने के लिए सभी जरूरी दस्तावेज लगाने जरूरी है। ऐसे डीएल को जारी करने से पहले विभागीय स्तर पर आवेदन की पड़ताल, दस्तावेजों की सत्यता को परखा जाता है। उसके बाद ही यह लाइसेंस जारी होता है।

विदेश में जाकर वाहन चलाने का सपना देखने वालों में महिलाओं की भी काफी संख्या है। हल्द्वानी, काशीपुर, रुद्रपुर, टनकपुर और रामनगर से डीएल बनवाने वालीं महिलाओं की संख्या 61 है। इनमें भी सबसे ज्यादा डीएल हल्द्वानी में बना है। यहां की 21 महिलाओं ने अंतरराष्ट्रीय डीएल बनवाया, जबकि सबसे कम टनकपुर की महिलाओं ने। टनकपुर की केवल एक महिला ने यह डीएल बनवाया। रूद्रपुर की 19, जबकि काशीपुर की 16 महिलाओं ने अंतरराष्ट्रीय डीएल बनवाया। रामनगर की चार महिलाओं ने आवेदन कर यह डीएल बनवाया है।

अंतरराष्ट्रीय डीएल के लिए जरूरी दस्तावेज

- यहां से बने ड्राइविंग लाइसेंस की छाया प्रति।
- जहां की यात्रा करने वाले हैं वहां का पासपोर्ट और वीजा की कॉपी।
- यात्रा के टिकट की छाया प्रति।
- आयु और निवास प्रमाणपत्र की छाया प्रति।
- भारतीय नागरिकता से जुड़ा प्रमाण पत्र।

भारत 6-7 मार्च को ग्लोबल रोड इंफ्रास्ट्रक्चर पर शिखर सम्मेलन और एक्सपो की करेगा मेजबानी

परिवहन विशेष न्यूज

दुनिया भर के लगभग 300 प्रमुख इंफ्रास्ट्रक्चर (अवसंरचना) और सड़क सुरक्षा विशेषज्ञ अगले महीने दिल्ली में आयोजित होने वाले वैश्विक सड़क इंफ्राटेक शिखर सम्मेलन और एक्सपो (GRIS) में भाग लेंगे।

नई दिल्ली। दुनिया भर के लगभग 300 प्रमुख इंफ्रास्ट्रक्चर (अवसंरचना) और सड़क सुरक्षा विशेषज्ञ अगले महीने दिल्ली में आयोजित होने वाले वैश्विक सड़क इंफ्राटेक शिखर सम्मेलन और एक्सपो (GRIS) में भाग लेंगे। यह जानकारी अंतरराष्ट्रीय सड़क महासंघ (IRF) ने सोमवार को दी।

यह शिखर सम्मेलन 6-7 मार्च को आयोजित किया जाएगा और इसका मुख्य उद्देश्य सुरक्षित इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करना, शहरी नियोजन में सड़क सुरक्षा को इंटीग्रेट करना, इंटेलिजेंट इंफ्रास्ट्रक्चर के जरिए ट्रैफिक ऑप्टिमाइजेशन (यातायात अनुकूलन), सार्वजनिक परिवहन और सड़क सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट सिस्टम (ITS) टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करना होगा।

शिखर सम्मेलन का विषय 'विजन जीरोः सुरक्षित सड़कों के लिए सतत इंफ्राटेक और नीति' रखा गया है।

IRF के अध्यक्ष एमेरिटस केके कापिला ने कहा कि सड़क डिजाइन, निर्माण और प्रबंधन के हर पहलू में सुरक्षा को प्राथमिकता देकर, यह विषय एक ऐसे भविष्य की ओर बढ़ने का प्रयास करता है। जहां सड़क दुर्घटनाएं बहुत ही दुर्लभ हों और आखिरकार शून्य मृत्यु दर का लक्ष्य हासिल किया जा सके।

GRIS के संयोजक अखिलेश श्रीवास्तव ने बताया कि यह सम्मेलन अवसंरचना कंपनियों, राजमार्ग और सड़क विकास प्राधिकरणों और संगठनों, सड़क ठेकेदारों, सड़क सलाहकारों, स्मार्ट सिटी अधिकारियों, सरकारी सड़क संघों और अन्य संबद्ध निकायों के प्रतिनिधियों को एक मंच पर लाएगा।

हस्त नक्षत्र में जन्मे जातक स्वभाव, कैरियर, रोग व उपाय

ज्योतिषाचार्य पं योगेश पौराणिक

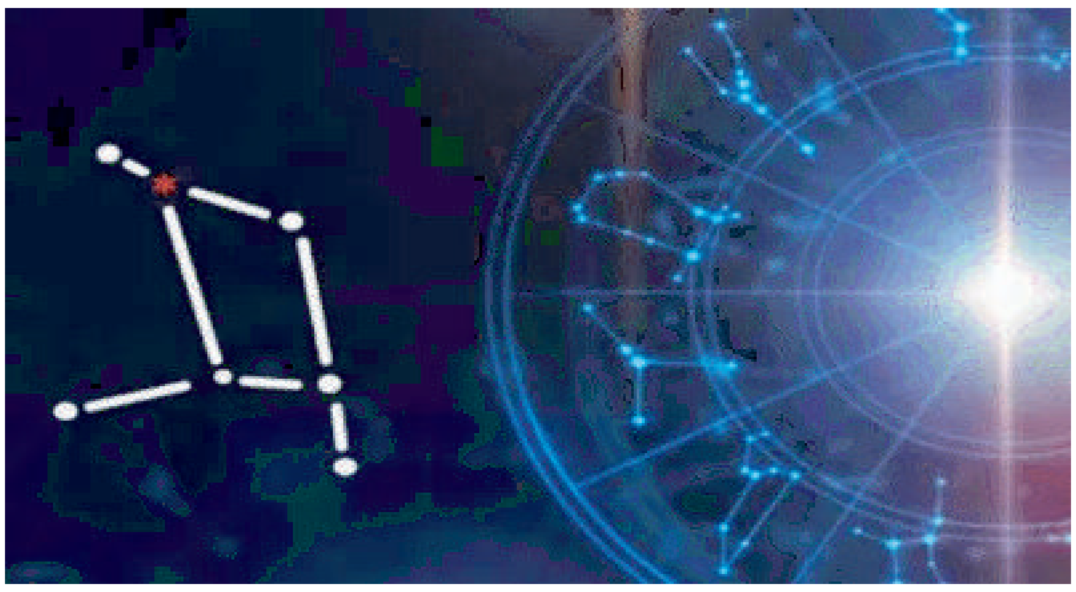

हस्त नक्षत्र को काक मंडल का सदस्य माना गया है जिसमे 5 तारे हैं।

हस्त का अर्थ है 'हाथ' जो की परस्पर सहयोग को दर्शाता है। इस नक्षत्र के अधिष्ठाता देवता सविता सूर्य तथा इस नक्षत्र के स्वामी चंद्रमा को माना गया है। हस्त नक्षत्र का प्रतीक चिन्ह हस्त या हाथ है। इस नक्षत्र को तिर्यक मुख या सम्मुख नक्षत्र कहा जाता है। जो कि व्यापार विस्तार के लिए लाभकारी होता है।

स्वभाव : इस नक्षत्र में जन्मे जातक शारीरिक और मानसिक रूप में सक्रिय, लक्ष्य के प्रति समर्पित तथा व्यवस्था प्रिय होता है। आचार्य वराह मिहिर के अनुसार हस्त नक्षत्र के जातक ज्ञानी, बुद्धिमान, ऊर्जावान, साहसी, सफल व संपन्न व्यक्ति होता है। लेकिन कुछ जातक निष्ठुर स्वभाव के भी होते हैं।

कैरियर : इस नक्षत्र में जन्मे जातक फिजियोथेरेपिस्ट, डॉक्टर, टैरो कार्ड रीडर, वैज्ञानिक, संवाददाता, बैंकर्स, लेखक, अन्वेषक, शेयर दलाल, मैनेजर, क्लर्क, हस्त शिल्प, कलाकार, कृषक, व्यापारी, जौहरी आदि में कैरियर बनाकर सफलता प्राप्त कर सकता है।

उपाय : भगवान सूर्य की उपासना तथा आदित्य हृदय स्त्रोत का पाठ करना तथा भगवान विष्णु के ॐ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जाप करना सभी प्रकार के अनिष्टों से मुक्ति दिलाता है। सफेद, हल्का हरा, नीला रंग भाग्यशाली होता है।

घरेलू उपचार

1. सौंफ को मुंह में रखकर चबाने से मुंह के छाले, पीब और दाने आदि खत्म हो जाते हैं।
2. भोजन करने के बाद थोड़ी सौंफ खाने से मुंह में नए छाले नहीं होते हैं।
3. सौंफ का चूर्ण बनाकर छालों पर लगाने से मुंह के छाले ठीक हो जाते हैं।
4. जिन लोगों के मुंह में छाले अक्सर होते रहते हैं वे खाने के पश्चात थोड़ी सौंफ खाया करें तो उनके मुंह में छाले नही होते हैं।
5. छोटी हरड़ को बारीक पीसकर छालों पर दिन में दो तीन बार लगाने से मुंह तथा जबान दोनों के छाले ठीक हो जाते हैं।
6. तुलसी की चार पांच पत्तियां रोजना सुबह और शाम को चबाकर ऊपर से थोड़ा पानी पी लें(ऐसा चार पांच दिनों तक करें) ।
7. करीब दो ग्राम सुहागे का पावडर बनाकर थोड़ी सी ग्लिसरीन में मिलाकर छालों पर दिन में दो तीन बार लगाएं छालों में जल्दी फायदा होगा।

ऐसा करें

1. दांतों में गंदगी से भी मुंह में छाले पैदा हो जाते हैं अत: दिन में 2 से 3 बार दांत साफ करना जरूरी है। भोजन में लालमरसा का साग खायें।
2. मुंह के छाले होने पर 2 केले रोजाना सुबह दही के साथ खायें।
3. छाले होने पर टमाटर अधिक खाने चाहिए। ठण्डी फल व सब्जियां खायें। पेट की कब्ज खत्म करने के लियें सुबह 1 गिलास पानी शौच जाने से पहले पीने से लाभ होता है।

ऐसा न करें

1. भोजन में अधिक तेल, मिर्च, मांस, तेज मसाले व गर्म पदार्थ न खायें।
2. पेट में कब्ज होने पर छाले बनते हैं।
3. पेट में कब्ज को बनाने वाले कोई भी पदार्थ न खाएं।
4. अधिक गरिष्ठ भोजन न करें।

विश्व बीमार दिवस

हर साल 11 फरवरी को विश्व बीमार दिवस के रूप में मनाया जाता है, जो कैथोलिक चर्च को एक साथ आने और बीमारी से पीड़ित लोगों के लिए प्रार्थना करने का एक तरीका प्रदान करता है। यह उन देखभाल करने वालों और अस्पताल के पादरी को याद करने का भी दिन है जो बीमार लोगों की देखभाल करते हैं। दुनिया में कोई भी व्यक्ति बीमारी से सुरक्षित नहीं है। कुछ लोग जन्मजात दोष के साथ पैदा होते हैं जो उनके पूरे जीवनकाल में बीमारियाँ पैदा करता है। दूसरों को बुरी खबर मिलती है कि उन्हें कोई पुरानी बीमारी है। कभी-कभी यह पता चल जाता है कि कुछ बीमारियों का कारण क्या है, और कभी-कभी इसका कारण कभी पता नहीं चल पाता। बीमारी एक ऐसी चीज़ है जिसके साथ दुनिया शुरू से ही जी रही है। पूरे इतिहास में, ऐसे कई मामले हैं जब लोगों ने कई बीमारियों का इलाज खोजने की कोशिश की। आधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी की बदौलत, बीमारी का निदान और उपचार करने में बहुत सुधार हुआ है। हालाँकि, अभी भी बहुत कुछ करना बाकी है क्योंकि दुनिया भर में कई ऐसी बीमारियाँ हैं जिनका इलाज नहीं हो सकता।

कभी-कभी, यह विज्ञान नहीं होता है, जो इलाज के साथ आता है। कैथोलिक चर्च, और दुनिया भर के कई अन्य ईसाई मानते हैं कि प्रार्थना बीमारों को ठीक कर सकती है। यही कारण है कि पोप को लगता है कि बीमार लोगों को याद रखना और उनके लिए प्रार्थना करना महत्वपूर्ण है। जब पोप जॉन पॉल द्वितीय ने इस दिन की शुरुआत की, तो उन्होंने कहा कि वह चाहते हैं कि यह देखभाल और साझा करने का एक विशेष समय हो। उन्होंने सभी को अपने बीमार भाई या बहन में ₹मसीह का चेहरा देखने₹ की भी याद दिलाई, ₹जिसने पीड़ा, मृत्यु और पुनरुत्थान के द्वारा मानव जाति का उद्धार प्राप्त किया।"

विश्व बीमार दिवस कैसे मनाएँ?

=====================

इस दिन पोप एक विशेष संदेश देते हैं जो इस थीम पर आधारित होता है। दुनिया भर के कैथोलिक चर्च बीमारों के अभिषेक का एक मास मनाते हैं। बीमारों का अभिषेक उन लोगों को दिया जाता है जो न केवल शारीरिक बीमारी से पीड़ित हैं बल्कि भावनात्मक या मानसिक बीमारी से भी पीड़ित हैं। भाग लेने के लिए, अपने समुदाय में इन विशेष सेवाओं में से किसी एक में भाग लें। यदि आप कैथोलिक नहीं हैं, तो भी आप बीमार लोगों के लिए प्रार्थना कर सकते हैं। आप किसी स्वास्थ्य सेवा कर्मी, पादरी या देखभाल करने वाले को भी बीमार लोगों की मदद करने के लिए धन्यवाद दे सकते हैं।

विश्व बीमार दिवस का इतिहास

=====================

पोप जॉन पॉल द्वितीय ने 1992 में विश्व बीमार दिवस की शुरुआत की थी। 11 फरवरी की तारीख लूर्डेस की हमारी महिला के पर्व के साथ मेल खाती है। यह उपाधि धन्य माता को 1858 में सेंट बर्नडेट सोबिरस के सामने प्रकट होने के बाद दी गई थी। उस समय से, दुनिया भर से कई लोग उपचार की तलाश में लूर्डेस, फ्रांस की यात्रा करते हैं। हर साल एक अलग थीम चुनी जाती है, जो आम तौर पर यीशु द्वारा बोले गए शास्त्र के एक अंश के इर्द-गिर्द घूमती है। हाल के विषयों में शामिल हैं:

2021: "तुम्हारा एक ही गुरु है और तुम सब भाई हो।" मत्ती 23:8

2020: "हे सब परिश्रम करनेवालों और बोझ से दबे लोगों, मेरे पास आओ; मैं तुम्हें विश्राम दूँगा।" मत्ती 11:28

2019: "तुमने बिना मूल्य के प्राप्त किया है, बिना मूल्य के दो।" मत्ती 10:8

ल्यूकोरिया (सफ़ेद पानी)

लिकोरिया को आम बोलचाल की भाषा में सफेद पानी, श्वेत प्रदर या व्हाइट डिस्चार्ज के नाम से जाना जाता है। यह महिलाओं में होने वाली एक आम समस्या है जो पीरियड्स से पहले या बाद में सामान्य तौर पर एक से दो दिन के लिए होता है। इससे पीड़ति महिला की योनि से सफेद, पीला, हल्का नीला या लाल रंग का चिपचिपा और बदबूदार पदार्थ का स्राव होता है। ज्यादातर मामलों में यह स्राव सफेद रंग का होता है। हर महिला में इस स्राव की मात्रा और समयावधि अलग-अलग हो सकती है।

लिकोरिया का लक्षण

महिलाओं की यौन स्वास्थ्य से जुड़ी दूसरी समस्याओं की तरह लिकोरिया के भी कुछ लक्षण होते हैं जिनकी मदद से एक महिला इस बात का अंदाजा लगा सकती है की वह इससे पीड़ति है।

लिकोरिया यानी योनि से सफेद पानी आने के सामान्य लक्षणों में निम्न शामिल हैं:-

- कमजोरी महसूस करना
- चक्कर आना
- योनि में तेज खुजली होना
- शरीर में भारीपन महसूस होना
- बार-बार पेशाब लगना
- भूख न लगना
- जी मिचलाना
- आंखों के सामने अंधेरा छाना
- चिड़चिड़ापन होना
- हाथ, पैर, कमर और पेट में दर्द होना

लिकोरिया का उपचार

कई तरह से किया जाता है। डॉक्टर सफेद पानी के कारण की पुष्टि करने के बाद उपचार प्रक्रिया शुरू करते हैं। लिकोरिया कोई गंभीर समस्या नहीं है, लेकिन समय पर उचित इलाज नहीं करने पर जटिलताओं का खतरा होता है।

अगर आप लिकोरिया से पीड़ति हैं तो एक अनुभवी डॉ से परामर्श लेना बहुत आवश्यक है।

सावधानियां

- खुजली और जलन होने पर आइस पैक और गीली पट्टी का इस्तेमाल करें।
- अंडरवियर की साफ-साफ का खास ध्यान रखें।
- पीरियड्स के दौरान सैनिटरी नैपकिन को ज्यादा देर तक न पहनें।
- सिंथेटिक पैंटी के बजाय सूती या लीलन पैंटी पहनें।
- जननांग क्षेत्र को ज्यादा न धोएं, इससे पीएच असंतुलन हो सकता है।
- स्टूल पास करने या पेशाब के बाद आगे से पीछे की तरफ अच्छी तरह पानी से धोएं।
- इन सबके अलावा, संतुलित आहार का सेवन करें।
- रोजाना कम से कम 10-12 गिलास पानी पीएं।
- हल्का-फुल्का व्यायाम करें।
- सुबह या शाम में मेडिटेशन करें।

चेतना का छठा आयाम क्या है ?

कुछ आध्यात्मिक शिक्षाओं का मानना है कि चेतना के विभिन्न आयाम हैं, जिन्हें ध्यान और आत्म-समझ और सचेत जीवन के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है। छठा आयाम वह है जो तीसरी आँख (जिसे अंजा चक्र के रूप में भी जाना जाता है) से निकलता है, शरीर के भीतर ऊर्जा का एक क्षेत्र जो आंतरिक क्षेत्रों और चेतना के विभिन्न स्तरों की ओर ले जाने वाले द्वार की तरह है। छठा आयाम वह है जिसमें कुछ आध्यात्मिक शिक्षाओं का मानना है कि ₹ईश्वर₹ के साथ एकता प्राप्त की जाती है (इस प्रकार की आध्यात्मिक शिक्षाओं में ईश्वर का अर्थ एक सर्वव्यापी प्राणी या आत्मा है, न कि कोई विशिष्ट देवता)। छठा आयाम पवित्रता और प्रकाश का है, जहाँ कोई आत्मा या प्राणी बिना भौतिक शरीर के रह सकता है। यह भी कहा जाता है कि स्वर्गदूत, आत्मा मार्गदर्शक और संत जैसे प्रकाश के प्राणी रहते हैं। इसका उपयोग आध्यात्मिक स्तरों को संदर्भित करने के लिए भी किया जा सकता है, आप अपने बारे में, अपनी भावनाओं और अपने आस-पास की दुनिया के बारे में कितनी गहरी समझ रखते हैं। चेतना को बदला जा सकता है, जैसे कि जब साइकेडेलिक दवाओं का उपयोग किया जाता है, और कुछ लोगों का मानना है कि वे ध्यान के माध्यम से चेतना की बदली हुई अवस्थाओं का अनुभव करते हैं।

✍ हमारा ब्रह्मांड बहु–आयामी है। हालांकि अभी तक हम केवल 3 आयामों को ही जानते हैं।

चौथे आयाम को वैज्ञानिक मानता देते हैं। पर वो पूरी तरह से प्रमाणित नहीं है।

खैर ! आईए इस महत्वपूर्ण प्रश्न पर चर्चा शुरू करते हैं:–

♦ आयाम की परिभाषा:

सरल शब्दों में किसी चीज़ के माप को हिंदी में आयाम कहते हैं तो अंग्रेजी में डाइमेंशंस।

हम 3D दुनिया में रहते हैं। यानी यह दुनिया 3 आयामी है। ठीक एक 3D फ़िल्म की तरह

वर्महोल और टाइम मशीन की धारणा भी इसी पर आधारित होती है। जिसमे महान वैज्ञानिक आइंस्टाइन का बहुत बड़ा हाथ है। सापेक्षता का सिद्धांत इसी पर आधारित है।

इसके बाद के आयाम अभी विज्ञान के दायरे से बाहर है और केवल परिकल्पनाएं हैं।

पर अगर अध्यात्म की नज़र से देखें तो इसका महत्व है। नास्तिक लोग और सनातन पर विश्वास ना करने वालों केलिए अभी उत्तर समापत हो गया है।

पर धर्म से ज्यादा अध्यात्म और ईश्वर पर विश्वास करने वालों केलिए अभी उत्तर में बहुत कुछ बाकी है।

सनातन को विश्व का सबसे प्राचीन धर्म माना जाता है। तो वेदों को सबसे प्राचीन ग्रंथ। वेद सब केलिए हैं, जिसका ज्ञान सब केलिए लाभदायक है।

पुराण भी इसी का अंग है। तो वेद और पुराण 10 आयामों को मानता देते हैं।

पुराणों के अनुसार कुल 14 लोक हैं। जिसमे से 6 धरती के ऊपर 7 धरती के नीचे और 1 धरती को मध्य लोक माना जाता है।

इन सब में अलग अलग आयाम हैं। कोई भी व्यक्ति वो योग्गता हासिल करके इन आयामों को हासिल कर सकता है।

तो ऊपर हम 4 आयामों का जिक्र पहले ही कर चुके हैं। अब पांचवे आयाम से शुरू करते हैं।

तो पुराणों के अनुसार (विज्ञान नहीं) बाकी के आयाम इस प्रकार हैं: 👇

♦ 5th आयाम:

5वा आयाम वहां हैं, यहाँ ब्रह्मा जी निवास करते हैं। यहाँ बाकी के चार आयामों का अस्तित्व समाप्त हो जाता है।

यहाँ का समय भी अलग होता है। यहाँ का एक दिन पृथ्वी के लाखों वर्षों के बराबर होता है। बिग बैंग और सौर मंडल की उत्पति इस आयाम से हुई मानी जाती है।

♦ 6th आयाम:

यहाँ महाविष्णु निवास करते हैं, वहां छठा आयाम माना गया है। जब साधक ध्यान करता है, तो जब वो समाधि में परमात्मा को महसूस करता है तो वो उसे छठा आयाम कहते हैं।

♦ 7th आयाम:

सातवां आयाम ब्रहम ज्योति को माना गया है।

इसमें पहुंच कर तत्व ज्ञान हासिल हो जाता है और व्यक्ति मनुष्य से देवताओं की श्रेणी में आ जाता है।

यहाँ कोई ऋषि मुनि ध्यान और तपस्या के द्वारा पहुंच सकता है।

♦ 8th आयाम:

आठवां आयाम शिव के निवास स्थान कैलाश को माना गया है (ध्यान दें, यह कैलाश पृथ्वी के कैलाश वाला नही है)।

कहते हैं कि बाकी कि 7 आयामों को यही आयाम संतुलित करता है। इस आयाम पर पहुंच कर कोई भी भगवान शिव को पा लेता है।

♦ 9th आयाम:

वैकुंठ में नौवा आयाम माना गया है।

जिसमे भगवान सत्य नारायण निवास करते हैं। मोक्ष को प्राप्त होने वाला इसी आयाम में समा जाते है।

जब आत्मा शून्य में लीन हो जाती है।

♦ 10th आयाम:

अनंत को 10वा आयाम कहा गया है। अनंत से ही महत और महत से ही अंधकार, अंधकार से ही आकाश की उत्पत्ति हुई है।

यहाँ पर सभी आयामों की सीमाएं समापत हो जाती है। यहाँ ना शुरुआत है, ना अंत है।

यह अनंत है। क्योंकि यह परम सत्ता परमेश्वर अर्थात परमात्मा या ईश्वर की है। उस निराकर की है। उस एक की है।

वो सत्ता जिससे संपूर्ण जगत की उत्पत्ति हुई है। उस परमात्मा की है और अंत संपूर्ण जगत ब्रह्मा, विष्णु, शिव सहित इसी ब्रह्म में लीन हो जाते है।

गंगा को दिव्य देवी माना जाता है

गंगा को दिव्य देवी माना जाता है इसका उल्लेख ऋग्वेद में मिलता है। गंगा की कहानी से जुड़ी कुछ मान्यताएं:

1. वामन पुराण के मुताबिक, जब भगवान विष्णु ने वामन रूप धारण किया था, तब ब्रह्मा जी ने उनके चरण धोए थे. इस जल से गंगा का जन्म हुआ।
2. एक और मान्यता के मुताबिक, गंगा पर्वतराज हिमालय और उनकी पत्नी मीना की बेटी थीं. इस तरह गंगा, देवी पार्वती की बहन थीं।
3. गंगा को शिव की जटाओं में रखा गया था। शिव ने गंगा को अपने बालों से होते हुए हिमालय की ढलानों से नीचे की ओर बहने दिया।
4. गंगा को त्रिपथगा भी कहा जाता है। एक मान्यता के मुताबिक, वामन के पैर के चोट से आकाश में छेद हो गया था और तीन धाराएं फूट पड़ी थीं। एक धारा पृथ्वी पर, एक स्वर्ग में, और एक पाताल में चली गई थी।
5. गंगा को भौतिक दुनिया को शुद्ध करने और आत्माओं को पापों से मुक्ति दिलाने के लिए आध्यात्मिक दुनिया से उतारा गया था।

गंगा को पवित्र माना जाता है

घर पर कैसे बनाए टूथपेस्ट

क्या आप देसी नुस्खों में विश्वास करते है तो दांतो के स्वास्थ के लिए अपनाए घरेलू नुस्खें

दांत के कीड़े, सड़न, मसूड़े में दर्द व अन्य दांतो की समस्याओं के लिए घर पर बने टूथ पेस्ट का उपयोग एक अच्छा उपाय। खुद को तंदुरुस्त रखने के लिए हम बाजार में बिकने वाले तमाम उत्पादों को प्रयोग में लाते हैं लेकिन फिर भी हमें रोगों से निजात नहीं मिल पाती। वहीं यदि हम अपनी आदतों में थोड़ा बदलाव लें आएं और कुछ देसी नुस्खों को अपनाएं तो सेहत को संवारा जा सकता है।

आइए जानते हैं कैसे बनाए घर पर दंतमंजन या टूथपेस्ट

1. दांतों की मजबूती के लिए सेंधा नमक, हल्दी पाउडर व सरसों के तेल को मिलाकर मध्यम अंगुली से दांतों को साफ करें। हल्दी एंटीबायोटिक का काम करती है। लेकिन इसका प्रयोग सिर्फ 15 दिनों तक करें। 15 दिनों में हमारे मसूड़ों को मजबूत कर देती है। इससे अधिक समय तक प्रयोग में लाने से दांतों में पीलापन होने का खतरा रहता है।

घर पर बना टूथपेस्ट इसके लिए 75 ग्राम सेंधा नमक, 25 ग्राम मुल्तानी मिट्टी, 5 ग्राम लौंग का तेल, 5 ग्राम फिटकरी, 5 ग्राम यूकेलिप्टस (नीलगिरि) का तेल, 5 ग्राम मिंट, 10 ग्राम हल्दी पाउडर व सरसों के तेल को मिलाकर प्रयोग कर सकते हैं। दांतों को दिन में दो बार साफ करें। मल विसर्जन के वक्त दांतों को भींचकर रखें। इससे दांत हमेशा मजबूत बने रहेंगे।

टूथपेस्ट में मौजूद चीजों के फायदे

1. सेंधा नमक में एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं जो दांतों को बैक्टीरियल इन्फेक्शन से बचाते हैं और हेल्दी बनाए रखने में मदद करता हैं।
2. सरसों के तेल में पर्याप्त मात्रा में एंटी-ऑक्सीडेंट्स गुण होते हैं जो कि दांतों को हेल्दी रखने में मदद करते हैं।
3. लौंग का तेल में मौजूद यूजेनॉल में प्राकृतिक अनेस्थेटिक और एंटीसेप्टिक गुण होते हैं जो मुंह में सूजन को कम करने में लाभदायक होते हैं। दांतों में छिपे बैक्टीरिया से लड़ने में यह काफी असरदार उपाय होता है।
4. नीलगिरी का तेल आपकी दांतों की हेल्थ के लिए फायदेमंद होता है। इसकी एंटी-माइक्रोबियल गुण दांतों की सडन को दूर करने का काम करते हैं। यह तेल दांतों के इन्फेक्शन के लिए बहुत लाभदायक होता है। इसी वजह से इस तेल का इस्तेमाल टूथपेस्ट में किया जाता है।
5. फिटकरी में मौजूद तत्व दांतों की हेल्थ के लिए फायदेमंद होते हैं। फिटकरी का नियमित इस्तेमाल दांतों की कैविटी को कम करने में मदद करता है।
6. हल्दी में मौजूद एंटी-बैक्टीरियल गुणों के साथ एंटी-इंफ्लेमेंटरी गुण मसूड़ों को हेल्दी रखने में मदद करते हैं। साथ ही बैक्टीरियल संक्रमण के कारण दांतों के गिरने की समस्या को भी रोकता है। दांतों को चमकाने के लिए भी हल्दी का इस्तेमाल किया जा सकता है। हल्दी पाउडर से दांत मजबूत होते हैं और पीलापन दूर हो जाता है।
7. मिंट में एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं जो दांतों की हेल्थ के लिए बहुत अच्छे होते हैं।

आजमाए और दांतों को रखे सुरक्षित

हॉट फ्लैशेज

हार्मोन के असंतुलन से जुड़ी एक समस्या है जो आमतौर पर महिलाओं को मेनोपॉज के बाद होती है। इसके कारण शरीर में अचानक से तेज गर्मी महसूस होने लगती है और चेहरा लाल हो जाता है। यह समस्या एंडोक्राइन हार्मोन के असंतुलन और एस्ट्रोजन हार्मोन का स्तर बढ़ जाने से होती है।

हॉट फ्लैशेज क्या है हॉट फ्लैशेस पित्त दोष के असंतुलित होने की वजह से होता है। जिसकी वजह से शरीर में गर्माहट और बैचेनी-सी महसूस होने लगती है। हॉट फ्लैशेस में पित्त दोष की प्रधानता के साथ वात दोष भी असंतुलित हो जाता है जिसके कारण महिलाओं को शरीर में गर्माहट और बैचेनी के साथ-साथ रुखापन भी महसूस होता है।

हॉट फ्लैशेस महिलाओं में अधिकतर मेनोपॉज के बाद महसूस होते है क्योंकि मेनोपॉज के बाद शरीर में मौजूद सेक्स हार्मोन्स जैसे एस्ट्रोजन हार्मोन्स का असंतुलन हो जाने से अधिकतकर महिलाओं को हॉट फ्लैशेस की शिकायत हो जाती है। हॉट फ्लैशेस की समस्या पुरुषों को भी होती है क्योंकि टेस्टास्टरोन हार्मोन्स का लेवल कम हो जाने की वजह से होता है। हॉट फ्लैशेस की समस्या पुरुषों में महिलाओं की समस्या से अलग नहीं होती है क्योंकि हॉट फ्लैशेस की समस्या मुख्यत हार्मोन्स लेवल के कम होने से होती है।

हॉट फ्लैशेज के लक्षण

अचानक से तेज गर्मी महसूस होना हॉट फ्लैश का सबसे प्रमुख लक्षण है लेकिन इसके अलावा भी कई ऐसे लक्षण हैं जिनसे आप हॉट फ्लैशेज की पहचान कर सकती हैं जैसे कि –

1. शरीर के ऊपरी भाग मे पसीना अधिक आना
2. चेहरे, गर्दन, कान, छाती और अन्य भागों में ज्यादा गर्मी लगना
3. अंगुलियों में झनझनाहट होना
4. हृदय गति सामान्य से अधिक होना

हॉट फ्लैशेज में फायदेमंद है सेब का सिरका

एक चम्मच एप्पल साइडर विनेगर (सेब का सिरका) को एक गिलास सादे पानी में मिलाकर रोज 1-2 बार लेना चाहिए क्योंकि इसमें एंटी-इंफ्लामेटरी गुण पाया जाता है जो स्ट्रेस या तनाव को कम करने में मदद करता है।

कौन बनेगा मुख्यमंत्री और किन्हें मिल सकता है मंत्री पद

सुषमा रानी

नई दिल्ली। *कौन बनेगा मुख्यमंत्री?* दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए 48 सीटों पर कब्जा जमाया है। आम आदमी पार्टी (AAP) को सिर्फ 22 सीटों पर संतोष करना पड़ा। इस बड़े चुनावी उलटफेर के बाद अब सबकी नजर इस पर टिकी है कि दिल्ली का नया मुख्यमंत्री कौन बनेगा। बीजेपी के भीतर इस पद के लिए कई नामों पर मंथन चल रहा है, और पार्टी जातीय व क्षेत्रीय संतुलन को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री पद का चयन करने की तैयारी कर रही है। कौन बनेगा मुख्यमंत्री? दिल्ली में सरकार बनाने की तैयारी तेज बीजेपी ने दिल्ली में अपनी सरकार बनाने की प्रक्रिया तेज कर दी है। हालांकि, मुख्यमंत्री पद के फैसले में एक सप्ताह से अधिक समय लग सकता है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस समय विदेश दौरे पर हैं। पार्टी आलाकमान यह सुनिश्चित करना चाहता है कि दिल्ली में एक स्थिर और प्रभावी सरकार बने, जो आगामी लोकसभा चुनावों में भी बीजेपी के लिए मजबूत नींव तैयार करे।

कौन-कौन हैं मुख्यमंत्री पद की दौड़ में? दिल्ली में बीजेपी के कई वरिष्ठ नेता मुख्यमंत्री पद की दौड़ में शामिल हैं। इनमें प्रमुख नाम निम्नलिखित हैं:

1. प्रवेश वर्मा प्रवेश वर्मा को इस पद के लिए सबसे आगे माना जा रहा है। उन्होंने नई दिल्ली विधानसभा सीट से अरविंद केजरीवाल को हराकर बड़ा उलटफेर किया है। वर्मा एक जाट नेता हैं, जो दिल्ली के लगभग 10% मतदाताओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। उनकी मजबूत पकड़ हरियाणा, राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी देखी जाती है। वे बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं, विशेष रूप से गृह मंत्री अमित शाह के करीबी माने जाते हैं।

2. आशीष सूद आशीष सूद दिल्ली बीजेपी में एक प्रमुख पंजाबी चेहरा हैं। उन्होंने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ABVP) से की थी और अब वे पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के साथ काम कर चुके हैं। वर्तमान में, वे गोवा और जम्मू-कश्मीर में बीजेपी के संगठन मामलों को देख रहे हैं। पंजाबी समुदाय दिल्ली में एक महत्वपूर्ण वोट बैंक है, इसलिए सूद को मुख्यमंत्री पद के लिए मजबूत दावेदार माना जा रहा है।

3. विजेंद्र गुप्ता और सतीश उपाध्याय बीजेपी के वरिष्ठ नेता विजेंद्र गुप्ता और सतीश उपाध्याय भी इस दौड़ में शामिल हैं। विजेंद्र गुप्ता बनिया समुदाय से आते हैं, जबकि सतीश उपाध्याय ब्राह्मण समुदाय का प्रतिनिधित्व करते हैं। दोनों ही दिल्ली बीजेपी संगठन में प्रभावशाली माने जाते हैं और उनका पार्टी के भीतर अच्छा दबदबा है।

4. सिख चेहराः मनजिंदर सिंह सिरसा और तरविंदर सिंह मारवाह बीजेपी अपने मंत्रिमंडल में एक सिख नेता को भी शामिल कर सकती है। राष्ट्रीय सचिव मनजिंदर सिंह सिरसा एक प्रमुख दावेदार हैं, जो लंबे समय से सिख समुदाय के मुद्दों को उठाते रहे हैं। इसके अलावा, तरविंदर सिंह मारवाह, जिन्होंने जंगपुरा में मनीष सिसोदिया को हराया था, भी संभावित नामों में शामिल हैं।

5. महिला उम्मीदवारों में कौन-कौन शामिल? बीजेपी महिला नेतृत्व को भी महत्व देना चाहती है। मुख्यमंत्री पद के लिए किसी महिला विधायक के नाम पर चर्चा तो नहीं हो रही है, लेकिन उपमुख्यमंत्री या महत्वपूर्ण मंत्रालयों में महिलाओं को स्थान दिया जा सकता है। शिखा रॉय, रेखा गुप्ता, पूनम शर्मा और नीलम पहलवान इस लिस्ट में शामिल हैं।

6. अनुसूचित जाति (SC) का प्रतिनिधित्व दिल्ली में अनुसूचित जाति के चार बीजेपी विधायक चुने गए हैं। बीजेपी इनमें से कम से कम एक को मंत्रिमंडल में स्थान देने पर विचार कर रही है। इससे समाज के हर वर्ग को प्रतिनिधित्व देने का संदेश जाएगा।

भारत को एंटी ड्रोन टेक्नोलॉजी को एडवांस करने के साथ ही जीरो टॉलरेंस और जीरो घुसपैठ पॉलिसी लाने की जरूरत है : डॉ. संदीप पाठक

मुख्य संवाददाता /सुषमा रानी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव संगठन और राज्यसभा सांसद संदीप पाठक ने सोमवार को पंजाब में भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर तेजी से बढ़ रही ड्रोन गतिविधियों का मुद्दा राज्यसभा में उठाया। इस दौरान उन्होंने पंजाब में भारत-पाकिस्तान सीमा पर ड्रोन से ड्रग्स और हथियारों की तस्करी पर तुरंत रोक लगाने के लिए केंद्र सरकार से उचित कदम उठाने की मांग की। उन्होंने कहा कि पंजाब के बॉर्डर एरिया में ड्रोन की घुसपैठ लगातार बढ़ती जा रही है और पिछले साल 300 से अधिक ड्रोन देखे गए। इसलिए भारत को एंटी ड्रोन टेक्नोलॉजी को एडवांस करने के साथ ही जीरो टॉलरेंस और जीरो घुसपैठ पॉलिसी लाने की जरूरत है। ड्रोन का इस्तेमाल सूचना, ड्रग्स, हथियार को भेजने और आतंकी गतिविधियों में किया जा सकता है, ताकि ये भारत सरकार की नजर में न आएं।

पाठक ने कहा कि मैं एक महत्तपूर्ण विषय को सदन में रखना चाहता हूं जिसका सीधा संबंध राष्ट्रीय सुरक्षा और बॉर्डर एरिया में रहने वाले जनमानस के जनजीवन से संबंधित है। पंजाब का लगभग 550 किलोमीटर का बॉर्डर सीधा पाकिस्तान से लगता है। ड्रोन की घुसपैठ कई सालों में लगातार बढ़ती जा रही है। 2020 में लगभग 50 ड्रोन देखे गए थे। उसके बाद हर साल ये संख्या बढ़ती गई और पिछले साल लगभग 300-350 ड्रोन देखे गए थे।

उन्होंने कहा कि सबसे चिंताजनक बात यह है कि सुरक्षा बल द्वारा बेअसर किए जा रहे ड्रोनों की संख्या काफी कम है। यह मात्र कुछ फीसदी है। इसका मतलब है कि ज्यादातर ड्रोन भारत में लैंड करते हैं और वापस उड़ जाते हैं। ऐसे में बॉर्डर बेल्ट पर पाकिस्तान द्वारा ड्रोन का इस्तेमाल करना बहुत गंभीर है।

पाठक ने कहा कि पाकिस्तान ज्यादातर तुर्की और चीन से ड्रोन का आयात कर रहा है। हमारे देश में एंटी ड्रोन टेक्नोलॉजी अभी एडवांस नहीं है। हमें उन्हें तुरंत अधिग्रहण करना चाहिए। इसमें एक महत्वपूर्ण चीज यह है कि ट्रेनिंग पर भी ध्यान देना पड़ेगा कि फर्स्ट लाइन ऑफ कमीशन बीएसएफ की है। सेकेंड लाइन ऑफ कंट्रोल राज्य पुलिस की रहती है। क्या बीएसएफ ट्रेनिंग और टेक्नोलॉजी के लिहाज पूरी तरह लैस है?

उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर मैं कहना चाहता हूं कि यह ना सिर्फ राष्ट्रीय सुरक्षा बल्कि बॉर्डर पर रहने वाले लोगों के जीवन को भी खतरा है। बॉर्डर के पार से जो ड्रोन भारत में आते हैं, उसके बाद बॉर्डर के पास वाला पूरा गांव सील हो जाता है। एक-एक घर को सर्च किया जाता है। ऐसे में जोरी टॉलरेंस और जीरो घुसपैठ पॉलिसी लाने की जरूरत है। ड्रोन कम ऊंचाई पर उड़ते हैं। कम ऊंचाई के साथ टेक्नोलॉजी को अपग्रेड करना पड़ेगा। यह एक ऐसी चीज है जिसे एक शॉट में एड्रेस किया जा सकता है।

पाठक ने कहा कि पाकिस्तान या कोई भी देश इसे हाइलाइट नहीं करना चाहेंगे। वो ड्रोन को सिर्फ रणनीतिक उद्देश्य के लिए इस्तेमाल करेंगे। वो बम नहीं गिराने वाले हैं। बहुत ही दुर्लभ केस में ऐसा करेंगे। बाकी सूचना, ड्रग्स, आर्म्स इधर भेजेंगे और टेररिस्ट गतिविधियों में इस्तेमाल करेंगे ताकि सरकार की नजर में नहीं आए और यह जारी रह सके। प्रॉक्सी वॉर का यही तरीका है कि इसे सरकार को एक शॉट में करना चाहिए। पंजाब के बॉर्डर एरिया तरनतारन और अमृतसर पर बहुत ज्यादा ड्रोन की एक्टिविटी है।

बीजेपी विरोधी दलित और अल्पसंख्यक वोट, आम आदमी पार्टी के गलत प्रचार कि सरकार बना रहे है, ने कांग्रेस वोट शेयर को प्रभावित किया। - देवेन्द्र यादव

सुषमा रानी

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि चाहे कांग्रेस को दिल्ली विधानसभा चुनावों में मेहनत का लाभ नही मिला है लेकिन सभी प्रत्याशियों ने बेहतर चुनाव लड़ा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं सभी सीटों पर कांग्रेस प्रत्याशियों के पक्ष में जमीनी स्तर पर कड़ी मेहनत की थी, मुझे कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर गर्व है। उन्होंने कहा कि दलित और अल्पसंख्यकों का वोट हासिल करने में कांग्रेस विफलता ने हमारे वोट शेयर को प्रभावित किया, जिससे भाजपा को लाभ मिला। उन्होंने कहा कि दलितों और अल्पसंख्यकों के भाजपा विरोधी वोट आम आदमी के गलत प्रचार के कारण उन्हें पड़ा क्योंकि आम आदमी पार्टी भ्रम फैलाया कि आम आदमी पार्टी सरकार बना रही है।

उन्होंने कहा कि दलित और अल्पसंख्यक, जो हमेशा ही भाजपा की राजनीति से असहज रहे है। उन्होंने भाजपा को रोकने लिए के आम आदमी पार्टी सरकार गठन के झूठ में आकर अपना वोट आम आदमी पार्टी तक ही सीमित रखा, जिसके कारण कांग्रेस को वोट नही मिल पाया, जिससे हमारी संभावनाएं प्रभावित हुईं।

यादव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा से ही पिछड़े समुदायों और अल्पसंख्यकों के लिए लड़ाई लड़ी है। उन्होंने कहा कि हमने सही उम्मीदवार उतारे और मुझे कांग्रेस केडर पर गर्व है। हमें 6.5 वोट प्रतिशत मिला है। उन्होंने कांग्रेस पर विश्वास रखने वाले दिल्लीवासियों का आभार प्रकट किया है। उन्होंने कहा कि बेशक दलितों और अल्पसंख्यक वर्ग दोनो वर्गो के वोट कांग्रेस को नही मिले, जो आम आदमी पार्टी के पास चले गए। शायद हम जनता को यह बता सके कि कांग्रेस सरकार बना सकती है। उन्होंने कहा कि हम अपनी विचारधारा अनुसार दलितों, अल्पसंख्यकों, वंचितों, गरीबों और जमीनी स्तर से नीचे जीवन यापन कर रहे लोगों के हक की लड़ाई जारी रखेंगे। क्योंकि दिल्लीवासी अच्छी तरह जानते है कि भाजपा की राजनीति का आधार क्या है और सत्ता में आने के बाद उन्हांने केन्द्र या राज्यों में कितने वादे पूरे किए है?

दिल्ली में इस दिन रहेगी सार्वजनिक छुट्टी, एलजी वीके सक्सेना ने की घोषणा

सुषमा रानी

दिल्ली में गुरु रविदास जयंती के अवसर पर बुधवार 12 फरवरी 2025 को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। एलजी वीके सक्सेना ने अधिसूचना जारी कर इसकी घोषणा की। इसमें कहा गया है कि दिल्ली सरकार के सभी सरकारी दफ्तर स्वतंत्र निकाय और सार्वजनिक उपक्रमों के दफ्तरों में अवकाश रहेगा। पहले 13 नवंबर 2024 को अवकाश घोषित किया गया था जिसे निरस्त कर दिया गया है।

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में गुरु रविदास जयंती के मौके पर बुधवार (12 फरवरी 2025) को सार्वजनिक छुट्टी का एलान किया गया है। एलजी वीके सक्सेना ने एक अधिसूचना जारी कर इसकी घोषणा की। इसमें कहा गया है कि दिल्ली सरकार के सभी सरकारी दफ्तर, स्वतंत्र निकाय और सार्वजनिक उपक्रमों के दफ्तरों में अवकाश रहेगा। इसमें कहा गया है कि नवंबर 2024 में गुरु रविदास जयंती के अवसर पर घोषित अवकाश रद्द कर दिया गया है।

[To be published in Delhi Gazette Part-IV (Extra-ordinary)]
GOVERNMENT OF NATIONAL CAPITAL TERRITORY OF DELHI
GENERAL ADMINISTRATION DEPARTMENT
(CO-ORDINATION BRANCH)
DELHI SECRETARIAT, I. P. ESTATE, NEW DELHI - 110 002

No.F.53/735/GAD/CN/2025/165-206 Dated: 10.02.2025

NOTIFICATION

The Lt. Governor of National Capital Territory of Delhi is pleased to declare Wednesday, the 12th February, 2025 as a Holiday in all Government Offices, Autonomous Bodies & Public Undertakings, under the Government of National Capital Territory of Delhi, on account of Guru Ravidas Jayanti.

The Restricted Holiday on the occasion of Guru Ravidas Jayanti earlier declared vide Notification No. F.53/689/GAD/CN/2024-25/2018-2064 dated 13/11/2024 stands cancelled.

By order and in the name of the Lieutenant Governor of the National Capital Territory of Delhi

(PRADEEP TAYAL)
JOINT SECRETARY (GAD)

No.F.53/735/GAD/CN/2025/165-206 Dated: 10.02.2025

Copy forwarded for information and necessary action to:-

1. Pr. Secretary to Lieutenant Governor, Raj Niwas, Delhi.
2. Addl. Secretary to Chief Minister, Govt. of NCT of Delhi, Delhi Secretariat, New Delhi.
3. Secretary to Speaker, Legislative Assembly of Delhi, Delhi.
4. Secretaries to Council of Ministers, GNCT of Delhi, Delhi Secretariat, New Delhi
5. Secretary, Ministry of Home Affairs, Government of India, North Block, New Delhi.
6. Secretary, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, GoI, New Delhi.
7. OSD to Chief Secretary, Govt. of NCT of Delhi, Delhi Secretariat, New Delhi.
8. Commissioner, Municipal Corporation of Delhi, Delhi.
9. Chief Secretaries to all State Governments/U.T. Administration.
10. All Addl. Chief Secretaries/Pr. Secretaries/Secretaries/HoDs, GNCT of Delhi, Delhi.
11. Registrar, High Court of Delhi, New Delhi.
12. Commissioner, Delhi State Election Commission, Kashmere Gate, Delhi.
13. Chairman, Delhi Transco Ltd., Shakti Sadan, Kotla Marg, New Delhi.
14. Chairman, DSSSB, Vishwas Nagar, Shahdara, Delhi.
15. MD, DSFC & DC, Ambedkar Bhawan, Institutional Area, Sector-XVI, Rohini, Delhi.
16. MD, Delhi Khadi & Village Industries Board, Nigam Bhawan, Kashmere Gate, Delhi.
17. MD, DTTDC, Govt. of NCT of Delhi, New Delhi.
18. MD, Delhi Transport Corporation, New Delhi.
19. Secretary, NDMC, New Delhi.
20. MD, DSIIDC, Govt. of NCT of Delhi, New Delhi.
21. Vice Chairperson, Delhi Agricultural Marketing Board, GNCT of Delhi, New Delhi

Contd...pg/2

-2-

22. Director, Dte. of Information & Publicity, Govt. of NCT of Delhi, Delhi.
23. CEO, DUSIB, Punarwas Bhawan, I.P. Estate, New Delhi.
24. Chief Executive Officer, Delhi Cantonment Board, New Delhi.
25. Chief Fire Officer, Delhi Fire Services, Connaught Place, New Delhi
26. All Heads of Autonomous Bodies under Govt. of NCT of Delhi, Delhi/New Delhi.
27. Chairman, Minority Commission for Delhi, Govt. of NCT of Delhi, New Delhi.
28. Chairman, Delhi Finance Commission, New Delhi.
29. O/o Hon'ble Lokayukta, G-Block, Vikas Bhawan, Govt. of NCT of Delhi, New Delhi.
30. Registrar, Delhi University, Delhi.
31. Registrar, DSEU, Delhi
32. Registrar, G.G.S.I.P. University, Delhi.
33. Director-Principal, Maulana Azad Institute of Dental Sciences, New Delhi.
34. Chairperson, Delhi Commission for Women, Vikas Bhawan, I.P. Estate, New Delhi.
35. Chairman, Delhi Commission for Safai Karamchari, Karol Bagh, New Delhi.
36. Chairman, Public Grievances Commission, Vikas Bhawan, I.P. Estate, New Delhi.
37. Chairman, Commission for OBC, 5th floor, Vikas Minar, I.P.Estate, New Delhi.
38. Member Secretary, Delhi Child Rights Protection Commission, Kashmere Gate, Delhi.
39. Asstt. Director (B&P), Dte. of Printing, Nirman Bhawan, New Delhi.
40. General Manager, HR Management Deptt, RBI, 6, Sansad Marg, New Delhi.
41. Circle Credit & Financial Officer, State Bank of India, 11, Sansad Marg, New Delhi.
42. Guard file.

(PRADEEP TAYAL)
JOINT SECRETARY (GAD)

आयरन की कमी के लक्षण और स्त्रोत

मानव शरीर के लिये आयरन अत्यंत जरूरी है जिसे लौह तत्व कहा जाता है। आयरन इस लिये भी जरूरी है क्योंकि यह जीवन के लिये जरूरी ऑक्सीजन को फेफड़ों से शरीर के अन्य अंगों तक पहुँचाती है। शरीर में कभी-कभार रक्त की कमी हो जाती है जिसे चिकित्सीय भाषा में अनीमिया कहते हैं। इतना ही नहीं आयरन हमारी माँसपेशियों में ऑक्सीजन का प्रयोग और उसे शरीर में सहेज कर रखने में भी मदद भी करता है। यह भी जरूरी है कि शरीर के लिये जरूरी आयरन को संतुलित मात्रा में लेनी चाहिए क्योंकि शरीर में इसकी कमी और अधिकता दोनों ही नुकसान पहँचा सकती है। आयरन महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह हेमोग्लोबिन बनाने के लिए ज़रूरी है। आहार से पर्याप्त आयरन न मिलने से एनीमिया हो सकता है। इसे आयरन की कमी वाला एनीमिया कहा जाता है। इसलिये शरीर में आयरन की कमी का पूर्वानुमान व निदान आवश्यक होता है।

आयरन या लौह तत्व की कमी के लक्षण व संकेत

आयरन की कमी के लक्षण इस बात पर निर्भर करते हैं कि व्यक्ति इससे किस हद तक प्रभावित है अगर यह कमी गंभीर नहीं है, तो यह कम परेशान करती है, लेकिन शरीर में आयरन की मात्रा अधिक घट जाने से परेशानियाँ बढ़ जाती है जैसे

1. आयरन की कमी की वजह से आंखों के सामने बैठे बैठे अंधेरा छा जाता है और चक्कर आ जाता है।
2. दिनभर बिना काम किये थकान महसूस होती है।
3. 6 से 8 घंटे की नींद पूरी करने के बाद भी अगर आपको थकान का एहसास हो तो समझिये कि आयरन की कमी के संकेत हो सकते हैं।
4. आयरन की कमी सीधे चेहरे पर दिखती है क्यों कि खून की कमी से त्वचा में पीलापन आ जाता है।
5. शरीर में आयरन की कमी हो जाती है तब दिमाग में खून की पूर्ति नहीं हो पाती जिससे हमेशा सिरदर्द होता रहता है।
6. सबसे पहले नाखून पीले दिखने लगेंगे और उसके बाद कमजोर हो कर टूटने लगते हैं।

कैसे निपटे इस कमी से ?

1. शरीर में आयरन की कमी का निदान करने के लिए खून बढ़ाने वाले आहार लेने चाहिये। पौष्टिक आहार खाकर आयरन की कमी से बचा जा सकता है
2. डॉक्टर से सलाह लेकर आयरन टैबलेट भी ले सकते हैं।
3. भोजन में आटा, काबुली चना, राजमा, सोयाबीन, मेथी और सरसों का साग, बादाम, सूखे मेवे, मसूर की दाल, पालक, अंगूर, अमरूद, संतरे आदि का सेवन करना चाहिये।
4. अंकुरित दाल का सेवन खून की मात्रा बढ़ाने में सहायक होती है।

गर्भवती महिलाओं के लिए

1. गर्भवती महिलाओं और उसके अजन्मे बच्चे के लिए आयरन एक महत्वपूर्ण खनिज है।
2. आयरन हीमोग्लोबिन का एक घटक है। अगर शरीर में आयरन और हीमोग्लोबिन की कमी हो तो गर्भवती महिलाओं में रक्ताल्पता या एनीमिया होने का खतरा बढ़ जाता है।

विधिवत हवन करने से अनेक प्रकार के रोग नष्ट होते हैं

विधिवत प्रक्रिया से किए गए हवन से ज्वर, राजयक्ष्मा, कुष्ठ, भगन्दर सहित अनेक घातक रोग नष्ट हो जाते हैं। कृत्यकल्पतरु धर्म शास्त्रीय कृत्यों के संग्रह का एक विशाल ग्रन्थ है। इसमें अनेक काण्ड है। कृत्यकल्पतरु 12 वीं शताब्दी का अत्यन्त प्रामाणिक ग्रन्थ है। इसके तीर्थ विवेचन काण्ड में मुख्य रूप से वाराणसी, प्रयाग, गङ्गा, गया, कुरुक्षेत्र, पुष्कर, मथुरा, उज्जयिनी, बदरिकाश्रम, द्वारका, केदार तथा नैमिषारण्य आदि तीर्थों के माहात्म्य तथा तीर्थ यात्रा की विधि विस्तार से उल्लेखित है। इस ग्रन्थ में दो हजार श्लोकों में काशी का माहात्म्य भी बताया गया है। वृष, अग्नि, मातृका, गणपति, कार्तिकेय, श्रेष्ठा, दुर्गा तथा चण्डी यह आठ शिव प्रतिष्ठा के आवरण - देवता हैं। नवनिर्मित शिव मन्दिर के चारों ओर लोकपाल, गणपति आदि की भी स्थापना करना चाहिए। उत्तर दिशा से लेकर क्रम से उमा, चण्डी, नन्दी, महाकाल, लकुलीश, विघ्नेश्वर, महाभृंगी और स्कन्द की स्थापना करनी चाहिए। इन्द्र आदि लोकपालों, ब्रह्मा तथा जनार्दन की स्थापना अपनी - अपनी दिशाओं में और क्षेत्रफल की स्थापना ईशान कोण में यत्नपूर्वक करनी चाहिए।

मनुष्य के पतन का कारण है अहंकार !

आज मनुष्य में अहंकार, बल, घमंड, कामना, क्रोध और दूसरों की निंदा करने की भावना लगातार प्रबल होती जा रही है, जो मनुष्य के लिए ठीक नहीं है। मनुष्य में इन सभी दुर्गुणों के कारण ही आज मनुष्य का साक्षात्कार ईश्वर से नहीं हो पा रहा है। वास्तव में ये सभी मनुष्य के पतन का सबसे बड़ा कारण बनते हैं।गीता में कहा गया है - 'अहंकारं बलं दर्पं कामं क्रोधं च संश्रिताः। मामात्मपरदेहेषु प्रद्विषंतोअभ्यसूयकाः।' मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु तो अहंकार ही है। आज मनुष्य धन, पद-प्रतिष्ठा और यश पाकर अहंकारी होने लगता है। वह किसी दूसरे व्यक्ति को कुछ भी नहीं समझता है और यह सोचने लगता है उससे बड़ा(धन,पद, प्रतिष्ठा और यश में) दुनिया में कोई और नहीं। मनुष्य में जब अहंकार की भावना प्रबल होने लगती है तो मनुष्य का जीवन जटिलता की ओर बढ़ने लगता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि अहंकार मनुष्य के जीवन को बहुत ज्यादा संघर्षपूर्ण बना देता है। अहंकार के कारण मनुष्य का व्यक्तिगत जीवन तो प्रभावित होता ही है, साथ ही साथ समाज और संस्कृति पर भी इसका गहरा असर पड़ता है। सच तो यह है कि यह अहंकार ही होता है जो मनुष्य जीवन से खुशियां छीन लेता है। वास्तव में स्वयं को हमेशा दूसरों से बेहतर मानना, सबसे अलग मानना, अहम् की भावना ही तो अहंकार है। मनुष्य की यह एक बड़ी कमी है कि वह स्वयं को सर्वोच्च और अनमोल समझने लगता है। अहंकार में आकर मनुष्य सिर्फ़ और सिर्फ़ अपने बारे में ही सोचता है और मनुष्य अन्य लोगों के व्यक्तित्व और उनके दृष्टिकोण को नजरंदाज कर देता है। सरल शब्दों में कहें तो अहंकार स्वयं को दूसरों से श्रेष्ठ मानने के कारण उत्पन्न हुआ एक व्यवहार है। वास्तव में एक अहंकारी व्यक्ति स्वयं को ही सर्वज्ञ व सर्वगुणसंपन्न समझने लगता है।वह सीखने का प्रयास नहीं करता और इस कारण से वह निरंतर सीखते रहने की प्रक्रिया से कट जाता है और वास्तव में अल्पज्ञ व अनुभवहीन बना रहता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि अहंकार व्यक्ति को उसकी वास्तविकता से दूर कर देता है। सच तो यह है कि अहंकार मनुष्य में एक प्रकार की आसुरी प्रवृत्ति है, जो मनुष्य को निकृष्ट एवं पाप कर्म करने की ओर अग्रसर करता है। अहंकार मनुष्य जीवन में उन्नति की सबसे बड़ी बाधा है।एक अहंकारी और दंभी मनुष्य परिवार और समाज को अधोगति की ओर ले जाता है।जब किसी व्यक्ति में अहंकार की भावना घर कर जाती है तो वह अपनी गलतियों को स्वीकार करने में असमर्थ होता है। बड़े ही सुन्दर शब्दों में हम अहंकार (बड़प्पन) को एक दोहे के माध्यम से बखूबी समझ सकते हैं।एक दोहे में क्या खूब कहा गया है-'औघट घाट पखेरुवा, पीवत निरमल नीर।गज गरुवाई तैं फिरै, प्यासे सागर तीर॥' इसका सीधा सा तात्पर्य यह है कि-' उथले या कम गहरे घाटों पर भी पक्षी तो निर्मल पानी पी लेते हैं, पर हाथी बड़प्पन के कारण समुद्र के तट पर भी (जहाँ पानी गहरा न हो) प्यासा ही मरता है।' कहना ग़लत नहीं होगा कि यह मनुष्य का अहंकार ही होता है जिसके कारण से न केवल उसके व्यक्तिगत जीवन में संघर्ष और कठिनाईयां बढ़तीं है बल्कि उसके सामाजिक संबंध भी बिगड़ने लगते हैं। एक अहंकारी और दंभी व्यक्ति कभी भी अपनी कमजोरी या गलती मानने को लिए तैयार नहीं होता और यही कारण है कि उसे हमेशा दूसरों की आलोचनाओं का लगातार सामना करना पड़ता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि जब मनुष्य के मन में 'मैं' की भावना पैदा हो जाती है, तो वह 'मैं' की भावना उसे प्रभु से दूर ले जाती है। हमें यह चाहिए कि हम अपने अंदर सद्गुणों को

विकसित करें, क्यों कि मनुष्य की सबसे बड़ी पूंजी सद्गुण हैं। दया, संतोष,शील, परोपकार, त्याग, सहिष्णुता,संयम,नम्र वाणी सद्गुण हैं,जो मनुष्य को ऊंचाइयों पर ले जाने की अभूतपूर्व क्षमताएं रखते हैं।वहीं दूसरी ओर काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार ये सब हमें डस लेते हैं। इनसान अहंकार में सच्चाई से बहुत दूर चला जाता है। याद रखिए कि मनुष्य जीवन में नम्रता बहुत जरूरी है। अहं किसी भी व्यक्ति को ईर्ष्या और द्वेष का शिकार बना सकता है। जब कोई व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति को नीचे गिराने की कोशिश करता है तो उसकी आत्मिक शांति समाप्त हो जाती है। मनुष्य को यह बात अपने जेहन में रखनी चाहिए कि फल पेड़ का कर्म है, वैसे ही मनुष्य का आचार ही उसके जीवन का फल है। बहरहाल, पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि संस्कृत में बड़े ही खूबसूरत शब्दों में कहा गया है कि-'अहंकारः सदा त्याज्यः साक्षात नरकस्य कारणम्।' इसका तात्पर्य यह है कि 'अहंकार अर्थात्‌ घमंड का सर्वथा त्याग कर देना चाहिए। नहीं तो यह नरक ले जाने वाला होता है।' वास्तव में मनुष्य कर्तव्यनिष्ठ हो, विनम्र हो, चरित्रवान हो, उदार हो तथा परिश्रमी हो, अहंकार तो रावण का भी टूट गया था। वास्तव में जिस मनुष्य की इन्द्रियाँ और मन वश में है वह सारे संसार का राज्य कर सकता है।आचार्य चाणक्य के अनुसार जिस व्यक्ति के पास ज्ञान की कमी है, लेकिन उसका स्वभाव अच्छा है, तो ऐसे व्यक्ति को समाज में बहुत सम्मान मिलता है। इतना ही नहीं,जिस व्यक्ति के पास दया भाव होता है, वो व्यक्ति ईश्वर के बहुत करीब होते हैं. ऐसे व्यक्ति हर जगह खुशी फैलाते हैं और लोगों के चेहरे पर मुस्कान भी लाते हैं। वास्तव में मनुष्य का जीवन संयमित होना चाहिए। संयमित जीवन से तात्पर्य है मनुष्य की भलाई, आत्म-खोज और एक सार्थक और पूर्ण अस्तित्व की खोज के लिए एक समग्र प्रतिबद्धता। संयमित जीवन हमें जीवन के प्रति सकारात्मक बनाता है।सच तो यह है कि संयमित जीवन जीने से आत्म-चिंतन और आत्मनिरीक्षण का एक अनूठा अवसर मिलता है। बहरहाल,अहंकार हमेशा डर की जगह से आता है; प्रशंसा न मिलने का डर, सत्ता खोने का डर, पसंद न किए जाने का डर, या गलती करने का डर। कहना ग़लत नहीं होगा कि अहंकार सचमुच तुलना करके जीता है। जब हम किसी से ईर्ष्या करते हैं, तो यह हमारा अहंकार ही होता है। जब हम बीच में बोलते हैं और खराब श्रोता होते हैं, तो यह भी हमारा अहंकार ही होता है। जब हम किसी का ध्यान आकर्षित करने के लिए लालायित होते हैं, तो यह भी हमारा अहंकार है। इसलिए हमें यह चाहिए कि हम हर हाल में अहंकार से बचें और संयमित जीवनशैली और सद्गुणों को अपनाकर जीवन में आगे बढ़ें।

सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कालमिस्ट व युवा साहित्यकार, उत्तराखंड।

होटल बुकिंग के नाम पर हो रही है बड़ी ठगी, यहां पढ़ें इससे बचने के उपाय

राम कुमार ने बताया कि वह धार्मिक क्षेत्र से जुड़े हैं। पिछले दिनों उन्होंने कई लोगों के साथ कुंभ मेला और धार्मिक स्थलों पर जाने की योजना बनाई थी। यात्रा से पहले सभी ने होटल बुक करने की सहमति जताई थी। गूगल के जरिए होटल बुक करने की कोशिश की। बुकिंग के दौरान एक अनजान व्यक्ति का फोन आया। उसने कई ऑफर दिए। पीड़ित ठगी के जाल में फंस गया।

नोएडा। साइबर जालसाज कुंभ मेले में होटल व अन्य सुविधाओं की बुकिंग में भी सेंध लगा रहे हैं। वे आकर्षक ऑफर व बेहतर सुविधाओं के नाम पर लोगों को ठग रहे हैं। गौतमबुद्ध नगर में भी लोग साइबर जालसाजों के झांसे में आ रहे हैं।

ऐसी शिकायतें साइबर क्राइम व थाने तक पहुंच रही हैं। नोएडा पुलिस शिकायतों की जांच कर रही है। उधर, साइबर विशेषज्ञों की मानें तो कुंभ खत्म होने को है लेकिन जालसाज अभी भी आकर्षक ऑफर देकर लोगों को ठगने की कोशिश में लगे हैं। वह जल्दबाजी में बुकिंग कराने वाले लोगों को गूगल से नंबर लेकर ठग रहे हैं। ऐसे में विश्वसनीय प्लेटफॉर्म या माध्यम से ही बुकिंग कराएं।

कुंभ में होटल बुकिंग के नाम पर 54 हजार ठगे

सेक्टर 48 के राम कुमार शर्मा ने बताया कि वह धार्मिक क्षेत्र से जुड़े हैं। पिछले दिनों उन्होंने कई लोगों के साथ कुंभ मेला और धार्मिक स्थलों पर जाने की योजना बनाई थी। यात्रा से पहले सभी ने होटल बुक करने की सहमति जताई थी। गूगल के जरिए होटल बुक करने की कोशिश की।

बुकिंग के दौरान एक अनजान व्यक्ति का फोन आया। उसने कई ऑफर दिए। पीड़ित ठगी के जाल में फंस गया। राम कुमार ने दो बार में 9500-9500 रुपये, चार बार में 18000 रुपये और 15000 रुपये ट्रांसफर कर दिए। जब बुकिंग नहीं हुई तो राम कुमार को ठगी का अहसास हुआ।

उन्होंने 1930 पर शिकायत दर्ज कराई और फिर साइबर क्राइम थाने में जाकर जानकारी दी। डीसीपी नोएडा रामबदन सिंह ने बताया कि जालसाजों द्वारा दिए जा रहे लुभावने ऑफर की सत्यता जांच लें। जालसाजों को भुगतान करने से बचें। सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई सूची और प्लेटफॉर्म के जरिए ही बुकिंग कराएं।

होटल बुकिंग पर 9500 रुपए ठगे

सेक्टर 113 थाना क्षेत्र की आम्रपाली प्लेटिनम सोसायटी के अंकुर गोयल ने बताया कि वह जनवरी में प्रयागराज और बनारस आदि में होने वाले कुंभ मेले में जाने के लिए होटल बुक करा रहे थे। गूगल से नंबर सर्च करते समय वह जालसाजों के संपर्क में आ गए। जालसाजों ने उन्हें लुभावने ऑफर देकर ठगा। अभी बुकिंग पर छूट देने का झांसा देकर 9500 रुपए ठग लिए। सुविधाओं के नाम पर जब उनसे और पैसे मांगे गए तो पीड़ित को ठगी का शक हुआ। इसके बाद जालसाज ने उनसे संपर्क करना बंद कर दिया।

शादी में जाना युवक को पड़ा महंगा, कार हादसे में हुई मौत

गुरुग्राम के पटौदी के पथरेड़ी में शादी समारोह में शामिल होने के बाद चार दोस्त रात 12 बजे कार से झज्जर के सोंधी गांव जा रहे थे। रास्ते में बिनौला और पचगांव के बीच सर्विस रोड पर सामने से आ रही निजी बस ने कार को टक्कर मार दी। हादसे में कार चला रहे एक युवक की मौत हो गई।

गुरुग्राम। पटौदी के पथरेड़ी में शादी समारोह में शामिल होने के बाद चार दोस्त रात 12 बजे कार से झज्जर के सोंधी गांव जा रहे थे। रास्ते में बिनौला और पचगांव के बीच सर्विस रोड पर सामने से आ रही निजी बस ने कार को टक्कर मार दी।

तीन युवकों को आई चोटें : हादसे में कार चला रहे एक युवक की मौत हो गई। तीन अन्य युवकों को भी मामूली चोटें आईं। उन्हें उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। बिलासपुर थाना पुलिस ने रविवार को पोस्टमार्टम के बाद युवक का शव परिजनों को सौंप दिया। बस चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतक युवक की पहचान झज्जर के गांव सोंधी निवासी सुरेंद्र के रूप में हुई।

पुलिस के अनुसार सुरेंद्र शनिवार को सचिन, प्रदीप व एक अन्य दोस्त के साथ कार से गुरुग्राम के गांव पथरेड़ी में रहने वाले दोस्त की शादी में शामिल होने आया था। रात साढ़े 12 बजे वह दोस्तों के साथ घर लौट रहा था। वह केएमपी पकड़ने के लिए सर्विस रोड पर कार से जा रहा था।

निजी बस ने कार को मारी टक्कर : इसी दौरान सामने से एक निजी बस ने उसकी कार को टक्कर मार दी। हादसे में सुरेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गया। सचिन, प्रदीप व एक अन्य युवक भी चोटिल हो गए। सभी लोग सुरेंद्र को रेवाड़ी अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

FIITJEE कोचिंग सेंटर के 12 बैंक खाते फ्रीज, अभिभावकों ने लगाया ये आरोप

ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क कोतवाली पुलिस और साइबर क्राइम ने फिटजी कोचिंग संस्थान के खिलाफ शिकंजा कसते हुए 12 बैंक खाते फ्रीज कर दिए हैं। इन खातों में 11 करोड़ रुपये की रकम मिली है। एडीसीपी अशोक कुमार शर्मा ने बताया कि पुलिस को फिटजी के संस्थापक दिनेश गोयल के पैन कार्ड से संबंधित विभिन्न राज्यों में अन्य निजी बैंक खातों की भी जानकारी मिली है।

ग्रेटर नोएडा। नॉलेज पार्क कोतवाली पुलिस और साइबर क्राइम ने फिटजी कोचिंग संस्थान के खिलाफ शिकंजा कसते हुए 12 बैंक खाते फ्रीज कर दिए हैं। इन खातों में 11 करोड़ रुपये की रकम मिली है।

जानकारी जुटाने में लगी पुलिस

इसके अलावा पुलिस जांच के दौरान 186 चालू बैंक खातों की जानकारी मिली है। एडीसीपी अशोक कुमार शर्मा ने बताया कि पुलिस को फिटजी के संस्थापक दिनेश गोयल के पैन कार्ड से संबंधित विभिन्न राज्यों में अन्य निजी बैंक खातों की भी जानकारी मिली है।

फ्रीज किए गए बैंक खातों में इतने रुपये

फ्रीज किए गए बैंक खातों से 11 करोड़ 11 लाख 12 हजार 987 रुपये की रकम बरामद की गई है। मालूम हो कि करीब एक महीने पहले एक अभिभावक ने नॉलेज पार्क थाने में फिटजी संस्थान के खिलाफ मामला दर्ज कराया था।

रकम लेने के बाद कोचिंग सेंटर बंद

आरोप है कि कोचिंग के लिए पूरी रकम लेने के बाद कोचिंग सेंटर बंद कर दिया गया। नॉलेज पार्क थाना प्रभारी डॉ. विपिन कुमार ने बताया कि उस समय शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर मामले की जांच की गई।

संस्थान के खिलाफ शिकायत दर्ज

अब तक 15 से 20 अभिभावकों ने संस्थान के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। ग्रेटर नोएडा के अलावा दिल्ली के लक्ष्मी नगर, गाजियाबाद और नोएडा में भी सेंटर बंद कर दिया गया है। गाजियाबाद और नोएडा में भी एफआईआर दर्ज की गई है।

FIITJEE ने जताई साजिश की आशंका

हाल ही में 13 बिंदुओं में जारी बयान में संस्थान ने कहा कि उसने किसी भी केंद्र को बंद करने का फैसला खुद नहीं लिया है। एक केंद्र को केंद्र के प्रबंधन साझेदार और उनकी टीम के अचानक वापस चले जाने के कारण ऐसी स्थिति का सामना करना पड़ा। कंपनी के अधिकारी सभी स्थानों पर कामकाज फिर से शुरू करने में जुटे हैं।

प्रतिस्पर्धियों के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई

हमारी कानूनी टीम अब तक दर्ज किए गए दुर्भावनापूर्ण मामलों पर काम कर रही है। कंपनी को इसमें साजिश का भी संदेह है। उसका कहना है कि जांच से पता चलेगा कि कुछ लोगों ने यह साजिश रची है। सच्चाई हमेशा के लिए नहीं छुप सकती।

हम अपने उन प्रतिस्पर्धियों के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई करेंगे जो अनुचित तरीके अपनाते हैं। मीडिया से भी सच्चाई सामने लाने का अनुरोध किया गया है। कंपनी ने अपने सभी छात्रों से भरोसा बनाए रखने की अपील की है।

गाजियाबाद पुलिस में बड़ा फेरबदल, चार थानों को मिले नए इंचार्ज; जानिए किसे मिली कहां की जिम्मेदारी?

गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट में देर रात चार थाना प्रभारियों के तबादले किए गए हैं। मुरादनगर थाना प्रभारी मुकेश सिंह सोलंकी को लोनी थाना प्रभारी बनाया गया है। उनकी जगह मधुबन बापूधाम थानाध्यक्ष शैलेंद्र सिंह तोमर को मुरादनगर थानाध्यक्ष बनाया गया है। प्रशिक्षु आइपीएस गौतम राय को मधुबन बापूधाम थाने की जिम्मेदारी दी गई है। डीसीपी ग्रामीण कार्यालय में तैनात हरेंद्र मलिक को लोनी बॉर्डर थाना प्रभारी बनाया गया है।

गाजियाबाद। पुलिस कमिश्नरेट में देर रात चार थाना इंचार्ज बदल दिए गए हैं। मुरादनगर इंचार्ज मुकेश सिंह सोलंकी को लोनी थाना प्रभारी बनाया गया है। उनकी जगह मधुबन बापूधाम थानाध्यक्ष शैलेंद्र सिंह तोमर को मुरादनगर थानाध्यक्ष बनाया गया है। प्रशिक्षु आइपीएस गौतम राय को मधुबन बापूधाम थाने की जिम्मेदारी दी गई है। डीसीपी ग्रामीण कार्यालय में तैनात हरेंद्र मलिक को लोनी बॉर्डर थाना प्रभारी बनाया गया है।

10वीं फेल ने ऐसे ठगे 1 करोड़ रुपये, लोन दिलाने में मदद करने वाले तीन गिरफ्तार

सेक्टर 63 थाना क्षेत्र के एच ब्लाक में मनी आन नवाकर फाइनेंशियल सर्विसेज मनी वन मैनेजमेंट सर्विसेज व नवाकर फाइनोविजन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर फर्जी लोन दिलाने के चल रहे काल सेंटर का रविवार को थाना पुलिस और सेंट्रल जोन की साइबर सेल पुलिस ने राजफाश किया। दसवीं फेल निदेशक समेत तीन को दबोचा। आरोपित सैकड़ों लोगों से करोड़ से ज्यादा रुपये की ठगी कर चुके हैं।

नोएडा। रविवार को सेंट्रल जोन की थाना पुलिस व साइबर सेल पुलिस ने शहर के सेक्टर 63 थाना क्षेत्र के एच ब्लॉक में मनी ऑन नवकार फाइनेंशियल सर्विसेज, मनी वन मैनेजमेंट सर्विसेज व नवकार फिनविजन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के नाम से फर्जी लोन दिलाने के लिए चल रहे कॉल सेंटर का पर्दाफाश कर दसवीं फेल संचालक समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है।

करोड़ से ज्यादा रुपये की ठगी

आरोपी सैकड़ों लोगों से करोड़ों रुपए से ज्यादा की ठगी कर चुके हैं। साइबर हेल्प डेस्क पर गुजरात और मध्य प्रदेश समेत कई राज्यों के पीड़ितों की शिकायत मिलने के बाद पुलिस आरोपियों तक पहुंची। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनके अन्य साथियों की तलाश और उनका आपराधिक इतिहास जुटाने में जुटी है।

डीसीपी सेंट्रल नोएडा शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि साइबर हेल्प डेस्क को नोएडा सेक्टर 63 एच ब्लॉक में मनी ऑन नवाकार नाम से चल रही कंपनी के कर्मचारियों द्वारा लोन दिलाने के नाम पर 1.38 लाख रुपये की ठगी की शिकायत मिली थी।

तीन आरोपी गिरफ्तार

टीम ने जांच की और कॉल सेंटर संचालक अरिहंत जैन निवासी मोहल्ला भुउरा का बांस, बीकानेर, राजस्थान, धर्मेंद्र निवासी ग्राम बछगांव, थाना नारकी, फिरोजाबाद और आकाश निवासी मोहल्ला सात बिगहा कॉलोनी, कासनगंज को गिरफ्तार कर लिया।

मोबाइल, प्रिंटर समेत कई समान बरामद

फिलहाल तीनों ग्रेटर नोएडा वेस्ट बिसरख शाहबेरी स्थित साईं रेजीडेंसी में रह रहे थे। इनके पास से चार लैपटॉप, 14 मोबाइल, एक प्रिंटर, 18 चेक बुक, पांच चेक, 50 विजिटिंग कार्ड और नौ मुहरें बरामद हुई हैं। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे इंटरनेट मीडिया पर चंद दिनों में एक करोड़ तक का लोन दिलाने का दुष्प्रचार करते थे। विश्वास जीतने के लिए वे बैंक चेक की कॉपी भी भेजते थे।

ऐसे देते थे प्रलोभन

जब लोग लालच में आकर उनसे संपर्क करते तो वे उनके दस्तावेज ले लेते और लोन दिलाने के लिए शुरुआत में 3% कमीशन और 18% GST वसूलते। फिर वे बहाने बनाने लगते कि बैंक से जुड़ी उनकी CIBIL रिपोर्ट खराब है। अगर आवेदक उन्हें ज्यादा परेशान करता तो वह नंबर ब्लॉक कर देते। इसमें वे दूसरे राज्यों के लोगों को टारगेट करते और उन्हें प्राथमिकता देते।

साइबर पोर्टल पर आठ शिकायत दर्ज

जांच में पता चला है कि आरोपियों के तीन बैंक खातों के खिलाफ साइबर पोर्टल पर आठ शिकायतें दर्ज की गई हैं। गुजरात और मध्य प्रदेश के एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक खाते पर तीन, कोटक महिंद्रा बैंक खाते पर तीन और फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक खाते पर दो शिकायतें दर्ज की गई हैं। कंपनी के निदेशक अरिहंत 10वीं कक्षा में फेल हैं, जबकि धर्मेंद्र और आकाश 8वीं कक्षा में फेल हैं।

भीख मांगने की प्रथा: मदद की गुहार या एक सुनियोजित धंधा?

भारत में भीख मांगना धार्मिक दान से जटिल सामाजिक-आर्थिक समस्या बन गई है। व्यस्त सड़क पर, हाथ बढ़ाना मदद के लिए पुकार जैसा लग सकता है, लेकिन इसमें अक्सर व्यवस्थित उपेक्षा, संगठित अपराध और शोषण का जाल छिपा होता है। सहानुभूति जीतने के लिए नशीले पदार्थ दिए जाने वाले शिशुओं से लेकर स्कूल से उठाकर सड़कों पर फेंक दिए जाने वाले बच्चों तक, भीख मांगना सिर्फ़ मदद के लिए पुकार से कहीं ज़्यादा है; यह हमारी सामूहिक कमज़ोरियों की आलोचना है। बाल भिखारी अभी भी इस समस्या का सबसे परेशान करने वाला हिस्सा है। इस चक्र को तोड़ने के लिए, यह ज़रूरी है कि इन बच्चों को संरक्षित और शिक्षित किया जाए। कमज़ोर, ख़ास तौर पर बच्चे और विकलांग लोगों का संगठित भीख मांगने वाले गिरोहों द्वारा फ़ायदा उठाया जाता हैं। भिक्षा देने से जुड़ी प्रथाएँ अक्सर भीख माँगने को बढ़ावा देती हैं। अधिक उद्देश्यपूर्ण दान को बढ़ावा देने के लिए सार्वजनिक शिक्षा पहल शुरू करना ज़रूरी है।

-प्रियंका सौरभ

भारत में सार्वजनिक रूप से भीख मांगने की प्रथा मनरेगा और स्माइल जैसे व्यापक कल्याणकारी कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के बाद भी आम है। आंकड़ों के अनुसार, 413 लाख से अधिक लोग अभी भी इस प्रथा में लिप्त हैं, जो दीर्घकालिक गरीबी, कम साक्षरता और सरकारी हस्तक्षेप के बावजूद काम के अवसरों की कमी जैसी अंतर्निहित सामाजिक आर्थिक कमजोरियों को रेखांकित करता है। बड़े बच्चों को भीख मांगना सिखाया जाता है, जबकि शिशुओं को बीमार दिखने के लिए नशीला पदार्थ दिया जाता है। कुछ ने कभी कक्षा में क़दम नहीं रखा है और कई ने जल्दी पैसे कमाने के लिए अपने भविष्य को दांव पर लगाकर स्कूल छोड़ दिया है। हाल के आँकड़े बताते हैं कि भारत में स्कूल छोड़ने वाले बच्चे कितने आम हैं, खासकर किशोरों में। वार्षिक शिक्षा स्थिति रिपोर्ट 2023 के अनुसार, 18 वर्ष की आयु के 25 प्रतिशत बच्चे बुनियादी पढ़ने के कौशल से जूझते हैं और 32.6 प्रतिशत स्कूल छोड़ देते हैं। विकलांग लोगों का फायदा उठाया जाता है क्योंकि वे भिखारी के तौर पर अधिक पसंद किए जाते हैं। जब मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति का इलाज़ नहीं किया जाता है, तो लोग शोषण और निर्भरता के चक्र में फंस जाते हैं।

भारत में 400, 000 से ज़्यादा नियमित भिखारी रहते हैं; उनकी दुर्दशा कई तरह के कारकों से उपजी है, जिसमें संगठित भीख मांगने वाले गिरोह, गरीबी, विकलांगता और प्राकृतिक आपदाओं के कारण विस्थापन शामिल हैं समाज के सबसे कमज़ोर सदस्यों को शिकार बनाकर और लगभग दंड से मुक्त होकर काम करके, इन सिंडिकेट ने ग़रीबी को एक लाभदायक उद्यम में बदल दिया है। 81, 000 से ज़्यादा भीख मांगने वाले लोगों के साथ, पश्चिम बंगाल भारत में सबसे ज़्यादा भीख मांगने वाला राज्य है, उसके बाद आंध्र प्रदेश और उत्तर प्रदेश हैं। गरीबी, ग्रामीण-शहरी प्रवास और आसानी से सुलभ सहायता नेटवर्क की कमी इन क्षेत्रों में भिखारियों की बढ़ती संख्या में योगदान देने वाले कुछ सामाजिक-आर्थिक कारक हैं। भारत में, कई कल्याणकारी कार्यक्रमों के अस्तित्व के बावजूद भीख मांगने की प्रथा जड़ जमाए बैठी सामाजिक-आर्थिक कमज़ोरियों के कारण बनी हुई है। ऐसा इसलिए है क्योंकि कल्याणकारी कार्यक्रम अक्सर खराब क्रियान्वयन, भ्रष्टाचार और प्राप्तकर्ताओं के बीच जागरूकता की कमी के कारण विफल हो जाते हैं। स्माइल जैसी योजनाएँ, जो आश्रय और आजीविका सहायता प्रदान करती हैं, कई भिखारियों को अच्छी तरह से ज्ञात नहीं हैं।

विशेष रूप से ग्रामीण और शहरी झुग्गियों में, जो लोग घोर ग़रीबी में जी रहे हैं, उनके पास जीवित रहने के लिए भीख माँगने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। 2011 की जनगणना के अनुसार, मनरेगा जैसे ग़रीबी उन्मूलन कार्यक्रमों के साथ भी, 413, 000 से अधिक लोग भीख माँग रहे थे। भीख माँगने वाले व्यक्तियों में अक्सर औपचारिक शिक्षा और रोजगार योग्य कौशल की कमी होती है, जो औपचारिक रोजगार के अवसरों तक उनकी पहुँच को सीमित करता है। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत पेश किए गए व्यावसायिक प्रशिक्षण से भिखारियों और अन्य

हाशिए के समूहों तक पर्याप्त रूप से नहीं पहुँचा जा सका है। ट्रांसजेंडर लोग और विकलांग लोग कमज़ोर समूहों के दो उदाहरण हैं जिन्हें समाज द्वारा उपेक्षित किया जाता है और मुख्यधारा के आर्थिक अवसरों से बाहर रखा जाता है। कई लोग ट्रैफ़िक सिग्नल पर भीख माँगने के लिए मजबूर होते हैं क्योंकि उन्हें ट्रांसजेंडर कल्याण कार्यक्रमों के बावजूद भी स्वीकार नहीं किया जाता है। कमज़ोर लोगों को आपराधिक नेटवर्क द्वारा अपहरण कर लिया जाता है, जो फिर उन्हें भीख माँगने के लिए मजबूर करते हैं, जिससे इस चक्र को तोड़ना मुश्किल हो जाता है। दिल्ली में पुलिस ने 2023 में पचास बच्चों को बचाया, जिन्हें तस्करी के गिरोह द्वारा भीख मांगने के लिए मजबूर किया गया था।

भारत में भीख मांगने की प्रवृत्ति के बने रहने का एक मुख्य कारण यह है कि यहाँ कोई केंद्रीकृत डेटाबेस नहीं है जो भीख मांगने वाले व्यक्तियों के पुनर्वास में मदद करने के लिए केंद्रित हस्तक्षेप की अनुमति दे सके। राष्ट्रीय डेटाबेस बनाने के लिए नगरपालिका रिकॉर्ड का उपयोग करने का राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का सुझाव भिखारियों के बारे में भरोसेमंद जानकारी की कमी की ओर ध्यान आकर्षित करता है। पीढ़ी दर पीढ़ी ग़रीबी और भीख मांगने पर निर्भरता तब बनी रहती है जब भीख मांगने वाले बच्चों को औपचारिक शिक्षा तक पहुँच से वंचित कर दिया जाता है। आउटरीच पहलों की कमी के कारण, कई बच्चे अभी भी शिक्षा के अधिकार अधिनियम 2009 के तहत नामांकित नहीं हैं। मादक द्रव्यों के सेवन और अनुपचारित मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के कारण लोग भीख मांगते हैं और ग़रीबी में रहते हैं। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की सलाह स्माइल कार्यक्रम के तहत आश्रय गृहों में नशामुक्ति और मानसिक स्वास्थ्य परामर्श सेवाओं की कमी को उजागर करती है। बेरोजगारी के कारण ग्रामीण-से-शहरी प्रवास के कारण शहरी भीड़भाड़ के कारण, प्रवासियों को भीख मांगने के लिए मजबूर होना पड़ता है। भीख मांगने के खिलाफ कानून संगठित अपराध से निपटने और पुनर्वास प्रदान करने के लिए या तो कठोर हैं या अपर्याप्त हैं। उदाहरण के लिए, बॉम्बे प्रिवेंशन ऑफ बेगिंग एक्ट, जबरन भीख मांगने वाले नेटवर्क को जन्म देने वाले अंतर्निहित मुद्दों को सम्बोधित करने के बजाय भिखारियों को अपराधी बनाता है।

भारत में भीख मांगने से निपटने के लिए नीतियाँ, लक्षित कल्याण हस्तक्षेपों को सुविधाजनक बनाने और उनके पुनर्वास को ट्रैक करने के लिए, भीख मांगने वाले लोगों का एक राष्ट्रीय डेटाबेस स्थापित किया जाना चाहिए और इसे अक्सर अपडेट किया जाना चाहिए। भिखारियों की पहचान करने के लिए, नगर निगम गैर-सरकारी संगठनों के साथ काम कर सकते हैं, जैसा कि राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की मानकीकृत सर्वेक्षण प्रारूपों का उपयोग करने की सिफ़ारिश में सुझाया गया है। संगठित भीख मांगने को रोकने, अपराधियों को दंडित करने और पीड़ितों को अपने पैरों पर वापस खड़े होने में मदद करने के लिए विशेष कानून लागू करें। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग द्वारा अनुशंसित जबरन भीख मांगने को अवैध बनाने के लिए कानून अपनाने से तस्करी और शोषण करने वाले संगठनों पर रोक लगेगी। लोगों को सम्मानजनक नौकरी खोजने या स्वरोजगार के अवसरों का पीछा करने में सक्षम बनाने के लिए, आश्रय गृहों को कौशल-आधारित व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करना चाहिए। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना जैसे कार्यक्रम आश्रय गृहों के साथ मिलकर भिखारियों को बढ़ईगीरी, सिलाई या अन्य व्यवसायों में कौशल सिखा सकते हैं जो उनकी योग्यता के अनुकूल हों। आश्रय गृहों में मानसिक स्वास्थ्य परामर्श सेवाएँ और मोबाइल स्वास्थ्य इकाइयाँ प्रदान करें, ताकि अनुपचारित बीमारियों, व्यसन और विकलांगताओं का समाधान किया जा सके।

एनएचआरसी आश्रय गृहों को आयुष्मान भारत लाभों को एकीकृत करने की सलाह देता है, ताकि पुनर्वास से गुज़र चुके लोगों के लिए स्वास्थ्य कवरेज की गारंटी दी जा सके। बच्चों के लिए शिक्षा तक पहुँचः शिक्षा के अधिकार अधिनियम के तहत, भीख माँगने वाले बच्चों को स्कूलों में दाखिला दिलाएँ और सुनिश्चित करें कि उन्हें खाना, कपड़े और सहायता मिले। भिखारी बच्चों के माता-पिता को लक्षित करके विशेष जागरूकता अभियान चलाकर, विशेष रूप से शहरी मलिन बस्तियों में, स्कूलों में नामांकन बढ़ाया जा सकता है। भिक्षा के बजाय पुनर्वास कार्यक्रमों में दान को प्रोत्साहित करने के लिए जागरूकता बढ़ाने वाले कार्यक्रम आयोजित करें। हैदराबाद जैसे शहरों में लोगों को भिखारियों के बजाय सरकारी आश्रयों में दान देने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए सफल अभियान चलाए गए हैं। भीख माँगना भारत में व्यवस्थित उपेक्षा और संगठित शोषण का एक लक्षण है, न कि केवल ग़रीबी का प्रतिबिंब। हालाँकि बॉम्बे प्रिवेंशन ऑफ़ बेगिंग एक्ट, 1959 जैसे कानून ने इस प्रथा को रोकने का प्रयास किया है, लेकिन यह अक्सर अपराधियों के बजाय पीड़ितों को अपराधी बनाता है। जवाबदेही और पुनर्वास पर ज़ोर देते हुए, इंदौर में भिक्षावृत्ति पर प्रतिबंध जैसे साहसिक क़दम उम्मीद जगाते हैं।

भारत के भिक्षावृत्ति विरोधी अभियान का लक्ष्य दंड के बजाय सशक्तिकरण होना चाहिए। नागरिकों के रूप में भीख मांगने के प्रति हमारी प्रतिक्रियाओं को धर्मार्थ कार्यों के बजाय प्रणालीगत परिवर्तन की दिशा में क़दम के रूप में पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। भीख मांगने को समाप्त करने के लिए, हमें लोगों के जीवन को सशक्त बनाना होगा। ग़रीबी के चक्र को समाप्त करने के लिए, सामाजिक सुरक्षा जाल को मज़बूत किया जाना चाहिए, समावेशी शिक्षा की गारंटी दी जानी चाहिए और कौशल विकास को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। एक आत्मनिर्भर भारत जहाँ प्रत्येक व्यक्ति देश की उन्नति में सार्थक और सम्मानजनक योगदान देता है, भिक्षावृत्ति विरोधी कानूनों और समुदाय-संचालित पुनर्वास के सख्त प्रवर्तन के माध्यम से प्राप्त किया जाएगा।

होण्डा कर रही 160cc में ADV 160 Maxi Scooter को भारत लाने की तैयारी, याम्हा और हीरो को मिलेगी चुनौती

परिवहन विशेष न्यूज

होण्डा ADV 160 Maxi Scooter in India जापानी दो पहिया निर्माता होंडा की ओर से भारतीय बाजार में 125 सीसी तक के सेगमेंट में स्कूटर्स ऑफर किए जाते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कंपनी जल्द ही 150-160 सीसी के प्रीमियम सेगमेंट में नए स्कूटर को लाने की तैयारी कर रही है। कब तक नए स्कूटर को लाया जा सकता है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में कई सेगमेंट में दो पहिया वाहनों की बिक्री करने वाली जापानी निर्माता Honda Motorcycle and Scooter India (HMSI) की ओर से जल्द ही प्रीमियम सेगमेंट में नए स्कूटर को लाने की तैयारी की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक होंडा की ओर से किस स्कूटर को किस तरह के फीचर्स और इंजन के साथ कब तक भारत में लॉन्च किया जा सकता है। इस स्कूटर से किस कंपनी के किस स्कूटर को चुनौती मिलेगी। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

Honda लाएगी नया स्कूटर

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जापानी दो पहिया निर्माता Honda की ओर से प्रीमियम सेगमेंट में नए स्कूटर को लाने की तैयारी की जा रही है। जानकारी के मुताबिक कंपनी की ओर से ADV 160 Maxi Scooter को भारत में लाया जा सकता है। हालांकि अभी कंपनी की ओर से इस बारे में औपचारिक तौर पर कोई जानकारी नहीं दी गई है।

कैसे होंगे फीचर्स

Honad ADV 160 स्कूटर को स्पोर्टी डिजाइन के साथ लाया जाएगा जिसमें कई बेहतरीन फीचर्स को दिया जा सकता है। इसमें ड्यूल एलईडी हेडलाइट्स, बड़ी और एडजस्टेबल विंडस्क्रीन, स्टेप्ड सीट्स, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, की-लैस इगनिशन, आईडल स्टार्ट/स्टॉप, यूएसबी चार्जर जैसे कई फीचर्स को दिया जाएगा। इसके अलावा इसके दोनों पहियों में डिस्क ब्रेक को भी दिया जा सकता है। स्कूटर में 13 और 14 इंच के अलॉय व्हील्स को दिया जा सकता है।

Honda ADV 160 Engine

होंडा की ओर से नए स्कूटर के तौर पर लाए जाने वाले ADV 160 में 157 सीसी की क्षमता का सिंगल सिलेंडर इंजन दिया जा सकता है। जिससे स्कूटर को 15.7 बीएचपी की पावर और 14.7 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलेगा।

कब होगा लॉन्च

होंडा की ओर से अभी इस बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है लेकिन उम्मीद की जा रही है नए स्कूटर को साल 2026 की शुरुआत में लॉन्च किया जा सकता है।

कितनी होगी कीमत

होंडा की ओर से ADV 160 Maxi Scooter की कीमत की सही जानकारी तो लॉन्च के समय ही मिल पाएगी। लेकिन इसे 1.70 लाख रुपये से लेकर दो लाख रुपये एक्स शोरूम की एक्स शोरूम कीमत के आस-पास लाया जा सकता है।

किनसे होगा मुकाबला

भारतीय बाजार में प्रीमियम स्कूटर सेगमेंट में काफी कम विकल्प ऑफर किए जाते हैं। ऐसे में अगर होंडा की ओर से ADV 160 Maxi Scooter को लाया जाता है तो इसका सीधा मुकाबला Yamaha Aerox 155 के साथ होगा और जल्द लॉन्च होने वाले Hero Xoom 160 से इसे कड़ी चुनौती मिल सकती है।

JSW MG की कारों पर फरवरी 2025 में मिल रहा तगड़ा डिस्काउंट, दो लाख रुपये तक सस्ती मिलेंगी हेक्टर, एस्टर जैसी SUVs

परिवहन विशेष न्यूज

ब्रिटिश वाहन निर्माता JSW MG मोटर्स की ओर से भारतीय बाजार में कई सेगमेंट में वाहनों की बिक्री की जाती है। अगर आप इस महीने कंपनी की किसी गाड़ी को खरीदने का मन बना रहे हैं तो किस पर सबसे ज्यादा बचत की जा सकती है। किस गाड़ी पर February 2025 में कितना Discount Offer किया जा रहा है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। JSW MG Motors की ओर से भारत में सबसे सस्ती Electric Car से लेकर फुल साइज एसयूवी सेगमेंट तक के वाहनों को बिक्री के लिए उपलब्ध करवाया जाता है। अगर आप February 2025 में कंपनी की किसी SUV या EV को खरीदने का मन बना रहे हैं, तो MG Motors अपनी की ओर से लाखों रुपये के Discount Offers दिए जा रहे हैं। किस कार पर इस महीने कितना डिस्काउंट कंपनी की ओर से ऑफर किया जा रहा है। हम इसकी जानकारी आपको इस खबर में दे रहे हैं।

JSW MG Comet EV पर कितना Discount Offer

देश की सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक कार को JSW MG की ओर से Comet EV के तौर पर ऑफर किया जाता है। अगर आप February 2025 में इस गाड़ी को खरीदने का मन बना रहे हैं तो अधिकतम 40 हजार रुपये तक की बचत की जा सकती है। यह बचत इसके 2024 में बने मॉडल्स पर दी जा रही है। इसके अलावा अगर 2025 की बनी यूनिट को खरीदा जाता है तो कंपनी की ओर से 35 हजार रुपये तक के ऑफर्स दिए जा रहे हैं।

JSW MG Astor पर भी होगी बचत

JSW MG मोटर्स की ओर से मिड साइज एसयूवी के तौर पर एस्टर को बिक्री के लिए उपलब्ध करवाया जाता है। कंपनी की ओर से ऑफर की जाने वाली इस एसयूवी को February 2025 में खरीदने पर अधिकतम 1.45 लाख रुपये तक बचाए जा सकते हैं। यह ऑफर इसके 2024 में बनी यूनिट्स पर दिया जा रहा है। अगर आपको 2025 में बनी यूनिट्स को खरीदना है तो इस महीने अधिकतम 50 हजार रुपये तक की बचत की जा सकती है।

JSW MG Hector पर मिलेगा सबसे ज्यादा बचत का मौका

एमजी मोटर्स की ओर से पांच, छह और सात सीटों के विकल्प के साथ JSW MG Hector को भारतीय बाजार में लाया जाता है। बेहतरीन फीचर्स और इंजन विकल्प के साथ आने वाली इस एसयूवी पर February 2025 में सबसे ज्यादा बचत का मौका दिया जा रहा है। कंपनी की ओर से Hector Diesel की 2024 की यूनिट्स पर दो लाख रुपये तक के ऑफर्स दिए जा रहे हैं। इसकी पेट्रोल यूनिट्स पर भी इस महीने 1.85 लाख रुपये तक बचाए जा सकते हैं।

इन कारों पर नहीं मिलेगा ऑफर

जानकारी के मुताबिक JSW MG की ओर से कुछ कारों पर February 2025 में किसी भी तरह का Discount Offer नहीं दिया जा रहा है। जिन कारों पर इस महीने किसी भी तरह का ऑफर नहीं दिया जा रहा है उनमें JSW MG Windsor और JSW MG Gloster शामिल हैं।

जनवरी 2025 में रही इन Mid Size SUVs की मांग, टॉप-5 में शामिल हुईं क्रेटा, ग्रेंड विटारा, स्कॉर्पियों, एक्सयूवी 700 और सेल्टोस

परिवहन विशेष न्यूज

भारतीय बाजार में एसयूवी सेगमेंट में वाहनों की बिक्री सबसे ज्यादा होती है। SUV सेगमेंट में Mid Size वाहनों को सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक January 2025 के दौरान किस एसयूवी की कितनी यूनिट्स की बिक्री हुई है। Top-5 में कौन कौन सी एसयूवी को शामिल किया गया है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। देश में हर महीने लाखों की संख्या में वाहनों की बिक्री की जाती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक January 2025 के दौरान कौन सी एसयूवी की कितनी बिक्री हुई है। Top-5 में किस कंपनी की कौन सी एसयूवी ने जगह बनाई है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

पहले नंबर पर आई Hyundai Creta

मिड साइज एसयूवी सेगमेंट में जिस एसयूवी को सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है वह Hyundai की Creta है। बीते महीने के दौरान भी इस एसयूवी को अपने सेगमेंट में सबसे ज्यादा पसंद किया गया। आंकड़ों के मुताबिक January 2025 के दौरान इसकी 18522 यूनिट्स की बिक्री हुई है। जबकि पिछले साल इसी अवधि के दौरान हुंडई क्रेटा की 13212 यूनिट्स की बिक्री हुई थी।

दूसरे नंबर पर रही Maruti Grand Vitara

हुंडई क्रेटा के बाद मिड साइज एसयूवी सेगमेंट में जिस एसयूवी को सबसे ज्यादा पसंद किया गया वह Maruti की Grand Vitara है। रिपोर्ट्स के मुताबिक बीते महीने के दौरान इस एसयूवी की 15784 यूनिट्स की बिक्री हुई है। जबकि January 2024 में इसकी 13438 यूनिट्स को खरीदा गया था।

तीसरे नंबर पर आई Mahindra Scorpio

महिंद्रा की ओर से दमदार इंजन और फीचर्स के साथ Scorpio को लाया जाता है। इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर Mahindra Scorpio रही है। कंपनी ओर से इसे क्लासिक और एन सीरीज के साथ ऑफर किया जाता है। बीते महीने के दौरान इसकी 15442 यूनिट्स की बिक्री हुई है। वहीं January 2024 के दौरान इसकी 14293 यूनिट्स की बिक्री हुई थी।

अगले नंबर पर रही Mahindra XUV 700

महिंद्रा की ओर से स्कॉर्पियो के अलावा XUV 700 को भी लाया जाता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस एसयूवी की बीते महीने के दौरान 8399 यूनिट्स को खरीदा गया है। जबकि January 2024 में इसकी 7206 यूनिट्स को खरीदा गया था।

Top-5 में शामिल हुई Kia Seltos

साउथ कोरियाई वाहन निर्माता Kia की ओर से इस सेगमेंट में Seltos को बिक्री के लिए उपलब्ध करवाया जाता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक बीते महीने के दौरान इस एसयूवी की 6470 यूनिट्स की बिक्री हुई, जबकि इससे पहले इसकी 6391 यूनिट्स को खरीदा गया था।

अन्य मिड साइज एसयूवी का कैसा रहा हाल

Top-5 Mid Size SUVs के अलावा भी कई और एसयूवी को बीते महीने ग्राहकों ने काफी पसंद किया। इनमें Toyota Hyryder की 4941, Tata Curvv की 3087, Honda Elevate की 1773, VW Taigun की 1548 यूनिट्स की बिक्री हुई है।

हुंढई एक्स्टर को खरीदने का बना रहे हैं प्लान, जान लें नए वेरिएंट्स में किस तरह के फीचर्स और खासियत को किया गया ऑफर

साउथ कोरियाई वाहन निर्माता Hyundai की ओर से कई बेहतरीन कारों को ऑफर किया जाता है। कंपनी की ओर से हाल में ही एंट्री लेवल एसयूवी के तौर पर ऑफर की जाने वाली Hyundai Exter को नए वेरिएंट्स के साथ लाया गया है। एक सटर को कितने नए वेरिएंट्स दिए गए हैं इन वेरिएंट्स में किस तरह की खासियत को दिया गया है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। साउथ कोरियाई वाहन निर्माता Hyundai की ओर से भारतीय बाजार में कई सेगमेंट में वाहनों की बिक्री की जाती है। कंपनी की ओर से एंट्री लेवल एसयूवी के तौर पर Hyundai Exter को लाया जाता है। हाल में ही इस एसयूवी के नए वेरिएंट्स को बाजार में लाया गया है। हुंडई एक्सटर के कितने नए वेरिएंट्स को बाजार में पेश किया गया है और इनमें किस तरह की खासियतों को दिया जा रहा है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं। हुंडई की ओर से एंट्री लेवल एसयूवी के तौर पर ऑफर की जाने वाली एक्सटर को नए वेरिएंट्स के साथ ऑफर किया गया है1 कंपनी की ओर से इसके SX Tech, S+, S को लाया गया है। हुंडई की ओर से एक्सटर के SX Tech वेरिएंट में कई बेहतरीन फीचर्स को लाया गया है। इसमें स्मार्ट की के साथ पुश बटन स्टार्ट/स्टॉप, डैशकैम के साथ ड्यूल कैमरा, स्मार्ट इलेक्ट्रिक सनरूफ, आठ इंच इंफोटेनमेंट सिस्टम, एंड्राइड ऑटो, एपल कार प्ले, फुल ऑटोमैटिक टेंपरेचर कंट्रोल के साथ डिजिटल डिस्प्ले, प्रोजेक्टर हेडलैंप के साथ बाई-फंक्शन को दिया गया है। Hyundai Exter के S+ वेरिएंट में स्मार्ट सनरूफ, 15 इंच ड्यूल टोन स्टाइल के साथ स्टील व्हील, रियर कैमरा के साथ गाइडलाइंस, आठ इंच इंफोटेनमेंट सिस्टम, एंड्राइड ऑटो, एपल कार प्ले, रियर एसी वेंट्स, इलेक्ट्रिकली एडजस्टेबल आउटसाइड रियर व्यू मिरर को दिया गया है।

ईवी: जनवरी 2025 में हुई कितनी इलेक्ट्रिक कार की बिक्री, FADA ने दी जानकारी

परिवहन विशेष न्यूज

2025 दुनियाभर में पेट्रोल डीजल कारों के साथ ही इलेक्ट्रिक कारों की मांग में भी बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (Fada) की ओर से जारी की गई रिपोर्ट के मुताबिक जनवरी 2025 के दौरान देशभर में किस कंपनी की ओर से कितनी Electric Cars की बिक्री की गई है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में भी इलेक्ट्रिक कारों को काफी पसंद किया जा रहा है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (FADA) की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक बीते महीने देशभर में कितनी Electric Cars की बिक्री हुई है। ईयर ऑन ईयर बेसिस पर ईवी का कैसा प्रदर्शन रहा है। हम इसकी जानकारी आपको इस खबर में दे रहे हैं।

कितनी हुई बिक्री

फाडा की ओर से जारी की गई रिपोर्ट के मुताबिक देशभर में जनवरी 2025 के दौरान कुल 11266 यूनिट्स इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री हुई है। ईयर ऑन ईयर बेसिस पर यह बढ़ोतरी 32.38 फीसदी की है। लेकिन मंथली बेसिस पर बीते महीने में 27.70 फीसदी इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में बढ़त दर्ज हुई है। दिसंबर 2024 के दौरान देशभर में 8822 यूनिट्स इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री हुई थी।

पहले नंबर पर रही Tata Motors

टाटा मोटर्स की ओर से जनवरी 2025 के दौरान सबसे ज्यादा इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री की गई। फाडा की रिपोर्ट के मुताबिक टाटा मोटर्स की ओर से बीते महीने में कुल 5047 यूनिट्स की बिक्री की गई। ईयर ऑन ईयर बेसिस पर कंपनी को 13.01 फीसदी की नेगेटिव ग्रोथ मिली है। पिछले साल इसी अवधि के दौरान टाटा ने 5802 यूनिट्स की बिक्री की थी। टाटा मोटर्स के पोर्टफोलियो में इलेक्ट्रिक कारों के तौर पर टियागो, पंच, नेक्सन, टिगोर शामिल हैं।

JSW MG Motors

ब्रिटिश कार निर्माता एमजी की ओर से भी भारतीय बाजार में MG Comet EV, MG Windsor EV, MG ZS EV को ऑफर किया जाता है। बीते महीने कंपनी ने कुल 4237 यूनिट्स इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री की। बिक्री के मामले में एमजी मोटर्स टाटा के बाद दूसरे नंबर पर रही। ईयर ऑन ईयर बेसिस पर कंपनी ने 252.20 फीसदी की बढ़त हासिल की है। पिछले साल जनवरी में एमजी मोटर्स ने 1203 यूनिट्स इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री की थी।

Mahindra and Mahindra

महिंद्रा भी इलेक्ट्रिक एसयूवी सेगमेंट में वाहनों को भारतीय बाजार में ऑफर करती है। फाडा की रिपोर्ट के मुताबिक जनवरी 2025 के दौरान महिंद्रा ने 688 यूनिट्स की बिक्री की है। जबकि बीते साल जनवरी महीने में इस कंपनी ने 784 यूनिट्स की बिक्री की थी।

Hyundai

साउथ कोरियाई वाहन निर्माता हुंडई की ओर से भी भारतीय बाजार में कई इलेक्ट्रिक एसयूवी को ऑफर किया जाता है। कंपनी की ओर से बीते महीने के दौरान 321 यूनिट्स की बिक्री की गई है। इसके पहले जनवरी 2024 के दौरान सिर्फ 170 यूनिट्स की बिक्री की गई थी।

BYD

चीन की इलेक्ट्रिक कार कंपनी बीवाईडी ने भी जनवरी 2025 के दौरान भारतीय बाजार में 313 इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री की है। कंपनी ने पिछले साल इसी अवधि में 162 यूनिट्स की बिक्री की थी।

अन्य कंपनियों का कैसा हाल

फाडा की रिपोर्ट के मुताबिक पीसीए ऑटोमोबाइल ने 269, वोल्वो ने 27, मर्सिडीज ने 95, किआ ने 47, ऑडी ने 18 और अन्य कंपनियों ने 23 यूनिट्स इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री जनवरी 2025 में की है।

गायब हो रहा वसंत..... फ़रवरी अंत तक सीधे गर्मी ही आएगी

विजय गर्ग

देश में बसंत का मौसम जैसे गायब सा हो गया है। सर्दियों के बाद सीधे गर्मियां, मौसम में बड़े बदलाव की ओर इशारा करती हैं। तापमान में बहुत तेजी से उतार-चढ़ाव आ रहा है। इसके चलते मौसम बहुत जल्द सर्दियों से गर्मियों में बदल रहा है। यह जलवायु में आते बदलाव नहीं तो और क्या हैं, जिसके चलते देश में मौसमी बदलाव आ रहे हैं।

भारत में गर्म हुई सर्दियां और गायब हुआ बसंत, राज्यवार विश्लेषण के बाद जारी हुई रिपोर्ट

जलवायु परिवर्तन के चलते भारत में जहां सर्दियां बड़ी तेजी से गर्म हो रही हैं, वहीं बसंत का मौसम जैसे गायब सा हो गया है

तापमान में बहुत तेजी से उतार-चढ़ाव आ रहा है। इसके चलते मौसम बहुत जल्द सर्दियों से गर्मियों में बदल रहा है;

तापमान में बहुत तेजी से उतार-चढ़ाव आ रहा है। इसके चलते मौसम बहुत जल्द सर्दियों से गर्मियों में बदल रहा है

देश में बसंत का मौसम जैसे गायब सा हो गया है। सर्दियों के बाद सीधे गर्मियां, मौसम में बड़े बदलाव की ओर इशारा करती हैं। तापमान में बहुत तेजी से उतार-चढ़ाव आ रहा है। इसके चलते मौसम बहुत जल्द सर्दियों से गर्मियों में बदल रहा है। यह जलवायु में आते बदलाव नहीं तो और क्या हैं, जिसके चलते देश में मौसमी बदलाव आ रहे हैं।

वैश्विक जलवायु में आते बदलाव भारत में साफ तौर पर दिख रहे हैं। बढ़ते तापमान की गवाही आंकड़े भी देते हैं। आज बदलते मौसम का असर देश में हर आमोखास द्वारा महसूस किया जा रहा है। एक तरफ जलवायु परिवर्तन न केवल देश में बाढ़, सूखा, तूफान जैसी आपदाओं के कहर को बढ़ा रहा है, साथ ही सदियों से चले आ रहे ऋतुओं के चक्र में भी बदलाव की वजह बन रहा है।

इन बदलावों को क्लाइमेट सेंट्रल ने भी अपनी रिपोर्ट में उजागर किया है। क्लाइमेट सेंट्रल ने आंकड़ों और विशेषज्ञों के हवाले से जानकारी दी है कि जलवायु में आते बदलावों के चलते भारतीय ऋतुओं में बदलाव आ रहा है। यह प्रभाव सर्दी के मौसम पर विशेष रूप से दिख रहा है। देश में कहीं सर्दी के दौरान तापमान बढ़ रहा है, तो कहीं कम हो रहा है।

बता दें कि क्लाइमेट सेंट्रल ने अपनी इस नई रिपोर्ट में सर्दियों के मौसम (दिसंबर से फरवरी) पर ध्यान केंद्रित किया है। इसके साथ ही भारत के 33 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के लिए औसत मासिक तापमान की भी गणना की गई है।

रिपोर्ट में देश के प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश में महीने दर महीने तापमान में होती वृद्धि का अध्ययन किया गया है। इसके साथ ही तीन महीने की मौसमी अवधि के दौरान वैश्विक तापमान में होती वृद्धि के प्रभावों का भी विश्लेषण किया गया है।

गर्म होती सर्दियां

रिपोर्ट के मुताबिक अध्ययन में शामिल देश के प्रत्येक क्षेत्र में सर्दी के दौरान तापमान में वृद्धि दर्ज की गई है। 1970 के बाद से मणिपुर के तापमान में सबसे अधिक 2.3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि दूसरी ओर देश की राजधानी दिल्ली के तापमान में सबसे कम यानी 0.2 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई है।

क्लाइमेट सेंट्रल ने देश के जिन 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को अध्ययन में शामिल किया है, उनमें से 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में सर्दियों का सीजन सबसे तेजी से गर्म होने वाला मौसम रहा। वहीं पतझड़ के दौरान 13 क्षेत्रों में मौसम सबसे तेजी से गर्म हुआ था। इस लिहाज से देखें तो तापमान बढ़ने के मामले में पतझड़ के बाद सर्दियों का मौसम दूसरे स्थान पर रहा।

देश में सर्दियों के दौरान भी तापमान में उल्लेखनीय बदलाव दर्ज किए गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक देश के दक्षिणी भाग में दिसंबर और जनवरी के दौरान तापमान में अधिक वृद्धि दर्ज की गई है। आंकड़े यह भी दर्शाते हैं कि दिसंबर और जनवरी में जहां सिक्किम के तापमान में 2.4 डिग्री सेल्सियस वहीं मणिपुर 2.1 डिग्री सेल्सियस का सबसे अधिक बदलाव दर्ज किया गया।

हालांकि देश के उत्तरी भाग में दिसंबर और जनवरी के दौरान तापमान में गिरावट दर्ज की गई। यह कह सकते हैं कि इन क्षेत्रों में सर्दियां और ठंडी हो रही हैं। इस दौरान दिल्ली जहां दिल्ली के तापमान में -0.2 डिग्री सेल्सियस की कमी देखी गई जो जनवरी में बढ़कर -0.8 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गई।

अन्य राज्यों को देखें तो जहां लद्दाख में दिसंबर के दौरान तापमान में वृद्धि की दर 0.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज की गई, वहीं उत्तर प्रदेश में जनवरी के दौरान यह दर -0.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज की गई।

इस पर भी करें गौरः उत्तराखंड के तराई क्षेत्र में बदल रहा मौसम, बारिश और धूप में आई गिरावट, तापमान का पैटर्न भी बदला

कुल मिलाकर देखें तो देश में जनवरी और फरवरी के बीच सर्दियों के तापमान में नाटकीय रूप से बदलाव आ रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक फरवरी के दौरान सभी क्षेत्रों के तापमान में इजाफा देखा गया। इससे पहले के महीनों में भी कई क्षेत्रों में जहां तापमान कम या ठंडा रहता है वहां भी विशेष रूप से तापमान में वृद्धि दर्ज की गई।

फरवरी के तापमान में तेजी से हो रही वृद्धि

गौरतलब है कि जहां जम्मू कश्मीर के तापमान में 3.1 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि दूसरी तरफ तेलंगाना में 0.4 डिग्री सेल्सियस के साथ तापमान में सबसे कम वृद्धि रिकॉर्ड की गई।

उत्तरी भारत में जहां जनवरी के दौरान तापमान में कम या हल्की वृद्धि दर्ज की गई। वहीं फरवरी के तापमान में तेजी से वृद्धि रिकॉर्ड की गई। इसका मतलब है कि सर्दियों से गर्मियों के बीच तापमान में फरवरी के दौरान ही अचानक से बदलाव की आशंका प्रबल हो गई है। आमतौर पर ऐसा मार्च के महीने में देखा जाता है।

देश में यह इस तरह का अचानक बदलाव सबसे ज्यादा राजस्थान में रिकॉर्ड किया गया। जहां जनवरी की तुलना में फरवरी का तापमान 2.6 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। इसी तरह कुल नौ राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में जनवरी और फरवरी के बीच तापमान में दो डिग्री सेल्सियस से अधिक का अंतर देखा गया।

इन राज्यों में राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, लद्दाख, पंजाब, जम्मू और कश्मीर और उत्तराखंड शामिल थे। यह आंकड़े इस बात को पुख्ता करते हैं कि देश में सर्दियों का मौसम तेजी से गर्मियों में बदल रहा है, जिसकी वजह से बसंत 'गायब' सा हो गया है।

सेवानिवृत्त प्राचार्य शैक्षिक स्तंभकार गली कौर चंद एमएचआर मलोट पंजाब

डिजिटल युग के लिए एक पेरेंटिंग गाइड

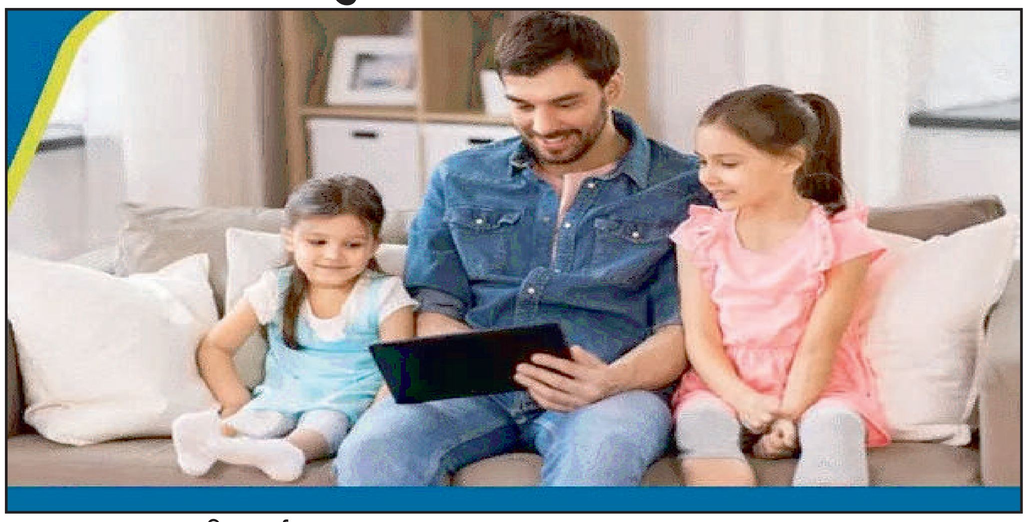

विजय गर्ग

पेरेंटिंग का यह नया युग भविष्य के लिए तैयार पीढ़ियों को बढ़ाने के लिए एक विचारशील, सक्रिय दृष्टिकोण की मांग करता है 21 वीं सदी ने पेरेंटिंग में नई चुनौतियों और अवसरों की शुरुआत की है। जैसा कि हम जनरेशन अल्फा (जन्म 2012-2024) और जेनरेशन बीटा (जन्म 2025-2039) को बढ़ाते हैं, उनके डिजिटल परवरिश, तेजी से तकनीकी प्रगति और बदलते सामाजिक मानदंडों के लिए पेरेंटिंग रणनीतियों को अनुकूलित करना महत्वपूर्ण है। यह सुनिश्चित करना कि ये बच्चे स्वस्थ, खुश और अनुशासित हों, पारंपरिक मूल्यों और आधुनिक दृष्टिकोणों के संतुलन की आवश्यकता है।

इस बात से इनकार नहीं किया जा रहा है कि पिछली पीढ़ियों के विपरीत, जनरेशन अल्फा और जेनरेशन बीटा प्रौद्योगिकी तक आसान पहुंच के साथ बढ़ रहे हैं, जो उनकी जीवन शैली की आदतों को प्रभावित करता है। यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि माता-पिता / अभिभावक अपने बच्चों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय कदम उठाते हैं जैसे कि संसाधित खाद्य पदार्थों और शर्करा वाले स्नैक्स को सीमित करते हुए प्रोटीन, विटामिन और फाइबर से भरपूर आहार जैसे संतुलित पोषण प्रदान करना; स्क्रीन के समय को कम करना और फिटनेस और सामाजिक कौशल में सुधार के लिए साइकिल चलाना, तैराकी और टीम के खेल जैसी शारीरिक गतिविधियों को बढ़ावा देना; गुणवत्ता वाली नींद सुनिश्चित करने के लिए स्क्रीन-मुक्त सोने की दिनचर्या निर्धारित करना, जो संज्ञानात्मक और भावनात्मक विकास के लिए महत्वपूर्ण है और बच्चों को प्रोत्साहित करना।

न केवल ये, बल्कि सोशल मीडिया प्रभाव और तेज गति वाली जीवन शैली के युग में, माता-पिता / अभिभावकों को एक मजबूत भावनात्मक संबंध बनाकर अपने बच्चों का समर्थन करने की आवश्यकता है; लचीलापन और विकास मानसिकता को प्रोत्साहित करना; डिजिटल अधिभार को कम करने में उनका मार्गदर्शन करना, और उन्हें तनाव से निपटने में मदद करने के लिए योग, ध्यान, जर्नलिंग या सरल विश्राम अभ्यास जैसी सावधानीपूर्वक गतिविधियों में संलग्न करना। इन सबसे ऊपर, जो सबसे ज्यादा मायने रखता है वह है अनुशासन की कला। डिजिटल युग में तत्काल संतुष्टि एक आदर्श बनने के साथ, माता-पिता / अभिभावकों को यह महसूस करना चाहिए कि ये पीढ़ियां एआई-संचालित दुनिया में बड़ी होंगी, शिक्षाविदों से परे कौशल की आवश्यकता होगी। माता-पिता / अभिभावक महत्वपूर्ण सोच और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करके और समस्या को सुलझाने की चुनौतियों, STEM गतिविधियों और कलात्मक आउटलेट प्रदान करके उन्हें तैयार करने में मदद कर सकते हैं।

वे जिम्मेदार इंटरनेट उपयोग, साइबर सुरक्षा और ऑनलाइन नैतिकता पर उचित मार्गदर्शन भी प्रदान कर सकते हैं, इसके बाद एक संकर दुनिया में सामाजिक कौशल विकसित कर सकते हैं। स्वस्थ, खुश और अनुशासित जनरल अल्फा और जनरल बीटा बच्चों को उठाने के लिए प्यार, मार्गदर्शन और अनुकूलनशीलता के विचारशील मिश्रण की आवश्यकता होती है। माता-पिता / अभिभावकों को भावनात्मक लचीलापन और आत्म-अनुशासन को बढ़ावा देते हुए पारंपरिक मूल्यों के साथ डिजिटल जागरूकता को एकीकृत करके नए युग के पेरेंटिंग को गले लगाना चाहिए।

भलाई, शिक्षा और मजबूत नैतिक नींव को प्राथमिकता देकर, कोई भी इन पीढ़ियों को जिम्मेदार, पूर्ण और भविष्य के लिए तैयार व्यक्तियों में विकसित करना सुनिश्चित कर सकता है। इसके अलावा, उचित पोषण प्रदान करके, शारीरिक और मानसिक भलाई को प्रोत्साहित करके, सामाजिक कौशल को बढ़ावा देने और सकारात्मक उदाहरण स्थापित करने से, माता-पिता / अभिभावक एक ऐसा वातावरण बना सकते हैं जहां बच्चे पनपते हैं। यह स्पष्ट रूप से कहा गया है कि एक खुश और स्वस्थ बच्चा न केवल भाग्य का परिणाम है, बल्कि उन लोगों से लगातार प्रयासों, देखभाल और समझ का परिणाम है जो उनका पोषण करते हैं।

खेल से जुड़ा मन

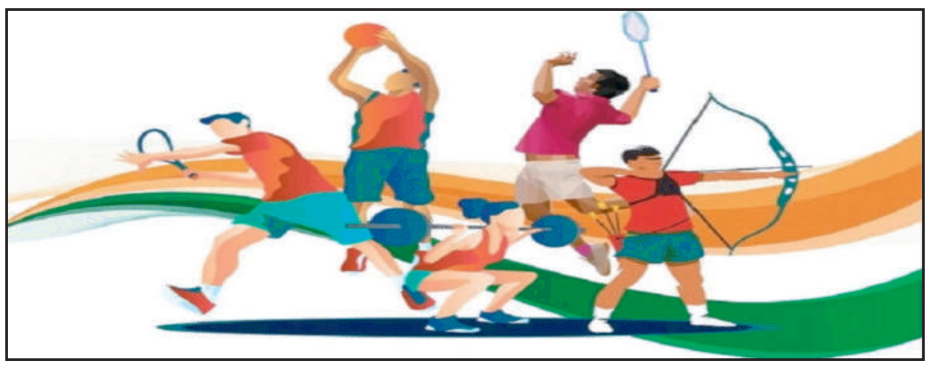

विजय गर्ग

खेलना बच्चों के स्वस्थ होने की निशानी मानी जाती है। इसलिए खेलते-कूदते बच्चों को देखकर हर मां खुश होती है। खेलने से होने वाले फायदों के कारण ही आजकल माता-पिता अपने बच्चों के खेलने पर अधिक जोर देने लगे हैं। औपचारिक स्कूली शिक्षा शुरू होने के पहले यानी 'प्री-स्कूल' की पूरी अवधारणा ही बच्चों के खेल को ध्यान में रखकर तैयार की गई है, ताकि वे ज्यादा से ज्यादा खेलते हुए सीख सकें। पर शायद कम ही लोगों को पता होगा कि बच्चों के खेल का उनके मानसिक स्वास्थ्य से भी संबंध होता है। कैंब्रिज विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने अपने शोध से यह निष्कर्ष निकाला है कि जो बच्चे 'प्री-स्कूल' की उम्र में अपने दोस्तों के साथ अच्छे से खेलना सीख लेते हैं, बड़े होने पर उनका मानसिक स्वास्थ्य भी उतना ही बेहतर होता है। शोधकर्ताओं ने लगभग सत्रह सौ बच्चों के व्यवहार का विश्लेषण किया। तीन वर्ष की आयु जिन बच्चों में अपने साथियों के साथ अच्छे से खेलने की क्षमता विकसित हो गई, उन बच्चों का मानसिक स्वास्थ्य अगले चार साल तक बेहतर रहा। वे ज्यादा शरारतें या हुड़दंग मचाने वाले नहीं थे। ऐसे बच्चे अपने सहपाठियों से लड़ते-झगड़ते भी कम थे।

साफ है कि साथी के साथ खेलने की क्षमता मानसिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव डालती है। खेल और मानसिक स्वास्थ्य के बीच यह संबंध उन बच्चों के बर्ताव में भी देखा गया, जिन्हें मानसिक बीमारियां होने की संभावना अधिक थी। जैसे बहुत गरीब घरों के बच्चे, जिन्हें ठीक से पोषण नहीं मिला हो या फिर अन्य वर्गों के बीच मानसिक तनाव या अवसाद से जूझ रही मां के गर्भ से जन्मे बच्चे। कैंब्रिज विश्वविद्यालय में खेल, विकास एवं शिक्षण केंद्र की जेनी गिब्सन के मुताबिक, ऐसा लगता है कि यह संबंध वास्तविक है, क्योंकि दूसरे बच्चों के साथ खेलते हुए जब बच्चा बड़ा होता है तो वह दोस्त बनाने का कौशल भी सीखता है। भले ही उन्हें मानसिक तौर पर बीमार होने का खतरा ज्यादा हो, लेकिन दोस्ती के ये तार उन्हें आगे बढ़ने और मानसिक रूप से स्वस्थ रहने में मदद करते हैं।

दरअसल, अपने पक्के दोस्त के साथ खेलते हुए बच्चा साझा करना, सहयोग करना और मिलकर रहना जैसे गुण सीखता है 1 इन गुणों का बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। बच्चों में बढ़ती मानसिक बीमारियों ने आज मानसिक स्वास्थ्य के प्रति अभिभावकों की चिंता को भी बढ़ा दिया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और संयुक्त राष्ट्र बाल कोष ने हाल ही में खुलासा किया है कि दुनिया में दस से उन्नीस वर्ष का हर सातवां बच्चा मानसिक समस्याओं से जूझ रहा है। इन समस्याओं में अवसाद, बेचैनी और व्यवहार से जुड़ी समस्याएं शामिल हैं। भारतीय बच्चों और किशोरों में भी बढ़ता अवसाद एक बड़ी समस्या बनता जा रहा है। पिछले कुछ समय में आए अनेक अध्ययनों में यह सामने आ चुका है कि स्कूल जाने वाले तेरह से अठारह वर्ष के अधिकतर बच्चे अवसाद का शिकार बन रहे हैं। बाल रोग विशेषज्ञ भी मानते हैं कि मानसिक रूप से बीमार बच्चों का इलाज अगर तीन वर्ष की आयु से शुरू कर दिया जाए तो उनके स्वस्थ होने की संभावना बढ़ जाती है।

यह जगजाहिर तथ्य है कि बच्चों और किशोरों में मानसिक रोगों में वृद्धि का एक बड़ा कारण उनके स्वतंत्र रूप से खेलने, घूमने और पसंदीदा गतिविधियां करने के अवसरों में आई भारी कमी है। आजकल के अभिभावक अपने नन्हे-मुन्नों की हर गतिविधि पर कड़ी निगरानी रखते हैं। उन्हें बात-बात पर टोकते हैं। बच्चा किसी काम में उलझ गया हो तो फौरन आगे बढ़कर उसकी मदद करते। उसे खुद ही समस्या से निकलने का प्रयास नहीं करने देते। बच्चों को थोड़ी देर भी रोने नहीं देते। हालांकि यह सब वे अच्छे इरादे और साफ-सफाई का खयाल करके हैं, लेकिन इस तरह मानसिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी स्वतंत्रता से उसे वंचित कर देते हैं। वे देर से बोलना और चलना सीख रहे हैं। हर वक्त बच्चों को मार्गदर्शन और सुरक्षा देने के विचार से हम अनजाने ही बच्चों को मानसिक रूप से कमजोर और मानसिक बीमारियों के खतरे के करीब ले जा रहे हैं। जिसके लक्षण हमें बच्चों की उम्र बढ़ने पर या किशोर होने तक साफ-साफ दिखने लगते हैं। बच्चा अधिक उदास या बहुत शरारती हो है। चिड़चिड़ापन, भय, अविश्वास, मिजाज में तेज उतार-चढ़ाव, बात-बात पर रोने जैसी भावनात्मक कमजोरियां उसके स्वभाव का हिस्सा बन जाती हैं।

साथियों के साथ खेलने और मानसिक स्वास्थ्य के बीच संबंध शायद इसलिए होता है, क्योंकि दूसरों के साथ खेलने से बच्चा भावनाओं पर नियंत्रण करना सीखता है। खेलते हुए वह विचार, संवेदना और अनुभव के आधार पर निर्णय लेता है। उसकी गतिविधियों में सामाजिकता आती है। उदाहरण के तौर पर, अपने दोस्तों की भावनाओं को समझने और उन पर अपनी प्रतिक्रिया देने की उसमें क्षमता विकसित होती है। उसे समस्याओं का समाधान करने और अप्रत्याशित चुनौतियों का सामना करने का अवसर मिलता है। ये बातें उसके व्यवहार को लचीला और उदार बनाती हैं। अधिक स्पष्ट और सुलझी हुई सोच विकसित होती है। इस तरह समय बीतने पर वह मानसिक रूप से मजबूत और स्वस्थ युवा बनता है।

पारंपरिक विवाह और ओपन मैरिज में अंतर

विजय गर्ग

आजकल शादी और रिश्तों का नया ट्रैंड सुर्खियों में है, जिसे ओपन मैरिज यानी खुली शादी का नाम दिया जा रहा है। शादी, जिसे आमतौर पर समर्पण और विश्वास का प्रतीक माना जाता है, उसमें अब ओपन मैरिज के कॉन्सैप्ट ने जबरदस्त सेंध लगा दी है। पहले यह ट्रैंड उच्च समाज या अत्यधिक अमीर लोगों तक ही सीमित था, लेकिन आजकल मध्यम वर्ग के लोग भी इसे अपना रहे हैं। समाज विज्ञानी कहते हैं कि ओपन मैरिज नॉन-मोनोगैमी यानी एक से अधिक लाइफ पार्टनर के प्रचलन का ही एक रूप है जिसमें जोड़ा इस बात पर सहमत होता है कि उनमें से कोई भी विवाह के बाद भी बाहर संबंध रख सकता है लेकिन आपसी सहमति के साथ। इससे दोनों को किसी भी तरह से कोई दिक्कत नहीं होगी। यानी पति अपने लिए गर्लफ्रैंड रख सकता है, पत्नी भी स्वीकृति से ब्वॉयफ्रैंड रख सकती है।

ऐसे में कपल का प्रेम संबंध घर के बाहर भी बिना किसी रोक-टोक के बना रहता है। ओपन मैरिज एक ऐसा वैवाहिक संबंध है, जिसमें पति-पत्नी द्वारा आपसी सहमति से शादी के बाद बाहर भी अन्य रोमांटिक और/या शारीरिक संबंध बनाए जा सकते हैं। इसका अर्थ यह है कि दोनों पार्टनर अपनी शादी के बाद किसी और के साथ भी रिश्ते में आ सकते हैं, बशर्ते इसमें दोनों की आपसी सहमति हो। इस प्रकार के रिश्ते में फिजिकल या भावनात्मक जुड़ाव हो सकता है, लेकिन यह पारंपरिक विवाह की परिभाषा से अलग होता है। इसके साथ ही एक मिलता-जुलता संबंध भी चर्चा में है जिसे पॉलीएमोरी कहते हैं। मनोविज्ञान बताता है कि पॉलीएमोरी और ओपन मैरिज में अंतर है। पॉलीएमोरी में एक व्यक्ति कई लोगों के साथ रोमांटिक और भावनात्मक संबंध रख सकता है, और यह फिजिकल रिश्ते से पहले भावनात्मक जुड़ाव पर ज्यादा ध्यान देता है।

वहीं, ओपन मैरिज का फोकस अधिकतर फिजिकल रिलेशनशिप पर होता है, जिसमें भावनात्मक जुड़ाव हो भी सकता है और नहीं भी। ओपन मैरिज में यह महत्वपूर्ण है कि दोनों पार्टनर्स की सहमति हो और दोनों एक-दूसरे के फैसले का सम्मान करें। जैसे एक सामान्य शादी के लिए समर्पण और समझदारी की जरूरत होती है, वैसे ही ओपन मैरिज के लिए भी कुछ खास नियम और सीमाएं होती हैं। हर किसी के लिए यह कॉन्सैप्ट उपयुक्त नहीं हो सकता है। इसके भी फायदे और नुकसान हैं, जिन्हें समझना बहुत जरूरी है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह के रिश्ते में प्रवेश करने से पहले दोनों पार्टनर्स को इसके सभी पहलुओं के बारे में अच्छे से जानकारी होनी चाहिए। इस रिश्ते में भावनात्मक स्थिरता और मानसिक संतुलन का होना बहुत जरूरी है। अगर कोई व्यक्ति इस रिश्ते के लिए मानसिक रूप से तैयार नहीं है, तो यह रिश्ते में समस्या का कारण बन सकता है। भारत में, खासकर शहरी क्षेत्रों में ओपन मैरिज धीरे-धीरे एक लोकप्रिय विकल्प बनती जा रही है, हालांकि इसे सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने वालों की संख्या अभी भी बहुत कम है।

एक सर्वेक्षण के अनुसार, भारत में लगभग 3 मिलियन (30 लाख) लोग ग्लीडेन नामक एक्स्ट्रा मैरिटल डेटिंग ऐप का उपयोग कर रहे हैं। यह ऐप उन शादीशुदा लोगों के लिए है जो बिना किसी झूठ के अपनी शादी के बाद बाहर नए रिश्ते की तलाश कर रहे हैं। इसके अलावा, एक अन्य सर्वे के अनुसार 60 प्रतिशत सिंगल भारतीय इस बात से सहमत हैं कि ओपन मैरिज और पॉलीएमोरी जैसे संबंध भविष्य में उनके लिए एक विकल्प हो सकते हैं। जैसा कि हर रिश्ते के कुछ फायदे और नुकसान होते हैं, वैसे ही ओपन मैरिज में भी दोनों पहलू हैं। मनोविज्ञानी ओपन मैरेज के बारे में बताते हैं कि इसमें पार्टनर्स को एक-दूसरे से खुलकर अपनी इच्छाओं को सांझा करने का मौका मिलता है। अगर रिश्ते में कोई एक पार्टनर संतुष्ट नहीं है, तो उसे रिश्ते से बाहर संतोष पाने का विकल्प मिलता है। कई बार पार्टनर्स इस रिश्ते में भावनात्मक रूप से अस्थिर हो सकते हैं।

ओपन मैरिज में रिश्ता भले ही कितना भी एक्साइटिंग क्यों न लगता हो, लेकिन हमेशा कुछ बात का डर हमेशा लगता है, जैसे- अगर इमोशनल अटैचमैंट हो जाए तो अपने मन को कैसे मनाएं। कई बार तो समाज के समाने सच का खौफ पैदा हो जाता है। इससे ङ्क्षषचता और मानसिक दबाव होने का खतरा बढ़ता है जो दिमाग के लिए बिल्कुल भी अच्छा नहीं है। बेहतर है कि इसमें प्रवेश करने से पहले दोनों पार्टनर्स पूरी तरह से मानसिक रूप से तैयार हों और इस रिश्ते के सभी पहलुओं को समझें। देश के रिवायती समाज में ऐसे गैर पारंपरिक रिश्ते को अभी सामाजिक स्वीकृति नहीं मिल सकती है क्योंकि ओपन मैरिज विपरीत लिंगों के बीच एक ऐसा तिलस्मी आकर्षण है जो पारंपरिक शादी की अवधारणा से काफी अलग है।

मनीआर्डर से मोबाइल युग तक

विजय गर्ग

एक दौर था जब नववर्ष सहित अन्य अवसरों पर गले मिलकर अथवा हाथ मिलाकर फिजिकली शुभकामनाएं और बधाइयां दिये जाने का प्रावधान था। कोरोना प्रेरित सोशल डिस्टेंसिंग के पदार्पण से दशक पूर्व ही सोशल मीडिया ने फिजिकल शुभकामना संदेश को डिजिटल शुभकामना संदेश में परिवर्तित और प्रोन्नत कर दिया है। मन से निकलने वाला शुभकामना संदेश अब मेटा से अर्थात् फेसबुक, व्हाट्सएप पर प्रसारित और सीमित होने लगा है।

मोबाइल पूर्व मनीआर्डर युग में फर्स्ट जनवरी मानव द्वारा मनाये जाने वाला वर्ष का पहला उत्सव के रूप में जाना जाता है। हालांकि, स्वयंमेव प्रसारित इस महापर्व की व्याख्या किसी भी धर्म ग्रंथ में वर्णित नहीं है तथापि इसकी व्यापकता वैश्विक स्तर पर देखी गई।

अंग्रेजी कैलेंडर वर्ष के प्रथम तिथि को पटाखा फोड़ने, हाथ मिलाकर अथवा दूरभाष पर शुभकामना प्रेषित करने तथा ग्रीटिंग कार्ड्स के आदान-प्रदान की परंपरा रही है। उस युग में मनुष्य स्वघोषित नववर्ष के उत्सव पर औकात, आमदनी एवं जुगाड़ के अनुसार घर से दूर प्रकृति, पहाड़, पार्क से पड़ोस तक में वेज-नानवेज पिकनिक का आयोजन किया करता था। मदिरा में रुचिरत लोगों के लिए नववर्ष की प्रथम तिथि को होली से पूर्व पियक्कड़ मिलन समारोह का पूर्वाभ्यास माना जाता रहा है। मोबाइल पूर्व युगीन मानव को छात्र जीवन के दौरान गणतंत्र दिवस, शिक्षक दिवस, स्वाधीनता दिवस और गांधी जयंती आदि राष्ट्रीय पर्व का तथा सामाजिक जीवन में नवरात्रि, होली, दीपावली ईद, मोहर्रम, क्रिसमस, गुरु पूर्णिमा आदि वर्ष भर के कुछ गिने-चुने दिवसों अथवा तिथियों की ही जानकारी थी। इन तिथियों अथवा उत्सवों को परस्पर सहभागिता से हर्षोल्लास पूर्वक मनाया भी करते थे।

यूं तो समय और दिन की महत्ता का वर्णन प्राचीन काल से ही साधुओं और दार्शनिकों द्वारा किया जाता रहा है किन्तु लोगों को शाश्वत ज्ञान की प्राप्ति गूगल यूनिवर्सिटी में दाखिला लेने के पश्चात ही हो पायी।

मोबाइल अवतरण के पश्चात मानव ने ज्यों ही गूगल यूनिवर्सिटी में दाखिला लिया, तब से उन्हें इस दिव्य ज्ञान की प्राप्ति हुई कि कैलेंडर वर्ष के प्रत्येक दिवस को किसी न किसी विशेष दिवस का दर्जा अथवा मानद उपाधि प्राप्त है। फिर क्या, मोबाइल के कारण मानव जीवन में पर्व अथवा विशेष दिवसों की संख्या महंगाई की तरह बढ़ती चली गई। स्मार्ट फोन के पुण्य प्रताप से राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय दिवस विशेष का ऑनलाइन भान होते ही हर आदमजात स्पेशल डे को पूरी तन्मयता से ऑनलाइन या वर्चुअल सेलिब्रेट करने का कोई भी मौका नहीं छोड़ रहा।

डिजिटलीकरण एवं अति व्यस्तता के दौर में जहां इंसान अपना और अपनों का जन्मदिन अथवा वैवाहिक वर्षगांठ की तिथि तक भूलते जा रहे हैं, वहीं गूगल जीवी मानव जनवरी से दिसंबर माह तक बिना रुके, बिना थके तन्मयता एवं तत्परता से डिजिटल शुभकामनाओं का प्रेषण निर्बाध रूप से कर रहा है।

बहरहाल, जनवरी प्रथम तिथि की अहले सुबह मनुष्य द्वारा कसम, प्रण, प्रतिज्ञा का रिचार्ज किए गए मोरल टॉपअप और उत्साह की वैधता भले ही शाम तक में समाप्त हो जाए, लेकिन संपूर्ण कैलेंडर वर्ष में प्रत्येक दिवस को विशेष दिवस के रूप में मानने और मनाने की लाइफटाइम वैलिडिटी हमेशा बनी रहती है।

इस हफ्ते खुलेंगे 9 आईपीओ, कमाई का मिलेगा शानदार मौका

परिवहन विशेष न्यूज

इस हफ्ते यानी 10 से 15 फरवरी के बीच शेयर मार्केट में 9 आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने वाले हैं। इसमें से 2 मेनबोर्ड और 7 SME IPO हैं। अजाक्स इंजीनियरिंग लिमिटेड मेनबोर्ड IPO आज से सब्सक्रिप्शन के लिए खुल गया है। इसके अलावा 6 आईपीओ की इस हफ्ते शेयर मार्केट में एंट्री भी होने वाली है। आइए जानते हैं इन सभी आईपीओ की डिटेल।

नई दिल्ली। इस शेयर बाजार में काफी उतार-चढ़ाव दिख रहा है। कई बड़ी कंपनियों के स्टॉक 30 फीसदी से अधिक गिर चुके हैं। हालांकि, आपको आईपीओ से कमाई का मौका मिल सकता है। इस हफ्ते यानी 10 से 15 फरवरी के बीच कुल 9 आईपीओ खुलेंगे। इसमें से 2 मेनबोर्ड आईपीओ और 7 SME IPO हैं। इस हफ्ते 6 कंपनियों की स्टॉक मार्केट में लिस्टिंग भी होने वाली है।

Ajax Engineering IPO

अजाक्स इंजीनियरिंग लिमिटेड मेनबोर्ड IPO आईपीओ है, जो सोमवार (10 फरवरी) से सब्सक्रिप्शन के लिए खुल गया है। इसे 12 फरवरी तक सब्सक्राइब किया जा सकेगा। इसका इश्यू साइज करीब 1,269.35 करोड़ रुपये है। यह आईपीओ पूरी तरह से ऑफर-फॉर-सेल (OFS) है यानी कंपनी कोई नए शेयर नहीं जारी कर रही है। सिर्फ मौजूदा निवेशक अपने करीब 2 करोड़ शेयर बेच रहे हैं। आईपीओ का प्राइस बैंड 599 से 629 रुपये है। लॉट साइज 23 शेयरों का है। इसका मतलब है कि रिटेल निवेशकों को न्यूनतम 14,467 रुपये निवेश करने होगा। अलॉटमेंट 13 फरवरी और लिस्टिंग 17 फरवरी को हो सकती है।

Hexaware Technologies IPO

हेक्सावेयर टेक्नोलॉजीज शेयर बाजार में दोबारा वापसी कर रही है। इसका आईपीओ 12 से 14 फरवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। आईपीओ का साइज लगभग 8700 करोड़ रुपये है। यह भी पूरी ऑफर-फॉर-सेल (OFS) है। इसका मतलब है कि कंपनी को आईपीओ से कोई पैसा नहीं मिलेगा। प्राइस बैंड 674 रुपये से 708 रुपये है। निवेशकों को न्यूनतम 14,868 रुपये लगाने होंगे। इसकी लिस्टिंग 19 फरवरी को हो सकती है।

SME सेगमेंट के आईपीओ

SME IPO में चंदन हेल्थकेयर लिमिटेड, वोलेर कार, पीएस राज स्टील, मैक्सवोल्ट एनर्जी इंडस्ट्रीज, एलके मेहता पॉलीमर्स, Shanmuga Hospital और क्वालिटी पावर इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट का नाम शामिल है। ये सभी आईपीओ 10 से 15 फरवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेंगे। SME IPO का लॉट साइज बड़ा होता है और इनमें रिटेल इन्वेस्टर्स को अमूमन 1 लाख रुपये से अधिक का निवेश करना होता है।

ये 6 शेयर इस हफ्ते होंगे लिस्ट

इस हफ्ते 6 आईपीओ की शेयर बाजार में लिस्टिंग भी होने वाली है। 11 फरवरी को चामुंजा इलेक्ट्रिकल का आईपीओ लिस्ट होगा। 12 फरवरी को केन एंटरप्राइजेज और एमविल हेल्थकेयर के आईपीओ की लिस्टिंग होगी। 13 फरवरी को भी दो आईपीओ की लिस्टिंग होगी, रेडीमिक्स कंस्ट्रक्शन मशीनरी और सोलारियम ग्रीन एनर्जी। 14 फरवरी को एलीगंज इंटीरियर्स का आईपीओ शेयर बाजार में एंट्री करेगा।

इस साल रेपो रेट में 75 आधार अंक की कटौती की उम्मीद, ईएमआई में भी हो जाएगी सस्ती

शुक्रवार को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने रेपो रेट में 25 आधार अंक की कटौती की है। इस कटौती के बाद रेपो रेट 6.50 प्रतिशत से घटकर 6.25 प्रतिशत रह गया है। पिछले पांच सालों में ये पहला मौका है जब रेपो रेट में कटौती की गई है। इस बीच माना जा रहा है कि 2025 में रेपो रेट में 75 आधार अंक की कटौती हो सकती है।

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा ने एक नोट में कहा है कि आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) कैलेंडर वर्ष 2025 के दौरान रेपो रेट में 75 आधार अंकों की कटौती कर सकती है।

नोट में कहा गया है कि आरबीआई दर कटौती चक्र पर काम कर रहा है। ऐसे में यह उम्मीद की जा सकती है कि और भी कटौती की जाएगी। हालांकि, इसके समय पर बहस हो सकती है।

क्या कहते हैं अर्थशास्त्री? बैंक ऑफ बड़ौदा की अर्थशास्त्री सोनल बधान ने कहा कि कुल मिलाकर हम इस कैलेंडर वर्ष में 75 आधार अंकों की कटौती का अनुमान लगा रहे हैं। अप्रैल की बैठक में आर्थिक स्थिति की समीक्षा की जाएगी।

क्या होता है रेपो दर? विकास व मुद्रास्फीति की गतिशीलता के आधार पर एमपीसी एक और कटौती या रुख में बदलाव का विकल्प चुन सकती है। रेपो दर वह ब्याज दर है जिस पर भारतीय रिजर्व बैंक वाणिज्यिक बैंकों को उधार देता है।

रेपो रेट में हुई थी कटौती आरबीआई ने शुक्रवार को ही रेपो रेट में 25 आधार अंक की कटौती की है। इस कटौती के बाद रेपो रेट 6.50 प्रतिशत से घटकर 6.25 प्रतिशत रह गया है। बीते पांच वर्षों में यह पहली कटौती है। उधर, एसबीआई रिसर्च ने कहा है कि यदि महंगाई का रुझान अनुकूल बना रहता है तो आरबीआई अप्रैल में रेपो रेट में एक और कटौती कर सकता है। एसबीआई का कहना है कि आरबीआई दीर्घकालिक मूल्य स्थिरता और सतत आर्थिक वृद्धि को लेकर प्रतिबद्ध है। आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष के लिए अपने महंगाई के अनुमान 4.8 प्रतिशत को बरकरार रखा है, जबकि अगले वित्त वर्ष में महंगाई 4.2 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है।

नए शिखर पर सोना, कीमतों में आया भारी उछाल; क्या ट्रंप हैं जिम्मेदार?

tपरिवहन विशेष न्यूज

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका में सभी इस्पात और एल्यूमीनियम आयात पर 25 प्रतिशत का नया टैरिफ लगाने की घोषणा की है। इसके बाद वैश्विक स्तर पर हाजिर बाजारों में कीमती धातु ने 2900 डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड स्तर को पार कर लिया। आभूषण विक्रेताओं और खुदरा विक्रेताओं की भारी खरीदारी से भी कीमतों में तेजी आई। आइए जानते हैं पूरी डिटेल।

नई दिल्ली। सोने की कीमतों में जोरदार तेजी का सिलसिला जारी है। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमतें 2,430 रुपये बढ़कर 88,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए ऑल टाइम हाई लेवल पर पहुंच गईं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका में सभी इस्पात और एल्यूमीनियम आयात पर 25 प्रतिशत का नया टैरिफ लगाने की घोषणा की है। इसके बाद वैश्विक स्तर पर हाजिर बाजारों में कीमती धातु ने 2,900 डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड स्तर को पार कर लिया। आभूषण विक्रेताओं और खुदरा विक्रेताओं की भारी खरीदारी से भी कीमतों में तेजी आई।

पिछले सप्ताह 24 कैरेट गोल्ड 86,070 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। स्थानीय बाजारों में 22 कैरेट गोल्ड 2,430 रुपये बढ़कर 88,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। चांदी की कीमत 1,000 रुपये बढ़कर 97,500 रुपये प्रति किलो हो गई।

एक्सपर्ट का कहना है कि अब निवेशक बढ़ती वैश्विक अनिश्चितता के बीच सुरक्षित निवेशक को प्राथमिकता दे रहे हैं। एमसीएक्स पर वायदा कारोबार में अप्रैल डिलीवरी वाले सोने के अनुबंधों की कीमत 940 रुपये बढ़कर 85,828 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई।

गोल्ड पर क्या है एक्सपर्ट की राय

एलकेपी सिक्योरिटीज के वीपी रिसर्च एनालिस्ट- कमोडिटी एंड करेंसी, जतिन त्रिवेदी ने कहा, ₹ट्रंप ने मेटल इंपोर्ट टैरिफ लगाने की बात कही है। इससे ट्रेड वॉर गहराने की आशंका बढ़ गई है। इस बात पर कोई स्पष्ट संकेत नहीं है कि ट्रंप किन टैरिफ देशों पर टैरिफ लगाएंगे और किन पर नहीं। इसी के चलते निवेशक सोने की खरीद में जुट गए हैं।"

जून डिलीवरी के लिए बाद के अनुबंध में 1,015 रुपये या 1.18 प्रतिशत की तेजी आई और यह 86,636 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर मार्च डिलीवरी के लिए चांदी वायदा 632 रुपये बढ़कर 95,965 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया। वैश्विक स्तर पर, कॉमेक्स सोना वायदा 45.09 डॉलर प्रति औंस या 1.56 प्रतिशत बढ़कर 2,932.69 डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया। इस बीच, हाजिर सोना वैश्विक बाजारों में 2,900 डॉलर के मनोवैज्ञानिक स्तर को पार कर गया।

HDFC सिक्योरिटीज में कमोडिटीज के सीनियर एनालिस्ट सौमिल गांधी ने कहा, ₹सोमवार को सोना नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया, क्योंकि राष्ट्रपति ट्रंप की नई घोषणा के जवाब में सोने की ओर निवेश बढ़ा है।₹ डच बहुराष्ट्रीय आईएनजी बैंक की एक रिपोर्ट के अनुसार, सोना इस साल पहले ही नए रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच चुका है। टैरिफ संबंधी चिंताओं से उच्च मुद्रास्फीति और धीमी आर्थिक वृद्धि का खतरा बढ़ा है। इससे सुरक्षित समझी जानी वाली धातुओं में निवेश बढ़ रहा है। इसने कहा कि कीमती धातु की कीमतें इस साल और अधिक रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचेंगी।

एफडी में निवेश के लिए अब भी बेहतर विकल्प, केंद्र सरकार ने TDS सीमा भी बढ़ाई

वर्तमान में बाजार में चल रहे उतार-चढ़ाव के बीच फिक्स्ड डिपॉजिट स्थिरता सुरक्षा और टैक्स लाभ प्रदान करने वाला एक विश्वसनीय और व्यावहारिक निवेश विकल्प बना हुआ है। इस बीच सरकार ने बैंक एफडी के लिए टीडीएस सीमा बढ़ा दी है। आम व्यक्तियों के लिए यह 40 से 50 हजार रुपये और वरिष्ठ नागरिकों के लिए 50 हजार से बढ़ाकर एक लाख रुपये कर दी गई है।

नई दिल्ली। किसी भी वर्ष की पहली तिमाही टैक्स बचत और निवेश निर्णयों के लिए महत्वपूर्ण होती है। इस समय हम सभी आर्थिक सुरक्षा को लेकर अहम फैसला करते हैं। बाजार में चल रहे उतार-चढ़ाव के बीच फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) स्थिरता, सुरक्षा और टैक्स लाभ प्रदान करने वाला एक विश्वसनीय और व्यावहारिक निवेश विकल्प बना हुआ है। बजट की हालिया घोषणाओं ने एफडी को और अधिक आकर्षक बना दिया है। सरकार ने बैंक एफडी के लिए टीडीएस सीमा बढ़ा दी है। आम व्यक्तियों के लिए यह 40 से 50 हजार रुपये और वरिष्ठ नागरिकों के लिए 50 हजार से बढ़ाकर एक लाख रुपये कर दी गई है। आइए जानते हैं एफडी में निवेश से जुड़े प्रमुख लाभों के बारे में... अस्थिर बाजार में स्थिर विकल्प इन दिनों वैश्विक स्तर पर राजनीतिक तनाव और ब्याज दरों में उतार-चढ़ाव के दौर में बाजार में भारी अनिश्चितता है। दीर्घकालिक लाभ की संभावना के बीच अल्पकालिक अस्थिरता निवेशकों को चिंतित रखे हुए है। आय कर में छूट व रेपो रेट में कटौती से भी बाजार खुश नहीं है। ऐसे समय में एफडी एक मजबूत सहारे के रूप में उभरा है। उतार-चढ़ाव से अप्रभावित सुनिश्चित रिटर्न के साथ यह जोखिम से बचने वाले निवेशकों को मानसिक शांति प्रदान करता है। नियमित आय की तलाश वाले लोगों को लिए एफडी एक बेहतर है। सुरक्षा के साथ कर लाभः एफडी बचत और टैक्स दक्षता का एक आदर्श संयोजन प्रदान करता है। टैक्स बचाने वाले एफडी के माध्यम से आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत 1.5 लाख रुपये तक की कटौती प्राप्त कर सकते हैं, जिसमें पांच वर्ष का लॉक-इन पीरियड होता है।

ट्रंप की धमकी से सहमा बाजार, सेसेंक्स-निफ्टी हुए धड़ाम; रुपया भी फिसला

परिवहन विशेष न्यूज

निफ्टी 50 सुबह 926 बजे तक 0.3 फीसदी गिरकर 23493.3 पर 23493.3 पर आ गया। वहीं. बीएसई सेंसेक्स 0.26 फीसदी गिरकर 77640.74 पर आ गया। गिरावट का यह सिलसिला आगे भी जारी रहा। दोनों सूचकांक 944 बजे तक आधा-आधा फीसदी से ज्यादा गिर गए थे। इसकी बड़ी वजह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ बढ़ाने की धमकी है।

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस हफ्ते नए टैरिफ लगाने की चेतावनी दी है। इससे दुनियाभर के निवेशकों की चिंता बढ़ गई है। वैश्विक व्यापार का माहौल भी नकारात्मक हो गया है। यही वजह है कि सप्ताह के पहले कारोबारी दिन यानी सोमवार को के इक्विटी बेंचमार्क लाल निशान पर खुले।

निफ्टी 50 सुबह 9:26 बजे तक 0.3 फीसदी गिरकर 23,493.3 पर 23,493.3 पर आ गया। वहीं. बीएसई सेंसेक्स 0.26 फीसदी गिरकर 77,640.74 पर आ गया। गिरावट का यह सिलसिला आगे भी जारी रहा। दोनों सूचकांक 9:44 बजे तक आधा-आधा फीसदी से ज्यादा गिर गए थे।

13 प्रमुख क्षेत्रों में से दस में गिरावट आई। स्मॉलकैप और मिडकैप में 0.6 फीसदी तक लुढ़क गए। मेटल इंडेक्स में सबसे अधिक 2 फीसदी की गिरावट आई। इसकी वजह ट्रंप की धमकी है। उन्होंने रविवार को कहा कि वे अमेरिकी इस्पात और एल्यूमीनियम आयात पर 25 फीसदी टैरिफ लगाएंगे।

RBI के रेट का भी नहीं दिखा जोश

पिछले हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को आरबीआई ने रेपो रेट में 25 बेसिस प्वाइंट की कटौती की थी। इसे 8वें वेतन आयोग और बजट में इनकम टैक्स में कटौती के बाद एक और बड़ा तोहफा माना जा रहा था। क्योंकि इससे होम लोन, कार लोन और दूसरे तरह के लोन के सस्ता होने की उम्मीद है। हालांकि, शेयर बाजार रेट कट और आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा की टिप्पणियों से खुश नहीं दिखा।

शुक्रवार को रेट कट के एलान के फौरन बाद शेयर मार्केट आधा फीसदी तक गिर गया था। दरअसल, आर्थिक जानकारों का मानना है कि रेट कट से रुपये पर दबाव और भी अधिक बढ़ सकता है, जो पहले ही ऑल टाइम लो लेवल पर है। एक्सपर्ट मौजूदा परिस्थितियों में रेट के फायदे से ज्यादा नुकसान गिना रहे हैं। इससे भी निवेशकों का सेंटिमेंट प्रभावित हुआ।

डॉलर के मुकाबले रुपये का हाल

भारतीय रुपया सोमवार को अपने नए ऑल टाइम लो-लेवल पर पहुंच गया। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की टैरिफ बढ़ाने की धमकी से अधिकांश क्षेत्रीय मुद्राओं में गिरावट देखी जा रही है। इसमें रुपया भी शामिल रहा। ऐसे में संभावना है कि आरबीआई रुपये को सहारा देने के लिए कुछ कदम उठा सकता है।

शुरुआती कारोबार में रुपया गिरकर 87.95 प्रति अमेरिकी डॉलर पर आ गया, जो पिछले सप्ताह के अपने पिछले रिकॉर्ड निचले स्तर 87.58 से भी नीचे था। रुपया 09:40 बजे 87.90 पर था। ट्रेडर्स का कहना है कि स्थानीय हाजिर बाजार खुलने से पहले सरकारी बैंकों को डॉलर बेचते हुए देखा गया, जो संभवतः RBI की ओर से था।

कब आएगी पीएम किसान की 19वीं किस्त, कैसे चेक करें लाभार्थियों की लिस्ट?

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत छोटे और सीमांत किसानों को सरकार सालाना 6 हजार रुपये की मदद देती है। ये पैसे 2-2 हजार रुपये की किस्त में मिलते हैं। इस योजना का लाभ लेने के लिए किसानों को ई-केवाईसी (e-KYC) कराना जरूरी है। आइए जानते हैं कि ई-केवाईसी कैसे होगी और पीएम किसान योजना का पैसा किसानों के खाते में कब आएगा।

नई दिल्ली। पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 19वीं किस्त जल्द किसानों के खाते में आने वाली है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हाल ही बताया था कि पीएम किसान की अगली किस्त फरवरी 2025 के आखिर तक किसानों के बैंक खाते में आ जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 फरवरी को बिहार के दौरे पर होंगे और वहीं से पीएम किसान की 19वीं किस्त डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर (DBT) के जरिए किसानों के खाते में भेजेंगे।

e-KYC वेरीफिकेशन जरूरी

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत छोटे और सीमांत किसानों को सरकार सालाना 6 हजार रुपये की मदद देती है। ये पैसे 2-2 हजार रुपये की किस्त में मिलते हैं। इस योजना का लाभ लेने के लिए किसानों को ई-केवाईसी (e-KYC) कराना जरूरी है। इसका मकसद है कि पीएम किसान योजना का पैसा सही लाभार्थियों तक पहुंचे। इसमें कोई धांधली न हो। e-KYC न कराने वाले किसान 19वीं किस्त से वंचित हो सकते हैं। ऐसे में आपको फौरन e-KYC करा लेनी चाहिए।

e-KYC करने के तीन तरीके

पीएम किसान योजना के लिए तीन तरीकों से ई-केवाईसी की जा सकती है। किसान अपनी सुविधानुसार किसी भी माध्यम से ई-केवाईसी करा सकते हैं।

ओटीपी-बेस्ड ई-केवाईसीः यह तरीका पीएम किसान पोर्टल और मोबाइल ऐप पर उपलब्ध है।

फेस ऑथेंटिकेशन बेस्ड ई-केवाईसीः इसे किसान मोबाइल ऐप के जरिए घर बैठे कर सकते हैं।

बायोमेट्रिक बेस्ड ई-केवाईसीः यह कॉमन सर्विस सेंटर्स (CSC) और स्टेट सेवा केंद्र पर उपलब्ध है।

कब आएगी अगली किस्त

कृषि मंत्री शिवराज सिंह के मुताबिक, पीएम किसान योजना की 19वीं किस्त 24 फरवरी 2025 को किसानों की खाते में आएगी। उस दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार के दौरे पर रहेंगे। वहां कई कृषि कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे और राज्य की कई विकास परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगे। वहीं से पीएम किसान की 19वीं किस्त भी ट्रांसफर करेंगे

बेनिफिशयरी लिस्ट में कैसे चेक करें नाम

सरकार पीएम किसान योजना के लाभार्थियों की लिस्ट जारी करती है। इससे पता चलता है कि किन किसानों को योजना का लाभ मिलेगा। लाभार्थी लिस्ट में नाम चेक करने का स्टेप बाय स्टेप प्रोसेसः

पीएम किसान की ऑफिशियल वेबसाइट (https://pmkisan.gov.in/) पर जाएं।

₹Beneficiary Status₹ के ऑप्शन को सेलेक्ट करें।

आधार नंबर या फिर बैंक अकाउंट नंबर नंबर भरें।

अब ₹Get Data₹ को सेलेक्ट करें।

अब आपको स्क्रीन पर अपनी सभी डिटेल्स दिखेंगी। इसके जरिए आप चेक कर सकते हैं कि आपको योजना का लाभ मिलेगा या नहीं। अगर आपका नाम लाभार्थी किसानों की लिस्ट में नहीं है, तो तुरंत सक्षम अधिकारियों के पास शिकायत करें।

अपने हीरोज और इन्फ्लुएंसर्स को सोच-समझकर चुनें

प्रिय यंगिस्तान,

बचपन से हम सभी को सिखाया जाता है कि बड़े होकर "बड़े इंसान" बनना चाहिए। लेकिन बड़ा बनने से भी ज़्यादा महत्वपूर्ण है ₹बड़े बने रहना₹ – यानी अपनी जिम्मेदारी को समझना, सही मूल्यों पर खरा उतरना और अपने प्रभाव का सही उपयोग करना।

आज की डिजिटल दुनिया में, हमारे रोल मॉडल्स और इन्फ्लुएंसर्स का चुनाव बहुत सोच-समझकर किया जाना चाहिए। केवल बड़े नाम, हाई प्रोफाइल और चमक-दमक देखकर किसी को अपना आदर्श मत बनाइए। असली हीरो वही होते हैं जो अपनी लोकप्रियता का सही इस्तेमाल करते हैं, समाज में सकारात्मकता फैलाते हैं और युवाओं को सही दिशा दिखाते हैं।

यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया के हालिया विवाद ने यही सिखाया है। स्टैंडअप कॉमेडियन समय रैना के शो में पैरेंट्स पर की गई अश्लील टिप्पणी के बाद उनकी आलोचना हो रही है। मानवाधिकार आयोग ने संज्ञान लिया, पुलिस में शिकायत दर्ज हुई, और सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोल किया जा रहा है। बाद में रणवीर ने माफी मांगी और स्वीकार किया कि उनका बयान अनुचित था, कॉमेडी उनकी ताकत नहीं है, और उन्होंने अपनी जिम्मेदारी को हल्के में ले लिया।

यह घटना एक महत्वपूर्ण सबक देती है – आपके द्वारा चुने गए इन्फ्लुएंसर्स सिर्फ़ आपको एंटरटेन नहीं करते, वे आपके सोचने-समझने के तरीके को भी प्रभावित करते हैं। इसलिए, यह बेहद ज़रूरी है कि आप ऐसे लोगों को फॉलो करें जो आपको प्रेरित करें, नैतिकता सिखाएं और अपने प्रभाव का सकारात्मक उपयोग करें।

यंगिस्तान, अपनी आवाज़ को पहचानो, अपने आदर्शों को समझो, और सोच-समझकर तय करो कि तुम्हें किसका अनुसरण करना है। एक अच्छा रोल मॉडल केवल लोकप्रियता से नहीं बनता, बल्कि अपने विचारों, मूल्यों और जिम्मेदारी के प्रति उसकी ईमानदारी से बनता है।

#openletter
- अंकुर

महाकुंभ की माया में मानव

विजय गर्ग

'म' वर्ण से बनने वाले शब्दों अथवा घटनाओं के कारण 'म' से महाकुंभ 2025 कई मामलों में सुर्खियां बटोर रहा है। माया, महामाया, मनोहर एवं मनोरंजक मिश्रित दृश्य वाले महाकुंभ में श्रद्धालुओं की विभिन्न कोटियां मनोवांछित मतलब के उद्देश्य से मेले में चलते, गिरते-पड़ते और भटकते हुए दिखाई दे रही हैं। 'म' महापुरुष, महिला, मठाधीश से मुख्यमंत्री तक, हर कोई संगम में तन को मन से गीला करने में लगा हुआ है। कोई 'म' से मल या मैल धोने, कोई 'म' से मोक्ष प्राप्त करने या 'म' से मनोरथ सिद्ध करने के लिए डुबकी लगा रहा है। किसी युग में समुद्र मंथन से अप्सरा रंभा निकली थी, उसी तरह महाकुंभ मंथन 2025 में 'म' से मनका (माला) बेचने वाली मलिका (सुंदर स्त्री) का अवतरण हुआ है। 'म' से मोनालिसा का जादू महाकुंभ में ऐसा छाया कि कई लोगों ने उसके साथ सेल्फी लेकर अमृत स्नान वाला पुण्य प्राप्त कर लिया। इस महाकुंभ में 'म' से मत्सरी महात्मा अर्थात गुस्सैल साधु महाराज का भौकाल भी देखते बन रहा है। साइलेंट प्रवृत्ति वाले महात्मा का वायलेंट मोड वाला वीडियो कब वायरल हो जाए, यह महादेव को भी नहीं मालूम। बाबाजी एटीट्यूड से ऐसा प्रतीत होता है कि तथाकथित महात्मा जी आम जन की तरह महंगाई, परिवार, रोजगार अथवा राष्ट्रीय मुद्दे की चिंता से तनावग्रस्त हैं। रौद्र रूप धारण करते हुए मनोविकार को कभी किसी यूट्यूबर पर, तो कभी किसी अन्य पर थप्पड़, लाठी, चिमटा और त्रिशूल तान कर निकाल रहे हैं। 'म' से ममता कुलकर्णी का महामंडलेश्वर बनने से कई लोगों का हाजमा खराब हो गया है। ऐसा लग रहा है कि सुंदरी से साध्वी बनने वाले कृत्य पर भले ही उनको राणाजी माफ कर दें, लेकिन उनके फैंस और विरोधी कभी माफ नहीं करेंगे।

'म' से मौनी अमावस्या वाले दिन मचे भगदड़ के कारण मोक्ष के बजाय मृत्यु प्राप्त होने वाले दर्जनों श्रद्धालुओं ने मीडिया एवं राजनीतिक दलों को सर्दियों में गरमागरम 'म' से मुद्दा उपलब्ध कराने में महती भूमिका निभाई। 'म' से मुसाफिर को महाकुंभ तक पहुंचने अथवा घर वापसी के लिए यात्रा के दौरान जो 'म' से मशक्कत करनी पड़ रही है, वह देखते ही बनती है। ट्रेन के अंदर घुसने के लिए एक-दूसरे पर बोतल का पानी फेंकना, धक्का-मुक्की करना, ट्रेन की बंद दरवाजे-खिड़कियों को पीटना, ट्रेन की बंद गेटों पर लटक कर रेलवे यात्रा कर रहे श्रद्धालुओं की जो तस्वीरें और वीडियो सामने आ रही है, वह इस बात का प्रमाण है। कि जनसंख्या के मामले में हम विश्व गुरु हैं और भीड़ जुटाने के मामले में हमारा कोई वैश्विक जोड़ीदार नहीं है। ओवरलोड ट्रेन या बसों में सीट प्राप्त कर लेना श्रद्धालुओं के लिए अमृत स्नान से कम नहीं माना जा रहा है। 'म' से मजे की बात यह है कि यहां मक्कार प्रवृत्ति वाले मानव दूसरों का माल, मन, मोबाइल चुराकर मालामाल बनने की जुगत हुआ है, तो वहीं दूसरी ओर छोटी- बड़ी गाड़ियों में सवार कुछ यात्री अमृत स्नान करके लौटते समय, तो कुछ अमृत स्नान को जाते समय दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण यमराज का मार्च क्लोजिंग वाला डाटा फरवरी में ही पूरा करने में सहयोग कर रहे हैं। बहरहाल 'म' से मनोहारी और मदहोश करने वाले दृश्यों के बीच इंटरनेट मीडिया पर तौलिया में स्नान की जाती हुई युवती अथवा बाबाजी के साथ सेल्फी लेती हुई देसी-विदेशी महिलाओं की कुछ अनसेंसर्ड तस्वीरें या वीडियो भी सामने आ रही हैं, जिनके व्यूज को देखकर इस बात का आकलन किया जा सकता है कि मेटा के उपभोक्ता भी महाकुंभ के विभिन्न स्नानों में मानसिक गोता लगा रहे हैं।

दुख शिक्षा के लिये और सुख मानवता की परीक्षा के लिये देते हैं विधाता : सामाजिक चिंतक मुशरफ

आगरा, संजय साग़र सिंह। मानव जीवन में जो कुछ सुख-दुख होते है। मनुष्य को जो मिलता है, उसके पीछे कोई योजना होती है। मानव अल्पज्ञ है, वह भविष्य को नही जानता, जब हम पिछे की ओर दृष्टि डालकर देखते हैं, तो विधी की योजना का पता चलता है। तो जो कुछ होता है भले के लिये ही होता है। ऐसा मानकर सुख-दुख को भोगना चाहिये।

सामाजिक चिंतक मुशरफ खान के यह महत्वपूर्ण वाक्य एक गहरे दर्शन की ओर इशारा करते है। इसका अर्थ यह हो सकता है कि जीवन में दुख हमें सिखाने के लिए आते हैं, ताकि हम संघर्षों और कठिनाइयों से कुछ महत्वपूर्ण सीखें। वहीं, सुख का अनुभव हमारे मानवता के स्तर की परीक्षा करता है, जिससे हमें यह समझने का अवसर मिलता है कि हम अपनी समृद्धि और खुशियों के साथ दूसरों के प्रति कैसे व्यवहार करते हैं। यह वाक्य जीवन के विभिन्न पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करने की प्रेरणा देता है।

श्री खान की यह बात शतप्रतिशत सही है कि जीवन में जो भी सुख और दुख हमें मिलते हैं, उनके पीछे किसी गहरी योजना का होना प्रतीत होता है। हमारी समझ और ज्ञान सीमित होते हैं, इसलिए हम अक्सर उन कारणों को नहीं समझ पाते, जो हमें जीवन में मिलते हैं। हो सकता है कि दुख हमें आत्मविकास और समझ का अवसर दे, और सुख हमें संतुलन और आभार का पाठ सिखाए। उन्होंने आगे कहा, "हमारी अल्पज्ञता यह दर्शाती है कि जीवन के कुछ पहलू हमारे नियंत्रण से बाहर होते हैं, और हमें उन्हें समझने या बदलने से पहले स्वीकार करना चाहिए। एक ओर से यह हमें humility (नम्रता) सिखाता है, और दूसरी ओर यह हमें जीवन के अदृश्य तत्वों से जुड़ने का आह्वान करता है।" सामाजिक चिंतक मुशरफ खान के यह विचार बहुत गहरे अर्थ को दर्शाते है कि वास्तव में, मानव भविष्य को नहीं जानता, लेकिन जब हम पीछे मुड़कर देखते हैं, तो हमें महसूस होता है कि जीवन में जो घटनाएँ घटित हुईं, वे किसी न किसी प्रकार से एक बड़ी योजना का हिस्सा थीं। हमारी पुरानी कठिनाइयाँ, दुख, या संघर्ष, जिनसे हम उस वक्त गुजर रहे थे, अब हमें एक उद्देश्यपूर्ण और स्पष्ट दृष्टिकोण प्रदान करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि विधि या नियति का यह परिप्रेक्ष्य हमें यह समझने में मदद करता है कि हर घटना, चाहे वह सुख हो या दुख, हमें किसी महत्वपूर्ण दिशा में ले जाती है। जीवन की योजना का असली उद्देश्य कभी-कभी हमारे समझने से परे होता है, लेकिन जब हम अतीत को देख कर सोचते हैं, तो हमें पता चलता है कि घटनाएँ एक विशेष क्रम में हुई थीं, और उनका अंत एक परिणाम की ओर हुआ। इस प्रकार, अतीत को समझ कर हम वर्तमान और भविष्य के प्रति अधिक धैर्य और विश्वास रख सकते हैं।

श्री खान का दृष्टिकोण बहुत सशक्त और सकारात्मक है। वो कहते हैं कि अगर हम यह मान लें कि जो कुछ भी होता है, वह हमारे भले के लिए ही होता है, तो हमें हर परिस्थिति को एक अवसर के रूप में देखना आसान हो जाता है। सुख और दुख दोनों ही जीवन के महत्वपूर्ण हिस्से हैं, और जब हम इस सोच के साथ उन्हें स्वीकार करते हैं, तो हम अपनी यात्रा को अधिक शांतिपूर्ण और संतुलित बना सकते हैं।

उन्होंने अंत में कहा, ₹दुख हमें सिखाने का कार्य करता है, जबकि सुख हमें आभार और संतोष की भावना से जोड़ता है। अगर हम दोनों को जीवन के हिस्से के रूप में बिना घबराए स्वीकार करें, तो हम अधिक मानसिक शांति और आत्मविश्वास प्राप्त कर सकते हैं। इस दृष्टिकोण से जीवन की घटनाएँ हमें न केवल चुनौतीपूर्ण महसूस नहीं होंगी, बल्कि हम उन्हें अपनी आत्मविकास की दिशा में एक कदम और बढ़ने के रूप में देख पाएंगे।"

OCA खेल प्रबंधन में विफल , अन्तरजातीय खेत्र मे ओड़िशा बदनाम

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड
ओड़िशा

भुवनेश्वर/कटक: भारत और इंग्लैंड के बीच बारबाटी में खेले जा रहे एकदिवसीय मैच के दौरान आज एक बड़ी घटना घटी। स्टेडियम में लगी फ्लड लाइटें खराब होने के कारण मैच में बाधा उत्पन्न हुई। यह घटना तब घटी जब भारत ने केवल 6 ओवर बल्लेबाजी की थी। दोनों टीमों के खिलाड़ी कुछ देर तक मैदान पर इंतजार करते रहे, क्योंकि लाइटें नहीं जल रही थीं। हालांकि, लाइटें नहीं जलने के कारण खिलाड़ी मैदान से बाहर चले गए। भारत-इंग्लैंड मैच की दूसरी पारी के दौरान ऐसी ही शर्मनाक घटना देखने को मिली। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने फ्लडलाइट की समस्या के कारण अपनी निराशा व्यक्त की। लगातार हो रही इस समस्या के कारण मैच रोक दिया गया। ऐसी अकल्पनीय स्थिति से दर्शक निराश हैं। पांच साल बाद, जबकि बारबाटी में क्रिकेट मैच चल रही है, दर्शक ऐसी स्थिति से नाराज हैं। अंतरराष्ट्रीय मैचों में ऐसी गलतियों ने हर जगह सवाल खड़े कर दिए हैं।

टिकट बिक्री के दौरान भी एक घटना घटी, जिसमें 15 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

भारत और इंग्लैंड के बीच तीन मैचों की वन-डे इंटरनेशनल सीरीज का दूसरा मैच आज ऐतिहासिक बारबाटी स्टेडियम में खेला जा रहा है। मेहमान टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। परिणामस्वरूप, भारत ने गेंदबाजी की। इंग्लैंड ने निर्धारित 50 ओवरों में 9 विकेट के नुकसान पर 304 रन बनाए। परिणामस्वरूप, भारत को यह मैच जीतने के लिए 305 रनों की आवश्यकता है। इसके लिए ओसीए की निंदा की गई है।

अयोध्या में श्री राम मंदिर ट्रस्ट ने राम मंदिर के दर्शन और आरती में किया गया बदलाव

परिवहन विशेष न्यूज

नईदिल्ली। सुबह 6 बजे रात 10 बजे तक चलेगा रामलला का दर्शन, सुबह 4:00 बजे होगी मंगला आरती। मंगला आरती के बाद भगवान के पट को किया जाएगा बंद। सुबह 6:00 होगी श्रंगार आरती, श्रंगार आरती के साथ ही रामलला का मंदिर आम जन के लिए दिया जाएगा खोल। दोपहर 12:00 लगेगा राज भोग। भोग के पश्चात पुनः श्रद्धालु कर सकेंगे रामलला का अनवरत दर्शन। शाम 7:00 बजे होगी संध्या आरती। संध्या आरती में 15 मिनट के लिए भगवान का पट किया जाएगा बंद। रात्रि 10:00 बजे होगी शयन आरती। शयन आरती के बाद भगवान का पट किया जाएगा बंद। पूर्व में 9:30 बजे होती थी शयन आरती और 7:00 बजे सुबह खुलता था श्रद्धालुओं के लिए भगवान का पट। बढ़ती श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए राम मंदिर ट्रस्ट ने लिया निर्णय। ज्यादा से ज्यादा श्रद्धालुओं को मिले सुगम दर्शन इसलिए बढ़ाया गया दर्शन अवधि। लगभग आधे घंटे शाम को और 1 घंटे सुबह डेढ़ घंटे के दर्शन और आरती में किया गया बदलाव, भगवान के भोग के समय भी श्रद्धालुओं को मिलता रहेगा दर्शन !!

"कुंभ स्नान"

कुंभ स्नान चल रहा था। राम घाट पर भारी भीड़ लग रही थी। शिव पार्वती आकाश से गुजरे। पार्वती ने इतनी भीड़ का कारण पूछा - आशुतोष ने कहा - कुम्भ पर्व पर स्नान करने वाले स्वर्ग जाते है। उसी लाभ के लिए यह स्नानार्थियों की भीड़ जमा है।

पार्वती का कौतूहल तो शान्त हो गया पर नया संदेह उपज पड़ा, इतने लोग स्वर्ग कहां पहुंच पाते हैं ? भगवती ने अपना नया सन्देह प्रकट किया और समाधान चाहा। भगवान शिव बोले - शरीर को गीला करना एक बात है और मन की मलीनता धोने वाला स्नान जरूरी है। मन को धोने वाले ही स्वर्ग जाते हैं। वैसे लोग जो होंगे उन्हीं को स्वर्ग मिलेगा। मां पार्वती का सन्देह घटा नहीं उल्टा और बढ़ गया। पार्वती बोलीं - यह कैसे पता चले कि किसने शरीर धोया किसने मन संजोया। शिवजी ने उत्तर दिया:- यह कार्य से जाना जाता है। शिवजी ने इस उत्तर से भी समाधान न होते देखकर प्रत्यक्ष उदाहरण से लक्ष्य समझाने का प्रयत्न किया।

*मार्ग में शिव कुरूप कोढ़ी बनकर पढ़ गए और साथ ही मा पार्वती को भी सुन्दर सजा दिया। दोनों बैठे थे। स्नानार्थियों की भीड़ उन्हें देखने के लिए रुकती और उनकी स्थिति के बारे में पूछताछ करती। पार्वती जी रटाया हुआ विवरण सुनाती रहतीं। यह कोढ़ी मेरा पति है। गंगा स्नान की इच्छा से आए हैं। गरीबी के कारण इन्हें कंधे पर रखकर लाई हूँ। बहुत थक जाने के कारण थोड़े विराम के लिए हम लोग यहाँ बैठे हैं। अधिकाँश दर्शकों की नीयत डिगती दिखती। अधिकतर दर्शनार्थी सुन्दरी को प्रलोभन देते और पति को छोड़कर अपने साथ चलने की बात कहते। पार्वती लज्जा से गढ़ गई और सोचने के लिए मजबूर हो गई भला ऐसे भी लोग स्नान को आते हैं क्या ? निराशा देखते ही बनती थी।

संध्या हो चली। एक उदारचेता आया और विवरण सुना। उसकी आँखों में आँसू भर आए। उसने सहायता का प्रस्ताव रखा और कोढ़ी को कंधे पर लादकर तट तक पहुँचाया। वह अपने साथ जो सत्तू लाया हुआ था उसमें से उन दोनों को भी खिलाया और साथ ही सुन्दरी को बार-बार नमन करते हुए कहा - आप जैसी देवियां ही इस धरती की स्तम्भ हैं। धन्य हैं आप जो इस प्रकार अपना धर्म निभा रही हैं। शिव का प्रयोजन पूरा हुआ और शिव पार्वती उठे और कैलाश की ओर चल पड़े, रास्ते में पार्वती को कहा इतनों में से एक ही व्यक्ति ऐसा था जिसने मन धोया और स्वर्ग का रास्ता बनाया। स्नान का महात्म्य तो सही है पर उसके साथ मन भी धोने की शर्त है। पार्वती समझ गई कि स्नान महात्म्य सही होते हुए भी क्यों लोग उसके पुण्य फल से वंचित रहते हैं ?

ॐ श्री गौरी शंकर नमः।

ग़ज़ल : मैं भी निराला ...!

अभी मंजिल दूर, बाकी है सफर,
आ गई थकावट बाकी है असर।

अभी और कितनी दूर तेरा गांव,
जानम दुख रहे है अब मेरे पांव।

क्या? जख्म देखकर आएगी दया,
ये परीक्षा है आई तुझे शर्मो हया।

इम्तहानों का दौर कब तक चलेगा,
अभिभावकों से दूर बंदा ये जियेगा?

प्यार में तेरे यूँ पल-पल न मरेगा,
हाथ में जहर है मेरे नहीं पियेगा।

वालदिन ने बडे मसाइन से पाला,
मेरे लिए प्यार उनका बहुत आला।

कैसे छोड़ दूँ खिलाया जो निवाला,
छोड़ता हूँ अब तुझे मैं भी निराला।

संजय एम तराणेकर

कानपुर प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष अवनीश दीक्षित की संपत्ति जप्त करने की तैयारी

– पुलिस कमिश्नर कोर्ट ने दिया कानपुर प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष अवनीश दीक्षित की संपत्ति जप्त करने का आदेश

सुनील बाजपेई

कानपुर। करोड़ों की जमीन कब्जा मामले में कानपुर प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष अवनीश दीक्षित की मुशीबते और बढ़ गई हैं। अवैध तरीकों से अर्जित की गई उनकी करोड़ों की संपत्ति जप्त करने के आदेश यहां के पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार ने दिए हैं, जिसके बाद पुलिस ने इसकी तैयारी भी शुरू कर दी है।

इस बीच बताया गया कि कब्जे के प्रयास में जेल गए पूर्व प्रेस क्लब अध्यक्ष अवनीश दीक्षित की 2.68 करोड़ की सम्पत्ति सीज होगी। पुलिस कमिश्नर ने आज सोमवार को इस मामले में आदेश कर दिए हैं। इसके बाद पुलिस ने भी तैयारी शुरू कर दी है।

अवगत कराते चलें कि सिविल लाइंस स्थित नजूल की एक हजार करोड़ रुपये कीमत की जमीन कब्जाने के प्रयास में पूर्व प्रेस क्लब अध्यक्ष अवनीश दीक्षित का नाम सामने आया था। इसी मामले में 28 जुलाई 2024 को लेखपाल विपिन कुमार ने अवनीश दीक्षित समेत 13 लोगों को नामजद और 20 अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसी मामले में सैमुअल गुरुदेव की ओर से भी 12 लोगों को नामजद करते हुए गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी।

बाद में कोतवाली पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए अवनीश दीक्षित को गैंग लीडर बनाते हुए पहला इंटर स्टेट गैंग रजिस्टर किया था। जिसमें 16 आरोपियों को गैंग का सदस्य दर्ज किया गया। इसके बाद गैंग के सदस्यों की संपत्तियां चिंहित कर उसकी फाइल पुलिस कमिश्नर कोर्ट में भेजी गई थी।

जानकारी के मुताबिक अपनी कोर्ट में पूरी सुनवाई करने के बाद सबूतों के आधार पर पूरी सुनवाई के बाद पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार द्वारा संपत्ति को जप्त करने के आदेश दिए जाने के बाद पुलिस ने जो तैयारी शुरू की है उसके मुताबिक मामले की सुनवाई पूरी होने के बाद सम्पत्ति जब्तिकरण कि यह करवाई अवनीश दीक्षित के किदवई नगर स्थित घर से की जाएगी। उनके इस घर की कीमत 2.68 करोड़ रुपए लगाई गई है। अधिकारियों ने बताया कि यहां से कार्रवाई शुरू होने के बाद गैंग के बाकी सदस्यों की सम्पत्तियों के जब्तिकरण की कार्रवाई जल्द शुरू की जाएगी, जिससे उनमें और उनके शुभचिंतकों में भी खलबली मची हुई है।

याद रहे की पत्रकारिता की आड़ में अपराध करने वाले लोगों के खिलाफ इस तरह की प्रभावी कार्रवाई करने वाले यहां के पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार देश के पहले आईपीएस अधिकारी हैं। इसके पहले पूरे देश में इस तरह की कार्रवाई कहीं भी नहीं की गई।

अंतिम संस्कार में स्नान नहीं करके जाने के नुकसान क्या है

अंतिम संस्कार में स्नान नहीं करके जाने के कई नुकसान हो सकते हैं, जानेः

धार्मिक और आध्यात्मिक नुकसान

1. पवित्रता की कमीः स्नान नहीं करने से आप अपने शरीर को पवित्र नहीं करते हैं और अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए तैयार नहीं होते हैं।

2. आध्यात्मिक शुद्धि की कमीः स्नान नहीं करने से आप अपने मन और आत्मा को शुद्ध नहीं करते हैं और अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए आध्यात्मिक रूप से तैयार नहीं होते हैं।

3. मोक्ष प्राप्ति में बाधाः स्नान नहीं करने से मृतक व्यक्ति की आत्मा को मोक्ष प्राप्ति में बाधा उत्पन्न हो सकती है।

4. पुण्य प्राप्ति में कमीः स्नान नहीं करने से आप पुण्य प्राप्ति में कमी कर सकते हैं और अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने में असफल हो सकते हैं।

मानसिक और शारीरिक नुकसान

1. मानसिक तनावः स्नान नहीं करने से आप अपने मन को तनावग्रस्त कर सकते हैं और अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए मानसिक रूप से तैयार नहीं हो सकते हैं।

2. शारीरिक अस्वच्छताः स्नान नहीं करने से आप अपने शरीर को अस्वच्छ बना सकते हैं और अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए शारीरिक रूप से तैयार नहीं हो सकते हैं।

3. तनाव और चिंताः स्नान नहीं करने से आप अपने तनाव और चिंता को बढ़ा सकते हैं और अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए अधिक तनावग्रस्त महसूस कर सकते हैं।

4. आत्मविश्वास की कमीः स्नान नहीं करने से आप अपने आत्मविश्वास को कम कर सकते हैं और अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए अधिक आत्मविश्वासी महसूस नहीं कर सकते हैं।

सामाजिक और सांस्कृतिक नुकसान

1. सामाजिक अनुष्ठान की कमीः स्नान नहीं करने से आप सामाजिक अनुष्ठान की कमी कर सकते हैं और अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए आवश्यक सामाजिक अनुष्ठानों को पूरा नहीं कर सकते हैं।

2. सांस्कृतिक महत्व की कमीः स्नान नहीं करने से आप सांस्कृतिक महत्व की कमी कर सकते हैं और अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए महत्वपूर्ण सांस्कृतिक अनुष्ठानों को पूरा नहीं कर सकते हैं।

3. परिवार और समाज के साथ जुड़ाव की कमीः स्नान नहीं करने से आप परिवार और समाज के साथ जुड़ाव की कमी कर सकते हैं और अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए अधिक जुड़ाव महसूस नहीं कर सकते हैं।

4. आदर और सम्मान की कमीः स्नान नहीं करने से आप आदर और सम्मान की कमी कर सकते हैं और अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए अधिक आदर और सम्मान महसूस नहीं कर सकते हैं !

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023